• वर्ष-3
• अंक-248
रायपुर, रविवार 26 मई 2024
• पृष्ठ-8
• मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› काजोल 27 साल बाद प्रभु देवा के ...

बेमेतरा बारूद फैक्ट्री में धमाका

12 से अधिक की मारे जाने की संभावना

बेमेतरा/रायपुर। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में एक बारूद फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ है। इस घटना में 10 से 12 लोगों से अधिक की मारे जाने की संभावना है। बताया जा रहा है कि बारूद फैक्ट्री में ब्लास्ट में कई लोग घायल भी हुए हैं जो मालवे में दबे हो सकते हैं। बारूद फैक्ट्री में धमाके की घटना जिले के बेरला ब्लॉक के बोरसी की है। जानकारी के मुताबिक जिस वक्त धमाका हुआ वहां आसपास लोगों की भीड़ इकट्ठा थी। घटना में कई घायलों को रायपुर के मेकाहारा अस्पताल रेफर किया गया है। इसके अलावा आसपास के अस्पताल में भी कई लोगों को भर्ती कराया गया है।

बारूद फैक्ट्री में ब्लास्ट होने के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। वहीं जिला प्रशासन की टीम भी घटनास्थल पर चुकी है। इसके साथ ही फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस की टीम को मौके पर रवाना कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक ब्लास्ट कैसे हुआ अभी इसके कारणें का पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है कि धमाका इतना जोरदार हुआ कि सैकड़ो फीट ऊपर बिजली के तार इससे प्रभावित हो गए हैं।

मौके पर पहुंचे कलेक्टर, बोले- की जा रही जांच- इस मामले की जानकारी को लेकर बेमेतरा कलेक्टर रणबीर शर्मा ने बताया कि जैसे ही एसडीआरएफ की टीम आएगी मलवा हटाने का कार्य तुरंत शुरू कर दिया जाएगा। घटना की मुख्य वजह क्या थी इसे लेकर कलेक्टर ने कहा कि यह बताना बिल्कुल भी मुश्किल होगा की किन कारणों से यह घटना घटी है। क्योंकि यह बारूद फैक्ट्री थी, केमिकल्स भी यहां थे। लेकिन किन कारणों से ऐसा हुआ यह अभी बताना थोड़ा मुश्किल है।

उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने घटना पर जताया दुख- उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि बेमेतरा में एक बारूद फैक्टरी में विस्फोट होने की जानकारी मिली है मैं प्रशासन के लोगों से लगातार संपर्क में हूं। प्रशासन की पूरी टीम घटनास्थल पर मौजूद है। दमकल की गाड़ियों को भी बुलाया गया है। राहत और बचाव कार्य जारी है। घायलों को इलाज के लिए रायपुर भेजा गया है। घटना पर दुख जताते हुए सीएम विष्णु देव साय ने कहा कि बेमेतरा जिले के बोरसी गांव के बारूद फैक्टरी में ब्लास्ट होने की दु:खद खबर आई है। घटना की जानकारी मिलते ही उच्चाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दे दिए गए हैं।

बघेल ने घटना पर उठाए सवाल- छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बेमेतरा जिले में बारूद फैक्टरी में हुए ब्लास्ट को लेकर सवाल उठाया है। ईश्वर से मृतात्माओं को सद्गति देने एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। उन्होंने आगे लिखा कि सूचना है कि तीन घंटे तक बचाव दल नहीं पहुंचा। शासन, प्रशासन बचाव कार्य सुनिश्चित करें और पीड़ितों को उचित मुआवज़ा दें।

घटना स्थल पर रोका गया मलबा हटाने का काम- जिले के बेरला तहसील के ग्राम पिरदा स्थित स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड बारूद फैक्ट्री में हुए भीषण ब्लास्ट के बाद पूरा इलाका दहल उठा. ब्लास्ट में घायलों को उपचार के लिए रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में लाया गया, जहां उपचार के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई है. जबकि, दो मजदूरों की हालत में सुधार के बाद उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया है. इसके साथ ही मेकाहारा में उपचाररत मरीजों की संख्या घटकर चार रह गई है. वहीं कई मजदूरों की अभी भी फैक्ट्री के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है.

मुख्यमंत्री ने दिए घटना की जांच के आदेश

बेमेतरा जिले के बोरसी गांव स्थित बारूद फैक्ट्री में हुए विस्फोट मामले में छत्तीसगढ़ सरकार ने दंडाधिकारी जांच के आदेश दे दिए हैं। दुर्घटना में मृतक परिवार के लिए पांच लाख रुपए और घायलों के लिए पचास हजार रुपए की घोषणा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की है। साय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा है कि बेमेतरा जिले के बोरसी गांव स्थित बारूद फैक्ट्री में हुए विस्फोट मामले के दंडाधिकारी जांच के आदेश दे दिए गए हैं। दुर्घटना में हुई मौत पर मृतक के परिजनों को पांच लाख रुपए एवं घायलों को पचास हजार रुपए आर्थिक सहायता देने के आदेश भी दे दिए गए हैं। घायलों को समुचित इलाज के लिए रायपुर लाया जा रहा है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य की उच्चस्तरीय निगरानी की जा रही है। ईश्वर से मृतक की आत्मा की शांति एवं घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।

राजकोट में गेम जोन में आग से 24 की मौत, बचाव-अभियान जारी

राजकोट। गुजरात के राजकोट में शनिवार शाम पांच बजे भीड़भाड़ भरे गेम जोन में भीषण आग लग गई। हादसे में 12 बच्चों समेत 24 लोगों की मौत हो गई। 25 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा चुका है। अधिकारियों का कहना है कि अग्निकांड में हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आग की घटना पर नगर निगम और प्रशासन को तत्काल बचाव और राहत कार्य के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही प्रदेश सरकार ने फायर एनओसी नहीं रखने वाले सभी गेम जोन को बंद करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने बताया कि शाम करीब साढ़े चार बजे गेमिंग गतिविधियों के लिए बनाए गए फाइबर डोम में आग लगी थी। इसके बाद फायर कंट्रोल रूम को शाम करीब 4:30 बजे इसकी सूचना मिली। फायर टेंडर और एंबुलेंस आग बुझाने के लिए मौके पर पहुंचे। आग के कारण ढांचा ढह गया और मलबा हटाया जा रहा है। राजकोट कलेक्टर प्रभाव जोशी ने कहा कि प्रभावित टीआरपी गेम जोन बचाव अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि गर्मी की छुट्टी और सप्ताहांत के चलते गेम जोन में काफी भीड़ थी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि गेम जोन में कई जगह मरम्मत और रेनोवेशन का काम चल रहा था। बड़ी संख्या में प्लाई के टुकड़े और लकड़ियां फैली हुई थीं। आग लगते ही ये भी उसकी चपेट में आ गए और 30 सेकंड के अंदर आग पूरे गेम जोन में फैल गई। आग से पूरा गेम जोन जलकर खाक हो गया है। हालांकि अभी आग लगने की वजहों का पता नहीं चल सका है। आग पर करीब तीन घंटे में काबू पाया जा सका। अधिकारियों का कहना है कि मृतकों के शव बुरी तरह से झुलस गए हैं। इसके चलते अभी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पहचान के लिए डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

छठे चरण का मतदान संपन्न, 58 लोकसभा सीटों पर डाले गए वोट

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के छठे चरण का मतदान शनिवार को संपन्न हुआ, जिसमें छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की 58 सीटें शामिल हैं। इस चरण में दिल्ली की सभी सात सीटें और पश्चिम बंगाल का जंगल महल क्षेत्र शामिल है। उत्तर प्रदेश की 14 सीटों, हरियाणा की सभी 10 सीटों, बिहार और पश्चिम बंगाल की आठ-आठ सीटों, ओडिशा की छह सीटों, झारखंड की चार सीटों और जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर मतदान हुआ। इसके अलावा, ओडिशा की 42 विधानसभा सीटों पर भी मतदान हुआ। शाम 5 बजे तक कुल मतदान 57.7त्न बताया गया। बंगाल में शनिवार को छठे चरण के मतदान वाले आठ लोकसभा क्षेत्रों में शाम 5 बजे तक 77.99 प्रतिशत मतदान हुआ। तमलुक, कांथी, घाटल, झाड़ग्राम, मेदिनीपुर, पुरुलिया, बांकुरा और बिष्णुपुर निर्वाचन क्षेत्रों में सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ। बिष्णुपुर (एससी) में सबसे अधिक 81.47 प्रतिशत मतदान हुआ, इसके बाद तमलुक में 79.79 प्रतिशत, झाड़ग्राम (एसटी) में 79.68 प्रतिशत, घाटल में 78.92 प्रतिशत, मेदिनीपुर में 77.57 प्रतिशत, बांकुरा में 76.79 प्रतिशत, कांथी में 75.66 प्रतिशत और पुरुलिया में 74.09 प्रतिशत मतदान हुआ। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा की 10 लोकसभा सीटों पर शाम पांच बजे तक 55.93 प्रतिशत मतदान हुआ और शनिवार को मतदान शांतिपूर्ण रहा। मतदान शाम छह बजे समाप्त हो गया लेकिन मतदान का आंकड़ा बढ़ेगा क्योंकि कतार में कई लोग अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में कुल मतदान प्रतिशत 70 फीसदी रहा था। बिहार की आठ लोकसभा सीटों के करीब 1.5 करोड़ मतदाताओं में से शनिवार शाम पांच बजे तक 52.24 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। आठ लोकसभा सीट- वाल्मिकीनगर, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, वैशाली, गोपालगंज, सीवान और महाराजगंज में शाम पांच बजे तक क्रमश: 54.09 प्रतिशत, 55.22 प्रतिशत, 55.78 प्रतिशत, 54.37 प्रतिशत, 56.11 प्रतिशत, 46.49 प्रतिशत, 47.49 प्रतिशत और 49.15 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है।

कांग्रेस प्रवक्ता ने निर्वाचन आयोग पर लगाया गड़बड़ी का आरोप

लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत को लेकर हो रही गड़बड़ियों के खिलाफ वाराणसी पहुंचे कांग्रेस प्रवक्ता अभय दुबे ने निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 10 दिन बाद जारी किए गए प्रतिशत के आंकड़ों में आयोग ने एक करोड़ अतिरिक्त मतदाताओं की संख्या बढ़ा दी है। वाराणसी पहुंचे कांग्रेस प्रवक्ता अभय दुबे ने मतदान प्रतिशत को लेकर हो रही गड़बड़ियों के खिलाफ निर्वाचन आयोग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 10 दिन बाद जारी किए गए प्रतिशत के आंकड़ों में आयोग ने एक करोड़ अतिरिक्त मतदाताओं की संख्या बढ़ा दी है। जिसको लेकर एडीआर नामक संस्था द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दाखिल याचिका के जवाब में निर्वाचन आयोग ने चुनाव में हो रही गड़बड़ियों को लेकर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग भारतीय जनता पार्टी को लाभ दिलाने की कोशिश कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा जताते हुए उन्होंने उम्मीद जताई है कि न्यायालय देश के मतदाताओं के साथ न्याय करेगा। मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कांग्रेस के घोषणा पत्र की भी तारीफ की। दुबे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार चीन के साथ सुरक्षा नीति को बनाने में असफल रही है जिसके कारण चीन भारत के कई किलोमीटर तक भीतर घुसा बैठा है।

...इसलिए गड़बड़ी के आरोप लगा रहे- जितेंद्र सिंह का तंज

केंद्रीय मंत्री और उधमपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार जितेंद्र सिंह ने कहा कि इतना खुलकर चुनाव हो रहा है। कश्मीर घाटी में कोई हिंसा नहीं हुई इसके बाद भी अगर किसी राजनैतिक दल के नेता या उसके मुखिया कहते हैं कि कोई गड़बड़ हैं तो इसका अर्थ है कि मतदान उनके अनुकूल नहीं हो रहा और वहां उनके जीतने की संभावना घट रही है। केंद्रीय मंत्री और उधमपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार जितेंद्र सिंह ने कहा कि यहां लोग लोकतंत्र की प्रक्रिया में दिलचस्पी खो बैठे थे, यहां आतंक का साया था मतदान 6-7% होता था, यह वंशवाद पर आधारित राजनीति करने वाली पार्टियों के लिए यह अनुकूल भी था। आज लोगों में लोकतंत्र के प्रति विश्वास, श्रद्धा और दिलचस्पी जागी है इसलिए वे बढ़-चढ़कर मतदान के लिए आ रहे हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत से उत्साहित निर्वाचन आयोग बहुत जल्द केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू करेगा।

प्रमुख समाचार

योगेन्द्र यादव ने भी माना आएंगे तो मोदी ही

नई दिल्ली। प्रशांत किशोर और अमेरिकी चुनाव विशेषज्ञ इयान ब्रेमर के बाद, चुनाव विशेषज्ञ से नेता बने योगेन्द्र यादव ने भी लोकसभा चुनाव को लेकर अपना आंकलन किया है। योगेंद्र यादव ने अनुमान जताया है की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक और आम चुनाव जीतने वाली है। इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी की चुनावी वापसी की उम्मीद धूमिल हो जाएगी। हालाँकि, यादव के अनुसार, मौजूदा लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी के लिए उम्मीद की किरण होगी। इसकी सीटों की संख्या 100 तक पहुंच सकती है। भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में अपनी भविष्यवाणी के लिए सोशल मीडिया पर आलोचना झेल रहे किशोर ने यादव की सीट के पूर्वानुमान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यादव के अनुसार, भाजपा 240-260 सीटें और उसके सहयोगी 34-45 सीटें जीतेंगे - जिसका मतलब है कि एनडीए की कुल सीटें 275 और 305 के बीच हो सकती हैं। प्रशांत किशोर ने एक्स पर लिखा कि देश में चुनाव और सामाजिक राजनीतिक विषयों की समझ रखने वालों में एक विश्वसनीय चेहरा योगेंद्र यादव जी ने लोकसभा चुनाव का अपना फ़ाइनल आकलन साझा किया है।

दिल्ली में वोटरों की लंबी लाइन, भारी मात्रा में पहुंची महिलाएं!

नई दिल्ली। दिल्ली की सभी सात संसदीय सीटों पर शनिवार को चल रहे लोकसभा चुनाव के छठे और अंतिम चरण में मतदान हो रहा है। इस दौर में छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 58 सीटों पर मतदान हो रहा है, जिसमें 889 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव आयोग ने राष्ट्रीय राजधानी में 162 उम्मीदवारों की उम्मीदवारी को मंजूरी दे दी है। सत्तारूढ़ भाजपा, जिसका 2014 और 2019 के राष्ट्रीय चुनावों में राष्ट्रीय राजधानी में 100% स्ट्राइक रेट था, कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी इंडिया ब्लॉक के सदस्यों, आप और कांग्रेस के खिलाफ है। दिल्ली में अपने सीट-बंटवारे समझौते के तहत, आप चार सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि कांग्रेस ने शेष तीन सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने कहा कि 37.31 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक मतदान उत्तर पूर्वी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में दर्ज किया गया, जबकि चांदनी चौक में सबसे कम 32.18 प्रतिशत मतदान हुआ।

बेरोजगारी और महंगाई पर नहीं बोलते नरेंद्र मोदीः प्रियंका

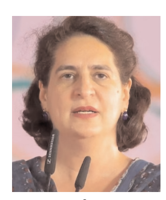

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने बेरोजगारी और महंगाई को लेकर प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। प्रियंका ने कहा कि आज बेरोजगारी और महंगाई सबसे बड़ी समस्या है, लेकिन नरेंद्र मोदी इस बारे में एक शब्द नहीं बोलते। इसलिए अब समय आ गया है कि हम क्करूमोदी को बेरोजगारी और महंगाई का मतलब समझाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा के प्रत्याशी कहते हैं कि %400 पार% आने पर संविधान बदल देंगे और आरक्षण छीन लेंगे। वहीं, कांग्रेस पार्टी और ढ्ढहृष्ठढ्ढ गठबंधन आपसे आपके मद्दों की बात करती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि हम आपको बताते हैं कि महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ क्या किया जाएगा। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए हम क्या कदम उठाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में कुशीनगर में 10 में 6 चीनी मिलें बंद हो गई। जहां व्यापार, रोजगार और लोगों के लिए सुविधाएं हैं, उन्हें बंद कराया गया है। पीएम मोदी ने सिर्फ अपने खरबपति मित्रों के लिए सरकार चलाई है। उनके 16 लाख करोड़ रुपये माफ कर दिए।

कर्नाटक में भाजपा विधायक की गिरफ्तारी

मंगलुरु (कर्नाटक)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को कहा कि कानून सभी के लिए समान है और सवाल किया कि क्या भाजपा के हरीश पूंजा के खिलाफ आरोपों को सिर्फ इसलिए खारिज कर दिया जाए क्योंकि वह विधायक हैं। पूंजा पर पुलिस को धमकाने का आरोप है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूंजा द्वारा पुलिस को कथित रूप से धमकी देने के मामले में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 353 (किसी लोक सेवक को उसके कर्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल का प्रयोग) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। विपक्षी दल के इस आरोप पर कि कांग्रेस भाजपा विधायक को गिरफ्तार करने के लिए दबाव बना रही है, सिद्धरमैया ने कहा कि कानून सभी के लिए समान है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, "आईपीसी की धारा 353 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है, जो गैर-जमानती अपराध है। इस कानून के अनुसार, सात साल जेल कीसजा हो सकती है। क्या हरीश पूंजा के खिलाफ आरोपों को सिर्फ इसलिए खारिज कर दिया जाना चाहिए क्योंकि वह विधायक हैं?"

हमारे भगवान कृष्ण का जन्म जेल में हुआ था: तेजस्वी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बिहार में थे। बिहार में उन्होंने जबरदस्त तरीके से लालू यादव और उनके परिवार पर निशाना साधा। साथ ही साथ कहा कि एनडीए की सरकार राज्य में फिर से जंगल राज नहीं आने देगी। इसी को लेकर अब तेजस्वी यादव की ओर से पलटवार किया गया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार के लोग गुजरात के लोगों से नहीं डरते। बिहार के लोग किसी से नहीं डरते, हमारे भगवान कृष्ण का जन्म जेल में हुआ था। 75 साल का बुजुर्ग 34 साल के युवक को धमकी दे रहा है कि अगर तुमने हमें चुनाव में हराया तो हम तुम्हें जेल भेज देंगे...जनता फैसला करेगी। बिहार के काराकाट में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एनडीए सरकार बिहार को लूटने वालों को नहीं बख्शेगी। यह एनडीए और मोदी की गारंटी है। इंडिया गठबंधन अपने निजी लाभ के लिए कुछ भी कर सकता है। इसके साथ ही तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री को संविधान की बुनियादी जानकारी नहीं है। वह आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। हमने जातीय जनगणना के लिए पत्र लिखा है।

महाराष्ट्र में आशंका-अनुमान के बीच दस दिन की शांति

अभिषेक श्रीवास्तव

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के पांचवें दौर का मतदान 20 मई को पूरा हो गया। 19 अप्रैल से आरंभ हुआ नई सरकार चुनने का सिलसिला 48 सीटों पर मताधिकार व्यक्त करने के साथ समाप्त हो गया। इसके साथ ही कयासों का दौर आरंभ हो गया। कहीं नेता छुट्टियां मनाने चले गए हैं तो कहीं जमकर पूजा-अर्चना की जा रही है।

कुछ उम्मीदवार अभी से ही धन्यवाद यात्रा निकालने में जुटे हैं तो कुछ चुनावी गड़बड़ियों के पीछे लगे हैं। फिलहाल दस दिन चलने वाली आशंकाओं एवं अनुमानों के बीच मतदाता के लिए शांति है। किंतु शांत मन से व्यक्त जनमत से राजनीतिक दलों का मन जरूर अशांत है, जो उन्हें न ज्यादा खुश होने दे रहा है और न ही ज्यादा दुखी होने दे रहा है। लोकसभा चुनाव के अंतिम चरण के तहत राज्य की 13 लोकसभा सीटों पर मतदान खत्म होते ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कार्यकर्ताओं को भावनात्मक पत्र लिखा और चुनाव में कार्यकर्ताओं की मेहनत की प्रशंसा करते हुए चार जून को मिलकर जश्न मनाने की बात कही। इस बीच, केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने राज्य में 35 से 40 सीटें जीतने का दावा किया है, जो पार्टी की उम्मीदों से कम है।

भाजपा के पदाधिकारी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े सेवक 41 से अधिक सीटों पर विजय की उम्मीद लगा रहे हैं। हालांकि मराठवाड़ा में बीड़, पश्चिम महाराष्ट्र में बारामती और उत्तर महाराष्ट्र में अहमदनगर से मतदान में हुई गड़बड़ियों की शिकायत के बाद चुनाव आयोग सक्रिय है। वहीं मुंबई में धीमा मतदान अनेक सवालों को जन्म दे रहा है। उधर, चुनाव संपन्न होने के बाद महागठबंधन में आपसी आरोप-प्रत्यारोप के दौर भी आरंभ हो गए हैं। मावल लोकसभा क्षेत्र से शिवसेना के शिंदे गुट के उम्मीदवार श्रीरंग बारणे ने आरोप लगाया है कि अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के कार्यकर्ताओं ने उनके लिए प्रचार नहीं किया, जिसके जवाब में राकांपा विधायक सुनील शेलके ने श्रीरंग बारणे से अपनी विफलता छिपाने के लिए राकांपा पदाधिकारियों पर आरोप या आलोचना नहीं करने के लिए कहा। इसी तरह, मुंबई उत्तर-पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व सांसद गजानन कीर्तिकर का अपने पुत्र की जीत पर खुश होने की बात कहना और उनकी पत्नी का बेटे के पक्ष में मतदान करने का बयान नेताओं को नाराज कर रहा है। यहां तक कि शिवसेना के उपनेता शिशिर शिंदे ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर पार्टी विरोधी बयान देने के लिए कीर्तिकर को शिवसेना से निष्कासित करने की मांग की है। वहीं, महाविकास आघाड़ी के दावों के अनुसार शिवसेना ठाकरे गुट के प्रमुख उद्धव ठाकरे कहते हैं कि वह 48 में से 48 सीटें जीतेंगे, क्योंकि उन्होंने जीतने की तैयारी से चुनाव लड़ा है। वहीं, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार गुट के अध्यक्ष शरद पवार का मानना है कि विपक्ष महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से 30-35 सीटें जीतेगा। जबकि महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले के अनुसार महाविकास आघाड़ी राज्य की 48 सीटों में से 42 पर चुनाव जीत सकती है। इनके अलावा राष्ट्रीय समाज पार्टी के नेता महादेव जानकर बारामती, बीड़ और परभणी तीनों लोकसभा सीटों पर जीत का दावा कर रहे हैं. प्रहार संगठन के प्रमुख अमरावती में भाजपा प्रत्याशी नवनीत राणा की पराजय निश्चित बताने में जुटे हुए हैं। औरंगाबाद लोकसभा सीट पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद इम्तियाज जलील ने दिल्ली की फ्लाइट का टिकट अभी से बुक कर लिया है। इन सब के बीच चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर का अनुमान है कि महाराष्ट्र में महागठबंधन 25 से 30 सीटें जीत रहा है। उनके अनुसार इस नुकसान का देश के चुनाव परिणामों पर अधिक असर नहीं पड़ेगा।

अब इन दावों-प्रति दावों के बीच भाजपा का अपना दुःख यह है कि उसे 35 सीटों पर चुनाव लड़ने का अवसर नहीं मिला। उसने पिछली बार 25 सीटों पर चुनाव लड़कर 23 सीटें जीतीं थीं। इस बार उसे 28 सीटों पर चुनाव लड़कर संतोष करना पड़ रहा है। इसके एवज में दूसरे दलों को दी 20 सीटों पर कोई भरोसा नहीं बन पा रहा है। वहीं महाविकास आघाड़ी में शिवसेना का ठाकरे गुट 21 सीटों पर चुनाव लड़कर खुद को फायदे में बता रहा है। यहां तक कि कांग्रेस 17 सीटों पर मैदान में ताल ठोंक रही है। वहीं दोनों तरफ के राकांपा के गुट 10 और चार सीटों पर समझौता कर अपने भविष्य को लेकर आशंकित हैं। इस चुनाव से शिवसेना के ठाकरे गुट ने खुले और लचीले रूप से खेलना आरंभ किया है, जिससे उसके सभी दरवाजे खुल गए हैं। मगर शिवसेना का शिंदे गुट एकतरफा खेलकर चुनाव की हार-जीत से ही अपने भविष्य का आकलन कर पाएगा।

फिलहाल महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान के बाद सबको उम्मीदें बंधी हुई हैं। सत्ता पक्ष का मानना है कि मतदाता ने चुप रह कर उसके पक्ष में मतदान किया है, तो विपक्ष का दावा है कि जनमत स्पष्ट रूप से उसके साथ खड़ा दिखाई दे रहा था। इन दोनों स्थितियों में राजनीतिक अनुमानों को भी अधिक अवसर नहीं मिल पा रहा है। अक्सर माना जाता है कि अधिक मतदान सत्ता विरोधी लहर की ओर इशारा करता है। किंतु इस बार मतदान अनेक कारणों से कम ही हुआ है। इसके साथ ही भाजपा अक्सर दावा करती है कि अधिक मतदान उसके लिए लाभप्रद होता है, लेकिन काफी प्रयासों के बाद भी वह संभव नहीं हो पाया। लिहाजा चौंकाने वाले परिणामों की उम्मीदों के बीच जश्न मनाने की तैयारियों को तो जिंदा रखना होगा, लेकिन खुशी मनाने के अवसर की सच्चाई जानने तक सभी को दिल थामकर ही बैठना होगा।

सुकमा में पुलिस फोर्स और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, कई नक्सली घायल

सुकमा। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ पुलिस फोर्स का ऑपरेशन जारी है। शनिवार को सुकमा जिले के घने जंगलों में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। इस मुठभेड़ में कई नक्सलियों को गोली लगने की खबर सामने आ रही है। हालांकि कुल कितने नक्सली मारे गये हैं। ये अभी तक प्रशासनिकतौर पर पुष्टि नहीं की गई है। फोर्स ने नक्सली बंद के मद्देनजर सुकमा जिले में ऑपरेशन तेज कर दिये हैं।

बस्तर संभाग के दंतेवाड़ा जिले, बीजापुर, नारायणपुर की तरह सुकमा जिले में भी नक्सलियों की मांद में घुसकर जवान लगातार अभियान चला रहे हैं। पुलिस फोर्स से मिली जानकारी के मुताबिक, कोंटा क्षेत्र के किन्द्रेलपाड़ के घने जंगलों में माओवादियों के जमावड़े की सूचना मिली थी, जिसके बाद डीआरजी-कोबरा-एसटीएफ के जवानों ने संयुक्त अभियान चलाया है। इस दौरान किन्द्रेलपाड़ के जंगलों में डीआरजी और नक्सलियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई।

सुकमा एसपी किरण चौहान ने बताया कि रुक-रुककर अभी भी इलाके में मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी लगातार नजर बनाए हुए हैं। 26 मई को नक्सलियों ने बंद का आह्वान किया है,जिसको देखते हुए सुरक्षा बलों ने इलाके में ऑपरेशन तेज कर दिया है ।

अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहे नक्सली

छत्तीसगढ़ में पुलिस सुरक्षा बल बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित जिलों में लगातार सर्चिंग कर नक्सलियों की मांद में घुसकर उनका एनकाउंटर कर रहे हैं। इस साल अब तक करीब 121 नक्सली एनकाउंटर में मारे गये हैं और बड़ी संख्या में नक्सलियों ने सरेंडर किया है। प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनने के बाद से नक्सल मोर्चे पर जवान नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब दे रहे हैं। इसके बाद भी नक्सली अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं। आये दिन जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिए जगह-जगह आईईडी लगा रहे हैं। बैनर-पोस्टर लगाकर ग्रामीणों में दहशत फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। अब 26 मई को नक्सलियों ने बंद का आह्वान किया है, जिसको देखते हुए सुरक्षा बलों ने इलाके में ऑपरेशन तेज कर दिया है।

23 और 24 मई को 8 नक्सली ढेर

छत्तीसगढ़ में 23 मई को नारायणपुर के अबूझमाड़ के जंगलों में सुरक्षा बल के जवानों ने धावा बोला। जंगल के अंदर बड़ी संख्या में नक्सलियों के मौजूदगी की सूचना पर बस्तर फाइटर्स और एसटीएफ के करीब एक हजार जवान रवाना हुए थे। पुलिस जैसे ही जंगल के भीतर घुसी, नक्सलियों ने उन पर हमला बोल दिया। जवानों ने भी मोर्चा संभाला और घंटों तक रुक-रुककर फायरिंग होती रही। मुठभेड़ के बाद मौके से सात नक्सलियों के शव मिले। पुलिस ने घटनास्थल से नक्सलियों के शव के साथ बड़े पैमाने पर हथियार, दवाई और दैनिक सामग्री जब्त की। इसके बाद 24 मई को नारायणपुर में पुलिस और नक्सलियों के बीच फिर मुठभेड़ हुई थी। अबूझमाड़ के इलाके में नक्सलियों ने फोर्स पर उस वक्त हमला बोला, जब पुलिस मुठभेड़ में मारे गए सात नक्सलियों के शव लेकर वापस लौट रही थी। इस दौरान एनकाउंटर में एक और नक्सली मारा गया। इस तरह कुल 8 नक्सली मारे गये।

बंद को सफल बनाने के लिए नक्सलियों ने सड़क काटकर अवरुद्ध किया मार्ग

बीजापुर। बीजापुर में नक्सलियों ने 26 मई को अपने बन्द के आह्वान के एक दिन पहले यानी 24 मई की रात ही आवापाल्ली-उसूर मार्ग को कई जगह से काटकर मार्ग अवरुद्ध कर दिया था। साथ ही बैनर पोस्टर लगाकर मौजूदा मोदी सरकार, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव सरकार को आदिवासी विरोधी करार दिया। पुलिस ने शनिवार की सुबह आवापल्ली उसूर मार्ग को बहाल कराकर आवागमन जारी करा दिया है। दरअसल 10 मई को पिडिया में हुई मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को मुठभेड़ में छत्तीसगढ़ की पुलिस ने मार गिराने का दावा किया था। जिसे लेकर नक्सलियों ने पर्चा जारी करके विरोध स्वरूप बन्द का आह्वान किया है।

नक्सलियों ने बंद से एक दिन पहले शुक्रवार- शनिवार की दरमियानी रात बीजापुर उसूर सड़क को जगह जगह से खोद कर मार्ग बाधित कर दिया था। वही बैनर और पर्चे लगाये गये थे। आवापल्ली- उसूर मार्ग पर सीतापुर के पास नक्सलियों ने आधा दर्जन गड्ढे खोदे थे। नक्सलियों ने पर्चा जारी करके पहले ही बंद का आव्हान किया था। पिडिया मुठभेड़ में मारे गये 10 लोगों को ग्रामीण बताकर नक्सलियों ने बंद बुलाया है। साथ ही पर्चे में नक्सलियों ने विष्णुदेव सरकार को आदिवासी विरोधी बताया है। बता दें उसूर सड़क इसके पहले भी सैकड़ों बार नक्सली घटनाओं का गवाह रहा है। सीतापुर में सीआरपीएफ़ 196 बटालियन का कैम्प लगने के बाद पहली बड़ी घटना है जहां नक्सलियों ने सड़क को कई जगह से क्षतिग्रस्त किया है। इस इलाक़े में विकास योजनाओं में तेज़ी लाने सरकार ने सुरक्षाबलों के कैम्प तैनात किए हैं जिसमें सीतापुर, गलगम और नंबी में कैम्प खोले गये हैं। बीजापुर से उसूर मार्ग सुरक्षाबल के जवानों ने बहाल कराकर आवागमन जारी करा दिया है। साथ ही जवान इलाके में सर्चिंग व पेट्रोलिंग कर रहे हैं। आज झीरम हत्याकांड की बरसी है। आज ही के दिन 2013 में नक्सलियों ने झीरम सड़क से लौट रहे कांग्रेस के काफिले को टारगेट किया था। सुकमा में परिवर्तन यात्रा के बाद कांग्रेस का फ्रंटलाइन लीडरशिप सुकमा से झीरम होते जगदलपुर लौट रहा था जहाँ महेंद्र कर्मा और नंद कुमार पटेल जैसे दिग्गज नेताओं को नक्सलियों ने मौत के घाट उतार दिया था।

नक्सली पाम्पलेट/पर्चे के साथ 1 नक्सली सहयोगी गिरफ्तार

सुकमा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत 227 वाहिनी सीआरपीएफ के आसूचना शाखा से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ संदिग्ध व्यक्तियों द्वारा झोला मे पाम्पलेट पर्चा लेकर शासन विरोधी पाम्पलेट चिपकाने के उद्देश्य से बेंगपाल, टाहकवाड़ा की ओर घूम रहे है। उक्त सूचना की तस्दीक हेतु थाना तोंगपाल से जिला बल, डीआरजी सुकमा का बल एवं 227 वाहिनी सीहआरपीएफ बल की संयुक्त पार्टी राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 बेंगपाल, टाडकावाड़ा व आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे। अभियान के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग 30 ग्राम बेंगपाल के पास से नक्सलियों के दरभा डिवीजन अन्तर्गत कटेकल्याण एरिया कमेटी के नक्सली मद्दगार सोमारू उर्फ सोनारू नाग पिता स्व. लक्ष्मण नाग निवासी बेंगपाल थाना तोंगपाल जिला सुकमा को गिरफ्तार कर पूछताछ में बताया कि नक्सली नेताओं के कहने पर शासन-प्रशासन के विरोध में मार्ग पर नक्सली पाम्पलेट/पर्चा लगाना तथा पुलिस गस्त पार्टी की रेकी कर रहा था। जिसके कब्जे से नक्सली पाम्पलेट/पर्चे बरामद किया गया। उक्त कृत्य विधि विरूद्ध पाये जाने पर सोमारू उर्फ सोनारू नाग के खिलाफ थाना तोंगपाल में अपराध क्रमांक 09/2024 धारा 8(1)(3)(5) छत्तीसगढ़ विशेष जन सुरक्षा अधिनियम 2005 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्यवाह उपरांत आज न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया।

3 इनामी सहित 33 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर। बस्तर संभाग में नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सुरक्षा बल के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। शनिवार को दो महिला सहित 33 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले दो नक्सलियों पर दो-दो लाख और एक नक्सली पर एक लाख का इनाम घोषित था।

बीजापुर पुलिस अधीक्षक श्री आंजनेय वार्ष्णेय ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में राजू हेमला और सामो कर्मा पीएलजीए सदस्य थे। इन दोनों पर सरकार ने दो-दो लाख रुपये का इनाम रखा हुआ था। सुदरू पुनेम जनताना सरकार अध्यक्ष था, इस पर भी एक लाख का इनाम घोषित है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली संगठन में उपेक्षा और भेदभाव पूर्ण व्यवहार और नक्सलियों द्वारा आदिवासियों पर किये जा रहे अत्याचार से परेशान थे।

साथ ही शासन की आत्मसमर्पण नीतियों से प्रभावित होकर नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष हथियार डाल दिए। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के अनुसार सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

नक्सल संगठन में सक्रिय जीआरडी मिलिशिया सदस्य ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। नक्सल उन्मूलन अभियान पूना नर्कोम नई सुबह, नई शुरूआत एवं अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार सुरक्षा कैम्प स्थापना से मिलने वाली सुरक्षा, सुविधा व विकास से प्रभावित होकर नक्सल संगठन में सक्रिय पोडियाम गंगा उर्फ डोलू पिता हिड़मा ग्राम सलातोंग (जीआरडी मिलिशिया सदस्य) निवासी सलातोंग थाना किस्टाराम जिला सुकमा ने नक्सल ऑपरेशन कार्यालय सुकमा में सपन चौधरी, उप पुलिस अधीक्षक डीआरजी जिला सुकमा एवं निरीक्षक शेषगिरी 208 वाहिनी कोबरा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पित नक्सली पोडियाम गंगा उर्फ डोलू को शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन नीति के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधाएं प्रदाय किया जायेगा।

अबूझमाड़ में जल शक्ति अभियान से गुरिल्ला वार ट्रेनिंग बेस कैंप हुआ ध्वस्त

जगदलपुर। बस्तर संभाग के नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ को नक्सलियों की राजधानी कहा जाता है। अबूझमाड़ के रेकावाया में गुरुवार को हुई मुठभेड़ से 8 नक्सलियों के मारे जाने से बड़ा नुकसान अपने सबसे सुरक्षित माने जाने वाले इलाके में स्थापित गुरिल्ला वार ट्रेनिंग बेस कैंप से हाथ धोना पड़ा है। अब नक्सलियों की राजधानी अबूझमाड़ नक्सलियों के लिए बचे एक मात्र सुरक्षित ठिकाना नही रह गया है। नक्सली यहां लंबे समय से अपने लड़ाकों को तैयार कर रहे थे, लेकिन इस बार फोर्स ने सुनियोजित तरीके से ऑपरेशन जल शक्ति लागू कर दी है। फोर्स ने अबूझमाड़ के रेकावाया में ट्रेनिंग कैंप की जो तस्वीरें जारी की हैं उसमें साफ दिख रहा है कि वहां नक्सलियों के ठहरने के इंतजाम थे। बांस-बल्ली से कुटिया बनाई गई थी। इसके साथ ही ट्रेनिंग मॉडल भी तैयार किया गया था, जिसके माध्यम से नक्सलियों को ट्रेंड किया जाता था। मौके पर फोर्स को वह सभी जरूरी सामान मिले हैं जो नक्सली अपने दैनिक उपयोग में लाते हैं। फोर्स ने ऐसे सभी सामान को मौके पर ही नष्ट कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बस्तर के जंगलों में छिपे नक्सलियों को उनकी मांद से निकालने के लिए फोर्स के सैकड़ों जवान इंद्रावती नदी को पार कर अबूझमाड़ में दाखिल हुए। सभी जवान एक साथ अबूझमाड़ पहुंचे और नक्सलियों के ट्रेनिंग कैंप को घेर लिया। इंद्रावती को पार कर जवान मौके तक पहुंचे और सफलता पाई इसलिए इस अभियान को जल शक्ति नाम दिया गय है। इससे पहले फोर्स ने सूरज की पहली किरण के साथ मुठभेड़ करते हुए सफलता पाई थी, तब उस अभियान को सूर्य शक्ति नाम दिया गया था। नक्सलियों ने रेकावाया में सारी व्यवस्थाओं के साथ ट्रेनिंग कैंप स्थापित कर रखा था। वहां पर वे अपने नए लड़ाकों को गुरिल्ला वार की जरूरी जानकारी दिया करते थे।

नक्सलियों का यह बेस कैंप इतना सुरक्षित था कि यहां पहुंचने से पहले फोर्स को नक्सलियों के एक बोर्ड का सामना करना पड़ा जिसमें हिंदी और गोंडी में लिखा था कि बिना अनुमति के कोई भी व्यक्ति या वाहन गांव में प्रवेश नहीं कर सकता है। इससे स्पष्ट है कि यह इलाका नक्सलियों के कितने प्रभाव में था। फोर्स पहली बार नक्सलियों को उनके इतने सुरक्षित माने जने वाले इलाके से खदेडने में कामयाब हुई है। मौके पर फोर्स को 400 प्लास्टिक के चप्पल मिले हैं। इससे यह स्पष्ट हो रहा है कि इस जगह पर बड़ी संख्या में- नक्सलियों का जमावड़ा होता था। उनके लिए ही चप्पल मंगवाए गए हों। इसके अलावा एक जानकारी यह भी आ रही है कि नक्सली गांव के लोगों को बांटने के लिए चप्पल लाए हों। नक्सली ग्रामीणों को साधने के लिए कई तरह के कार्यक्रम करते हैं। इसमें कई तरह की स्पर्धाएं होती हैं, ऐसें में संभव यह भी है कि वे चप्पल ग्रामीणों के बीच बांटने वाले हों।

बस्तर संभाग से नक्सलवाद के खात्मे के लिए सरकार अब आर-पार के मूड में दिख रही है। नक्सलियों के सफाए के लिए अबूझमाड़ में ऑपरेशन जल शक्ति लॉन्च कर दिया है। जल शक्ति अभियान के पहले चरण में जवानों ने 08 नक्सलियों को ढेर कर दिया, 72 घंटे तक चले इस अभियन में जवानों ने उनकी ही मांद में घुसकर उनको मुंहतोड़ जवाब दिया है। मुठभेड के बाद मौके से बड़ी संख्या में हथियार और गोला बारुद व दैनिक उपयोग के सामान और बड़ी मात्रा में एंटीसेप्टिक दवाएं बरामद कर मारे गए नक्सलियों के शव और सामान को जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा लाया गया।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

पुलिस अधिकारी ने मारपीट के आरोपी को छोड़ने ली रिश्वत

धमतरी। धमतरी सिटी कोतवाली में एक मारपीट के मामले में पुलिस अधिकारी के रिश्वत लेने की बात सामने आई है। मारपीट के आरोपी को मुचलके पर छोड़ने की बात में एएसआई ने पैसों की मांग की। पूरा लेनदेन साढ़े 4 हजार में सेट हुआ। पैसे देने वाले पक्ष ने खुद इस लेनदेन का वीडियो बनाया। पूरे मामले की शिकायत धमतरी एसपी आंजनेय वार्ष्णेय से की। प्रमाण के तौर पर वीडियो भी दिया गया। धमतरी पुलिस के एएसआई के रिश्वत लेने के वीडियो सामने आने के बाद पूरे विभाग में खलबली मच गई। वीडियो में देख सकते हैं एक महिला अपने किसी पहचान के व्यक्ति के साथ कोतवाली थाने जाती है। अंदर जाने के बाद एएसआई को रुपये देती है। महिला से रुपये लेने के बाद आरोपी एएसआई रुपये को टेबल के नीचे लेकर गिनने लगता है और महिला से पूछता है कि कितने रुपये हैं, इस पर महिला जवाब देती है कि आपने जितना कहा था उतने हैं। संभावना है कि महिला के साथ पहुंचे दूसरे शख्स ने इस रिश्वत कांड का वीडियो बनाया।

वन भैंसा को भा रहा गुरु घासीदास नेशनल पार्क

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। जिले के गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के जनकपुर फॉरेस्ट रेंज में 17 वन भैंसा देखे गए हैं। जिसमें से 14 गौर और 3 बच्चे शामिल है। सभी एक साथ जनकपुर के जंगल के अंदर बनाए गए तालाब से जाते हुए कैमरे में कैद हुए हैं। ये सभी वन भैंसे मध्यप्रदेश के संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान से आये है, जो गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के क्षेत्र में आकर घूम रहे हैं। जनकपुर रेंजर और उनकी टीम इन सभी वन भैंसों पर निगरानी बनाए हुए है। गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान, मध्यप्रदेश के संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान से लगा हुआ है, वहां कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान से 40 गौर लाये गए हैं, जिनमे से 17 गौर विचरण करते हुए गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के जनकपुर पहुंच गए, दिन में गश्त के दौरान एक गौर कैमरे में कैद हुआ है, बताया जा रहा है कि ग्राम जलवा के कुदरा बीट में इन वन भैंसों को देखा गया है। जनकपुर रेंज के रेंजर ने बताया कि जनकपुर गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान में गौर घूम रहे हैं। मप्र से आए 17 गौर को यहां की आबोहवा भा रही है वो बीते कई दिनों से यहीं विचरण कर रहे हैं।

ओव्हरलोडिंग के खिलाफ कोरिया पुलिस का एक्शन

कोरिया। कवर्धा हादसे के बाद कोरिया जिला पुलिस ने मालवाहक वाहनों में सवारी ढोने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। कोरिया पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक कोरिया सूरज सिंह परिहार के निर्देशानुसार ट्रैफिक पुलिस की टीम ने चेक प्वाइंट लगाकर गाड़ियों की चेकिंग की। कोरिया में कवर्धा जैसा हादसा ना हो इसके लिए पुलिस ने सख्ती दिखाई। कोरिया पुलिस की ट्रैफिक टीम ने महलपारा रोड पर मालवाहक वाहनों की चेकिंग की। इस दौरान तीन वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई। सभी वाहनों पर चालानी कार्रवाई के बाद समन शुल्क वसूला गया। सभी प्रकरणों में वाहन मालिकों से समन शुल्क लेकर उन्हें छोड़ा गया। इसके बाद पुलिस ने समझाईश दी कि अगली बार से यदि वाहनों का नियम विरोधी इस्तेमाल किया गया तो वैधानिक कार्रवाई होगी। एसपी सूरज परिहार ने कहा ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को बख्शा नहीं जाएगा।

4 महीने बाद भी खुले आसमान के नीचे रखा है करोड़ों का धान

बलरामपुर रामानुजगंज। बलरामपुर रामानुजगंज धान खरीदी के समय जिस प्रकार से प्रशासन ने सक्रियता दिखाई वहीं धान खरीदी के बाद उठाव में बड़ी लापरवाही के कारण महावीरगंज समिति के नए बने धान उपार्जन केंद्र विजयनगर में अभी भी 8500 बोरा धान जिसकी कीमत 1 करोड़ 54 लाख रुपए है खुले आसमान के नीचे है 4 महीने से लगातार धान के खुले आसमान के नीचे रहने का धान अब अंकुरित होने लगे हैं जिसका खामियाजा समिति को उठाना पड़ेगा। वही सूखती जाने प्रत्येक बोरा 2 से 5 किलो की सूखती गया। लंबे समय तक खुले आसमान के नीचे लाखों क्विंटल धान के रहने से करीब करीब सभी समितियां में सूखती जा रही है जिसे समितियां चिंतित है। गौरतलब है कि 1 नवंबर से छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा धान खरीदी शुरू हुई वहीं 31 जनवरी तक धान खरीदी होना था परंतु शासन के द्वारा इसे बढ़ाकर 4 फरवरी तक किया गया। महावीरगंज समिति में 28 जनवरी तक धान का उठाव हुआ।

बिजली विभाग की लापरवाही करंट से कर्मचारी की मौत

खैरागढ़। जिले में बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है, जहां विद्युत विभाग के ही एक कर्मचारी की करंट लगने से मौत हो गई। पूरा मामला खैरागढ़ शहर का है। यहां विद्युत विभाग आज ट्रांसफ़ॉर्मर बदलने और लाइन मरम्मत का काम कर रहा था। इसी के चलते 26 वर्षीय कर्मचारी संतोष मंडावी स्थानीय न्यायालय के सामने खंभे पर चढ़ा था, लेकिन विभाग ने ना तो खंभे का विद्युत प्रवाह रोका था और ना ही किसी भी प्रकार के सुरक्षा मानकों का पालन किया गया था। इसकी वजह से खंभे पर चढ़े संतोष मंडावी की करंट लगने से मौत हो गई। आसपास के लोगो ने तुरंत संतोष मंडावी को सिविल अस्पताल खैरागढ़ पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्ष दर्शियों की माने तो विद्युत विभाग के सभी आला अधिकारी संतोष की मौत के वक्त मौके पर मौजूद थे, लेकिन सभी अधिकारियों के सामने ही बिना किसी सुरक्षा और पॉवर सप्लाई बंद किए संतोष बिजली के खंभे पर चढ़ा था। ऐसे में अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

आदिवासी महिला की मौत के बाद निजी अस्पताल पर एक्शन से हड़कंप

गरियाबंद। बीते दिनों गरियाबंद की एक महिला का इलाज लक्ष्मी नारायण अस्पताल में चल रहा था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जिसके बाद इस हॉस्पिटल पर स्वास्थ्य विभाग ने एक्शन लिया है। अस्पताल पर इलाज में लापरवाही और बगैर किसी सीनियर डॉक्टर की राय लिए महिला का ऑपरेशन करने का आरोप लगा है। महिला की मौत के बाद मामले में स्वास्थ्य विभाग ने एक्शन लेते हुए अस्पताल को सील कर दिया है। 23 मई को निजी अस्पताल प्रबंधन को नोटिस थमाया गया था। हालांकि संतोषप्रद जवाब न मिलने पर प्रशासन ने अस्पताल को ही सील कर दिया।

दरअसल, गरियाबंद में पेट दर्द का इलाज कराने आई आदिवासी महिला की ऑपरेशन के दौरान मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि महासमुंद मेडिकल कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर बिना किसी डॉक्टर से राय लिए महिला का ऑपरेशन कर दिए थे। ऑपरेशन के कारण गर्भवती महिला की मौत हो गई। गर्भवती महिला गैंदी बाई की मौत 10 मई को निजी अस्पताल में हुई थी। इस पूरे केस में 22 मई को मृतका के परिजनों ने हाई लेवल जांच की मांग की थी। इस मांग को लेकर उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा था। ज्ञापन में अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया गया था।

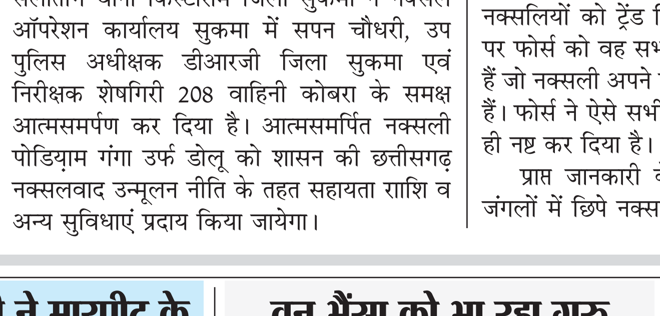

कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देश पर सीएमएचओ गार्गी यदु ने जांच टीम गठित की। इसके बाद जांच के दौरान अस्पताल में इलाज से जुड़े सभी जरूरी दस्तावेज जब्त कर लिए गए। इस बीच 23 मई को अस्पताल प्रबंधन को नोटिस भी थमा दिया गया था। हालांकि अस्पताल की ओर से संतोषप्रद जवाब नहीं होने के कारण प्रशासन ने अस्पताल को सील कर दिया। जब्त दस्तावेज में जांच टीम को हिस्टोपैथ की जांच रिपोर्ट मिली, जिससे गैंदी बाई के गर्भवती होने की पुष्टि की गई है। साथ ही कैंसर के आरंभिक लक्षण के आधार पर बच्चे दानी का ऑपरेशन करने के बाद अंदर मिले मांस के टुकड़े को अस्पताल प्रबंधन ने जांच के लिए भेजा था।

जांच अधिकारी डॉक्टर हरीश चौहान ने कहा गरियाबंद के छुरी स्थित निजी अस्पताल को शनिवार को स्वास्थ्य विभाग ने सील कर दिया है। बीते 10 मई को कुल्हाड़ीघाट निवासी आदिवासी महिला गैंदी बाई की मौत हो गई थी। मृतिका के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल ने इलाज के दौरान लापरवाही बरती। बगैर सीनियर डॉक्टर की राय के महिला के बच्चे दानी का ऑपरेशन करने के कारण उसकी मौत हुई। परिजनों ने 22 मई को जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की थी। जांच के बाद अस्पताल को सील किया गया है।

जांच में पाया गया कि प्रबंधन ने बगैर एक्सपर्ट के राय के ही ऑपरेशन कर दिया। वो भी एक नहीं दो बार पेट में चीरा लगाया। ऑपरेशन करने वाला डॉक्टर सिविल सर्जन महासमुंद मेडिकल कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर है। अभी टीम अन्य बिंदुओं पर जांच करेगी। वहीं, निजी अस्पताल में इलाज के दौरान लापरवाही की बात सामने आने के बाद अस्पताल को तत्काल सील कर दिया गया है। इस मामले में निजी अस्पताल के किसी भी स्टाफ और प्रबंधन ने कुछ भी कहने से इंकार कर दिया है।

स्कूलों में समर कैंप शुरु, बच्चे सीख रहे वेस्ट से बेस्ट बनाने की कला

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ सरकार के आदेश के बाद बलौदाबाजार जिले के स्कूलों में समर कैंप का आयोजन किया गया है। कैंप में विद्यार्थियों को वेस्ट पदार्थों का उपयोग कर सजावटी सामान बनाने की कला सिखाई जा रही है, जिससे पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। छात्र-छात्राएं इस समर कैंप में काफी उत्साह के साथ ले रहे हैं और सजावटी सामान बनाने के साथ ही मेंहदी लगाना पेंटिंग बनाने सहित अन्य कलाएं भी सीख रहे हैं।

बलौदाबाजार के शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में आयोजित समर कैम्प में बच्चे भरपूर उत्साह सेवेस्ट पदार्थों से घरों के लिए सजावटी सामान, पेंटिंग, मेंहदी, कढ़ाई, और कई अन्य कलाएं सीख रहे हैं। विघालय की प्रधान पाठक एहुति वर्मा ने बताया, कि समर कैंप में बच्चों को सिखाया जा रहा है कि वेस्ट पदार्थों का कैसे ऊपयोग करें। कैंप में सुबह 8 बजे से 10 बजे तक क्लास लगती है, जिसमें बच्चों को प्रशिक्षण दिया जाता है। वेस्ट पदार्थों के सदुपयोग से हमारे आसपास कचरा नहीं फैलेगा और पर्यावरण प्रदूषण भी रूकेगा। बच्चे बड़े ही उत्साह से समर कैम्प में भाग ले रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

रानू साहू का भाई भी गिरफ्तार दीवार फांदकर भाग रहा था

रायपुर। कोयला घोटाले के मामले में गिरफ्तार निलंबित आईएएस रानू साहू के भाई पीयूष साहू को पांडुका स्थित उनके निवास से ईओडब्ल्यू ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया। गरियाबंद जिले के पांडुका स्थित बस स्टैंड में पीयूष साहू की सोने चांदी और हार्डवेयर की दुकान है। इस गिरफ्तारी को लेकर कोई अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूत्रों के अनुसार पिछले 4 दिनों से घोटाले की जांच कर रही एजेंसी ईओडब्ल्यू पीयूष पर नजर रखे हुए थी। इसकी भनक पीयूष को लग गई थी, लेकिन जैसे ही पीयूष अपने घर पहुंचा, करीबन शाम साढ़े 5 बजे कई गाड़ियों में ईओडब्ल्यू की टीम आ धमकी। ईओडब्ल्यू की टीम ने जैसे ही रानू साहू के घर को घेरा, पीयूष घर के पिछले हिस्से की तरफ दौड़ा और दीवार फांदकर पीछे भाग खड़ा हुआ। टीम भी खेतों में उसे दौड़ाती रही। आखिरकार वह पकड़ा गया। अब पूछताछ में देखें क्या खुलासा होता है?

आरटीई अंतर्गत वर्ष 2022-23 में 134.30 करोड़ रूपए से अधिक राशि का भुगतान

रायपुर। लोक शिक्षण संचालनालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम (आरटीई) अंतर्गत वर्ष 2022-23 में निजी विद्यालयों को जनवरी 2024 से अप्रैल 2024 तक वर्ष 2022-23 हेतु नर्सरी से 8वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शुल्क प्रतिपूर्ति राशि 185.91 करोड़ रूपए और कक्षा 9वीं से 12वीं में अध्ययनरत विद्यार्थियों की शुल्क प्रतिपूर्ति 20.71 करोड़ रूपए के विरूद्ध कुल 134 करोड़ 30 लाख 27 हजार 339 रूपए की राशि निजी विद्यालयों के खाते में अंतरित की जा चुकी है। अतः वर्ष 2022-23 में शेष लंबित राशि लगभग 70 करोड़ रूपए के भुगतान की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। वर्ष 2023-24 की प्रतिपूर्ति के लिए सत्रांत अगस्त माह का समय निर्धारित है। विद्यालयों द्वारा समय-सीमा में दावा आपत्ति किए जाने के पश्चात शुल्क प्रतिपूर्ति राशि के भुगतान हेतु कार्यवाही की जाएगी। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा स्पष्ट किया गया है कि आरटीई के तहत निजी विद्यालयों को शुल्क प्रतिपूर्ति के लगभग 285 करोड़ रूपए की राशि लंबित होने संबंधी समाचार असत्य है। इस संबंध में वस्तु स्थिति उपरोक्तानुसार स्पष्ट की गई है।

यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा 2024 के लिए निशुल्क मॉक टेस्ट का आयोजन आज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन रायपुर रविवार को यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा 2024 के लिए निशुल्क मॉक टेस्ट का आयोजन किया गया है। जिसके लिए 485 प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया है और दो पालियों में यह परीक्षा होगी। यह मॉक टेस्ट ऑफ लाइन होगा। युवाओं को वास्तविक परीक्षा के अनुभव के लिए ऑनलाइन के जगह ऑफलाइन मॉक टेस्ट का आयोजन किया जा रहा है। मॉक टेस्ट का प्रश्न पत्र हिंदी और अंग्रेजी दोनो भाषा में होगा। जिला प्रशासन द्वारा मॉक टेस्ट के बाद प्रश्नों के विस्तृत उत्तर भी दिया जाएगा। साथ ही प्रथम 3 स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार दिया जाएगा। परीक्षा का आयोजन कालीबाड़ी स्थित जे.आर. दानी कन्या विद्यालय और चैबे कॉलोनी स्थित शासकीय मायाराम सुरजन विद्यालय में होगा। पहले पाली में सुबह 8 से 10 बजे के मध्य सामान्य अध्ययन और दूसरी पाली में सुबह 11 बजे से 1 बजे के मध्य सी-सेट के टेस्ट होंगे। परीक्षा में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों सुबह 7.40 बजे तक उपस्थिति दर्ज सुनिश्चित करेंगे।

जैविक खेती की जागरूकता के लिए शाक वाटिका कार्यशाला आज

रायपुर। पंडरी बस स्टैंड स्थित जागृति मंडल में शाक वाटिका कार्यशाला का आयोजन रविवार को किया गया है। कार्यशाला का आयोजन सुबह 10 से शाम 4 बजे तक किया जाएगा। जिसमें घर की बाड़ी, छत पर विषमुक्त साग-सब्जियों को लगाने व परिवार को सैकड़ों बीमारियों से बचाने के बारे में जानकारी दी जाएगी। यह प्रशिक्षण निशुल्क होगा और पूर्व पंजीयन आवश्यक है। केंद्रीय प्रशिक्षण प्रमुख के ईएन राघवन के द्वारा प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह आयोजन गौ सेवा गतिविधि के दवारा आयोजित की गई है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए मो. नम्बर 94252-13065 में नाम, पते और मोबाइल नंबर भेजकर पंजीयन करा सकते है।

मदरसा इस्लाहुल मुस्लेमीन का मनाया जाएगा डायमंड जुबली, तैयारी जोरों पर

रायपुर। हामिद अली मदरसा इस्लाहुल मुस्लेमीन (यतीम खाना) 2024 में सौ वर्ष (डायमंड जुबली) पूरे होने पर एक अज्जीमुश्शान प्रोग्राम का आयोजन नवम्बर-दिसम्बर 2024 में किया जाएगा। जिसमें देश-विदेश के आला लोग आएंगे। मदरसा की स्थापना 1924 में हुई थी। बैजनाथपारा स्थित हामिद अली मदरसा इस्लाहुल मुस्लेमीन में पिछले दिनों बैठक रखी गई जिसमें काजी ए शहर मोहम्मद अली फारूकी ने बैठक की अध्यक्षता की और जिसमें शहर के गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए। बैठक में फैसला लिया गया कि नवम्बर-दिसम्बर माह में होने वाले सौ साला प्रोग्राम को बड़े ही शानो-शौकत से मनाया जाएगा और इसमें सभी समाज के लोग शिरकत करें। हामिद अली मदरसा ने छत्तीसगढ़ के मुसलमानों को नई राह दिखाई और इस्लाम के रास्ते पर चलने की तौफीक दी है। काजी ए शहर मोहम्मद अली फारूकी ने बताया कि मुसलमानों को अपने दीन तालिम के लिए मदरसा बहुत जरूरी है क्योंकि डाक्टर, इंजीनियर, अफसर बन जाएगा पर दीन को भूल जाता है।

बारूद फैक्ट्री ब्लास्ट, कांग्रेस ने किया जांच समिति का गठन

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बेमेतरा जिले में हुए बारूद फैक्ट्री ब्लास्ट हादसे को लेकर जांच समिति का गठन किया है। बारूद फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में मजदूरों की मरने की घटना को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने पूर्व विधायक अनिता शर्मा के नेतृत्व में आठ-सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। जांच समिति के सदस्य प्रभावित स्थल का दौरा कर पीड़ितों/परिजनों सहित स्थानीय ग्रामवासियों से भेंट चर्चा कर घटना की वस्तुस्थिति से अवगत होकर अपना प्रतिवेदन प्रदेश कांग्रेस कमेटी को सौंपेंगे।

बता दें कि बेमेतरा जिले बेरला ब्लॉक के ग्राम पिरदा स्थित स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड के बारूद फैक्ट्री में शनिवार सुबह ब्लास्ट हो गया, जिसमें 8-10 लोगों के मारे जाने और 10-12 लोगों के घायल होने की खबर है। ब्लॉस्ट का असर फैक्ट्री के कई किलोमीटर दूर तक महसूस किया गया. वहीं फैक्ट्री के आसपास स्थित कई मकानों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना है।

बारूद फैक्ट्री हादसे में मृत और घायलों के प्रति प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने संवेदना प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि यह हादसा दुखद है। इस घटना के लिये जो भी दोषी हो उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही होनी चाहिये। मृतकों की संख्या बढ़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। सरकार युद्ध स्तर पर वहां पर राहत बचाव कर्य तथा गायब लोगो का पता लगाये। बारूद फैक्ट्री के लाइसेंस एवं सुरक्षा मानकों की कब-कब सरकार ने जांच किया था उसको भी सार्वजनिक किया जाये तथा इस प्रकार के विस्फोटक एवं संवेदनशील सभी इकाइयों की सुरक्षा व्यवस्था का रिव्यू तत्काल किया जाये। ताकि ऐसे घटना की कहीं और पुर्नावृत्ति नहीं हो पाये। घटना में मृत लोगों को 50 लाख और घायलों को 10 लाख मुआवजा पर्याप्त चिकित्सा दी जाये।

बारूद फैक्ट्री में घायल दो कर्मचारी हुए मेकाहारा से डिस्चार्ज, घटना की आपबीती बताई

फैक्ट्री में सुरक्षा के इंतजाम नहीं रहता

रायपुर। बेमेतरा जिला के बेरला तहसील के ग्राम पिरदा स्थित बारूद फैक्ट्री में हुए ब्लास्ट में घायल दो मजदूरों की हालत में सुधार के बाद मेकाहारा से डिस्चार्ज कर दिया गया है। इसके साथ ही मेकाहारा में उपचाररत मरीजों की संख्या घटकर चार रह गई है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर हॉस्पिटल में भर्ती दो कर्मचारियों, चंदन कुमार और दिलीप ध्रुव को उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। डिस्चार्ज कर्मचारियों में से एक मरीज़ के पैर में चोट है, और दूसरे मरीज़ को सिर पर हल्की चोट है। दोनों को उपचार के बाद डॉक्टर भीमराव अंबेडकर हॉस्पिटल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। डिस्चार्ज के बाद अब हॉस्पिटल में चार मरीज़ भर्ती हैं जिनका इलाज जारी है।

डिस्चार्ज होने के बाद चंदन कुमार दिलीप दोनों ने बताया कि सुरक्षा को कोई ख्याल नहीं रखा जाता था, न ही कोई सुरक्षा किट दी जाती थी। सात-आठ लोग दूसरे प्लांट में थे ब्लास्ट बचने के लिए भाग रहे थे, ऐसे में ब्लास्ट के टुकड़ों से हम घायल हुए हैं। प्लांट में जिस जगह ब्लास्ट हुआ है, वहाँ भी 7-8 लोग काम कर रहे थे। जैसा धमाका हुआ है, उससे नहीं लगता है कि कोई बच पाया होगा।

तो नहीं होती हमारे साथी की मौत

मरीज़ों ने बताया कि जैसे हम घर से फैक्ट्री जाते थे वैसा ही काम करते थे, सिर्फ़ हम कपड़ा बदलते थे. सेफ़्टी किट नहीं दिया जाता था. यदि सुरक्षा के लिए किट दिया जाता तो हम हॉस्पिटल नहीं पहुँचते हमारे साथी की मौत नहीं होती. मरीज़ के साथ पहुँचे उनके परिजन ने बताया कि सुबह जब बिस्तर में था, धमाका इतना तेज था कि पूरा गाँव हिल गया था, मैं बिस्तर में सो रहा था, ऊपर उछल गया था.

डिस्चार्ज कर्मचारी की गर्भवती पत्नी ने बताया कि जब ब्लास्ट की खबर कान पर पड़ी तो चारों तरफ अंधेरा हो गया था, कुछ समझ नहीं आ रहा था. कुछ समय बाद मेरे देवर का फोन आया कि भैया सुरक्षित हैं, थोड़ी सी चोट है, तब जाकर जान में जान आई. मैं अभी बहुत राहत महसूस कर रही हूं. मेरे एक बेटी पहले से है. दूसरा बच्चा गर्भ में है

पेपर मिल में लगी आग, अच्छा खासा नुकसान

रायपुर राजधानी के निकटस्थ मंदिर हसौद के उमरिया गांव में पेपर मिल में आज दोपहर आग लग गई। आगजनी का कारण अज्ञात है। यह एक बड़ी फैक्ट्री है। यह राजेश मेघानी परिवार द्वारा संचालित है। फैक्ट्री में आग लगने के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। आग पर काबू पाने दमकल की तीन गाड़ियां बुलाई गई हैं।

इस फैक्ट्री में क्राफ्ट पेपर (खाकी कवर) बनाया जाता है और आग से 25 टन निर्मित पेपर और 1700 टन कच्चा माल जल गया है। कोई हताहत नहीं हुआ है। आग शार्ट सर्किट से लगने की संभावना है। सभी मिलकर करीब दो से सवा करोड़ का माल जलकर खाक हो चुका है।

जैविक खेती की जागरूकता के लिए शाक वाटिका कार्यशाला आज

रायपुर। पंडरी बस स्टैंड स्थित जागृति मंडल में शाक वाटिका कार्यशाला का आयोजन रविवार को किया गया है। कार्यशाला का आयोजन सुबह 10 से शाम 4 बजे तक किया जाएगा। जिसमें घर की बाड़ी, छत पर विषमुक्त साग-सब्जियों को लगाने व परिवार को सैकड़ों बीमारियों से बचाने के बारे में जानकारी दी जाएगी। यह प्रशिक्षण निशुल्क होगा और पूर्व पंजीयन आवश्यक है।

पीडिया मुठभेड़ की हाईकोर्ट के जज की निगरानी में जांच हो : कांग्रेस

■ ग्रामीणों के हवाले से बताया मारे गए सभी लोग नक्सली नहीं थे

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि बीजापुर के पीडिया में विगत दिनों सुरक्षा बलों एवं नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में 12 लोगों की मौत हुई थी तथा इस घटना में 6 लोग घायल हुये, जिसके संबंध में पुलिस का दावा था कि मारे गये सभी लोग नक्सली थे। लेकिन घटना के बाद ग्राम पीडिया और ईतवार के ग्रामीणों का कहना है कि घटना में मारे गये सभी लोग नक्सली नहीं थे। ग्रामीणों के इस दावे के बाद प्रदेश कांग्रेस ने घटना की वस्तुस्थिति जानने एक जांच दल का गठन किया था जो मौके पर गई तथा ग्रामीणों से बात-चीत कर घटना के संबंध में जानकारी एकत्र किया।

जांच दल में संतराम नेताम,विधायक इन्द्रशाह मंडावी, विक्रम मंडावी, जनकलाल ध्रुव, श्रीमती सावित्री मंडावी, रजनू नेताम, शंकर कुड़ियम एवं छविन्द्र कर्मा शामिल थे।

पीड़ित परिवार के परिजन श्रीमती सुक्की कुंजाम, कु. ललिता, श्रीमती अवलम समली, बुधरू राम बारसे, श्रीमती पोदिया, श्रीमती बोदे से अलग-अलग पुछताछ कर ब्यान लिया गया जिन्होंने अपने ब्यान में बताया कि पीडिया नक्सली मुठभेड़ में मल्हेपक्षी निवासी बुधू ओयाम, पालनार निवासी कल्लू पुनेम, ईतावार निवासी-लक्खे कुंजाम, उण्डा छोटू, उरसा छोटू सुक्कू ताती, चैतु कुंजाम, सुनीता कुंजाम, क जागो बरसी, पीडिया निवासी सन्नु अवलम, भीमा ओयाम, दुला तामो को पुलिस ने नक्सली बताकर मार दिये। ईतावार निवासी कु. कुंजाम गुल्ली, कु. लेखा देवी, कुंजाम जिला, कुंजाम बदरू एवं पीडिया निवासी पोयाम नन्दू को घायल होना बताये।

उन्होंने यह भी बताया गया है कि मृतक मल्हेपक्षी निवासी बुधू ओयाम एवं पालनार निवासी कल्लू पूनेम नक्सली गतिविधियों में संघम सदस्य के रूप में कार्य करते थे। बाकि शेष मृतक व घायल किसी भी प्रकार के नक्सली गतिविधियों में शामिल नहीं थे। पुलिस निर्दोष आदिवासियों को नक्सली बताकर ईनाम एवं प्रमोशन लेने के लिए घटना को अंजाम दिये है घटना का न्यायिक जांच होना चाहिए।

ग्रामीणों की शिकायतें बेहद ही गंभीर और संवेदनशील है। आरोप पुलिस पर लगे है। आरोपों को गंभीरता को देखते हुये यह आवश्यक है कि इस मामले की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच की जानी चाहिये। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश की निगरानी में इस मुठभेड़ की जांच कराई जाये।

कांग्रेस झीरम के शहीदों का ऋणी : दीपक बैज

रायपुर। झीरम हमले की 11वीं बरसी पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में झीरम के शहीदों के लिये श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां झीरम के शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दिया गया। इस अवसर पर झीरम के शहीदों को याद करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस झीरम के शहीदों की ऋणी है। उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना के लिये अपने प्राणों का बलिदान किया। कांग्रेस शहीदों के परिजनों का भी अभिनंदन करता है। हर कांग्रेसी शहीदों के परिवारो का ऋणी है। जीरम घटना की सच्चाई आज भी सामने नहीं आई है। आज भी छत्तीसगढ़ की जनता जानना चाहती है कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा की सुरक्षा को घोर नक्सल इलाके में ही क्यो हटाया गया था? कांग्रेस के लिए झीरम वह घाव है जो कभी नहीं भर सकता। यह घटना देश के लोकतंत्र के माथे पर लगा वह कलंक है जो कभी नही मिट सकता। कांग्रेस ने झीरम में अपने नेताओं की पूरी पीढ़ी को खोया है।

कांग्रेस पार्टी झीरम के षड्यंत्र को उजागर होने का पूरा प्रयास करेगी। इस षड्यंत्र को उजागर होने में कितनी भी बाधायें पैदा की जाए, कांग्रेस उनका डट कर मुकाबला करेगी। श्रद्धांजलि सभा में सांसद फूलोदेवी नेताम, पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, विधायक इन्द्रशाह मंडावी, विधानसभा पूर्व उपाध्यक्ष संतकुमार नेताम, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेन्द्र तिवारी, उपाध्यक्ष गुरूमुख सिंह होरा, स्वरूपचंद जैन, प्रभारी महामंत्री मलकीत सिंह गैदू, प्रदेश संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला, महापौर एजाज ढेबर, वार रूम अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी, नगर निगम सभापति प्रमोद दुबे व अन्य उपस्थित थे।

ओपी चौधरी ने झीरम प्रकरण पर भूपेश पर निशाना साधा

रायपुर। वित्तमंत्री ओ. पी. चौधरी ने झीरम प्रकरण पर एक बार फिर पूर्व सीएम भूपेश बघेल पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व सीएम ने झीरम के शहीदों के परिजनों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है। चौधरी ने एक्स पर कहा कि नक्सल घटना चाहे झीरम की हो या भीमा मंडावी की शहादत का हो, या फिर कार्यकर्ताओं की सीरियल किलिंग का हो, इस तरह की सभी घटनाएं दुर्भाग्यजनक है। उन्होंने कहा कि झीरम घटना पर भूपेश बघेलजी कहा करते थे कि इसके सबूत उनकी जेब में है। पांच साल वो सरकार में रहे, वो सुबूत कहां गए? उन्होंने झीरम के शहीदों के परिजनों के जख्मों पर नमक छिड़कने का काम किया है। हमारी सरकार में झीरम के शहीदों के परिजनों को न्याय अवश्य मिलेगा।

पीसीसी चीफ बैज नक्सलियों का कर रहे समर्थन : शिवरतन

■ छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त बनाने काम कर रही साय सरकार

रायपुर। भाजपा एकात्म परिसर में आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष, पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा ने बेमेतरा हादसे पर दुख जताया। उन्होंने झीरम कांड को लेकर कहा, 25 मई 2011 को झीरम घाटी की घटना घटी थी, जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मारे गए थे। कांग्रेस के पीसीसी चीफ दीपक बैज जिस तिथि पर प्रदेश के बड़े नेताओं की मृत्यु हुई उसी दिन वे नक्सलियों का समर्थन कर रहे और नक्सलियों को निर्दोष बता रहे हैं। शर्मा ने कहा, छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनने के बाद यह तय किया कि 2 वर्षों के अंदर हम नक्सल मुक्त राज्य बनाएंगे, इसके परिणाम सबके सामने है।

भाजपा नेता शिवरतन ने कहा, 4 महीने

के अंदर इतनी बड़ी संख्या में नक्सली मारे गए हैं। जब भी नक्सली मारे जाते हैं कोई न कोई नेता खड़े होकर कहते हैं कि वे नक्सली नहीं कोई और थे। 29 नक्सली मारे जाने के बाद पहला स्टेटमेंट भूपेश बघेल का आया था। पीडिया की घटना के बाद कांग्रेस ने उस घटना को फर्जी बताया है। आज नक्सल से डरे नेता इस बात को स्वीकार कर रहे हैं तो उन्हें ज्यादा नुकसान उठाना पड़ रहा है। वास्तव में नक्सलवाद पर कांग्रेस की सोच क्या है, ये स्पष्ट नहीं है।

शिवरतन शर्मा ने कहा, राहुल गांधी बिलासपुर आते हैं, नक्सल घटना में उनका क्या स्टेटमेंट है ये स्पष्ट नहीं करते हैं। कांग्रेस नक्सलवाद पर कंफ्यूज है। कांग्रेस विधायक ने लिखा है कुछ लोग कंफ्यूज है और कुछ लोग चुनाव के दौरान नक्सलियों से सहयोग की भावना रखते हैं। कांग्रेस में सुरक्षा बलों के मनोबल को तोड़ने का काम किया है। पुलवामा में एयरस्ट्राइक होती है। उसके बाद सर्जिकल स्ट्राइक होती है। प्रमाण मांगने के लिए कांग्रेस के लोग सामने आते हैं और कोई दूसरा नहीं आता है। पीडिया की घटना में जांच कमेटी बना दिया है। इनकी हालत ये रही है।

शिवरतन ने कहा, जब भूपेश बघेल सीएम थे और कवासी लखमा मंत्री थे तो कुछ लोगों ने दावा किया था कि ये नक्सली नहीं स्थानीय रहवासी हैं। वास्तव में नक्सलवाद के मामले में कांग्रेस को अपनी भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए। वो नक्सलवाद की समाप्ति चाहते हैं तो सरकार और जवानों के साथ कदम से कदम मिलाकर चले। राजनीति करने के लिए कई मुद्दे हैं।

शिवरतन शर्मा ने पीसीसी चीफ बैज से सवाल पूछा है कि उनके कार्यकाल में कितने सुरक्षा बल, कितने निर्दोष मारे गए। कांग्रेस को अपनी भूमिका स्पष्ट करनी चाहिए। वे नक्सलवाद मुक्त छत्तीसगढ़ देखना चाहते हैं या नक्सलियों का समर्थन करना चाहते हैं। नक्सल मुद्दे पर राजनीति करना ठीक नहीं है। राजनीति के लिए, और भी विषय हैं।पीसीसी चीफ बैज नक्सलियों का समर्थन कर रहे हैं।

व्यापारियों को जारी नोटिस पर रोक लगाने चेंबर प्रतिनिधिमंडल मिला राज्य जीएसटी आयुक्त से

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर परवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी,विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि आज चेंबर अध्यक्ष श्री अमर परवानी जी के नेतृत्व में चेंबर प्रतिनिधिमंडल ने राज्य जीएसटी आयुक्त रजत बंसल से मुलाकात कर राज्य के विभिन्न जिलों के व्यापारियों को विभाग द्वारा दिए गए, नोटिस पर स्वतः रोक लगाने प्रदेश भर के व्यापारियों से प्राप्त नोटिस की प्रतिलिपि सहित ज्ञापन सौंपा। जिस पर जीएसटी आयुक्त माननीय श्री रजत बंसल जी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए उचित कदम उठाने की बात कही।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर पारवानी ने बताया कि राज्य के विभिन्न जिलों के व्यापारियों को जीएसटी विभाग द्वारा वर्तमान में जीएसटीआर-1 फॉर्म देर से दाखिल करने हेतु जुर्माना नोटिस जारी किया गया। विभाग द्वारा अचानक किये गए इस कार्यवाही से व्यापारियों में भय का माहौल है जिसके कारण उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पारवानी ने बताया कि जीएसटी व्यवस्था भारत में अप्रत्यक्ष कर संरचना को सुव्यवस्थित करने के लिए शुरू किया गया एक प्रमुख सुधार है। हालाँकि, इसके

कार्यान्वयन के बाद शुरुआती वर्षों में, व्यापारियों और अधिकारियों दोनों के सामने कई चुनौतियाँ थीं। नए अधिनियम की जटिलता, पोर्टल की अनभिज्ञता के साथ, अनजाने में त्रुटियां और अनुपालन में देरी हुई। इस अवधि के दौरान, व्यापारी, अधिकारी और कानूनी सलाहकार सभी जीएसटी अधिनियम की बारीकियों और इसके परिचालन तंत्र के बारे में खुद को शिक्षित करने की प्रक्रिया में थे।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में यह कहा गया था कि 1 अप्रैल 2021 के पहले के जो भी नोटिस है यदि जीएसटी आर-1 के पहले जीएसटी 3 बी फाइल किया जाता है तो वह स्वतः ही निरस्त मान जायेगा। 1 अप्रैल 2021 के बाद पेनाल्टी के लिये अभी तक कोई व्यवस्था नहीं हुई है। तत्पश्चात प्रारंभिक वर्षों के दौरान देर से फाइलिंग के लिए जुर्माना लगाना न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है। उपरोक्त विषय पर जीएसटी आयुक्त रजत बंसल ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए उचित कदम उठाने की बात कही। इस अवसर पर चेंबर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, मंत्री- राजेन्द्र खटवानी, अमित अग्रवाल एवं युवा कैट से हितेश ओसवाल उपस्थित रहे।

चेंबर की मांग पर जगदलपुर के लिए 1 जून से विमान सेवा होगी शुरू

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव,राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल बताया कि चेंबर की मांग पर जगदलपुर के लिए 1 जून से सीधी विमान सेवा शुरू होने जा रही है। चेंबर ने इस पहल हेतु नागरिक एवं उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया।

छत्तीसगढ़ चेंबर अध्यक्ष श्री अमर पारवानी ने बताया कि चेंबर की मांग पर जगदलपुर के लिए 1 जून 2024 से सीधी विमान सेवा शुरू होने जा रही है। पूर्व में चेंबर ने नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को जगदलपुर विमान सेवा शुरू करने हेतु ज्ञापन सौंपा था ताकि घरेलू एवं अंतर्राज्यीय उड़ानों की संख्या में वृद्धि हो तथा प्रदेश में बढ़ रहे हवाई यात्रियों को भी इसका लाभ मिले। पारवानी ने नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस पहल से छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्गांचल में स्थित जगदलपुर(बस्तर) का प्रदेश एवं अन्य राज्यों के साथ कनेक्टिविटी बढ़ेगी। ऐसे में बिलासपुर-जगदलपुर के लिए फ्लाइट शुरू होना शहरवासियों के लिए काफी बेहतर साबित होगा। बिलासपुर और रायपुर के बाद जगदलपुर के लिए टूरिज्म की संभावना काफी अधिक है क्योंकि जगदलपुर प्राकृतिक और सांस्कृतिक विविधता से भरा हुआ है। बिलासपुर से जगदलपुर के लिए फ्लाइट शुरू होने से इसे बढ़ावा मिलना तय है।

दिल्ली की सात सीटों में छुपा है देश की सत्ता का राज

समीर चौगांवकर

दिल्ली के बारे में कहा जाता है कि दिल्ली की सात लोकसभा सीटों में से जिस पार्टी ने ज्यादा सीटें जीती, केन्द्र में उसी पार्टी की सरकार बनती है। 1998 में भाजपा ने 6 सीटें जीती, केन्द्र में भाजपा की सरकार बनी। 1999 में भाजपा ने सभी सात सीटें जीती, केन्द्र में फिर भाजपा की सरकार बनी। 2004 में कांग्रेस ने दिल्ली में 6 सीटें जीती, केन्द्र में यूपीए की सरकार बनी। 2009 में कांग्रेस ने सभी 7 सीटें जीती और फिर से केन्द्र में सरकार बनाई। 2014 और 2019 में भाजपा ने सभी सीटें जीती और केन्द्र में मोदी सरकार बनी। 25 मई को देश की 57 सीटों पर होने वाले मतदान में दिल्ली की 7 सीटों पर भी मुकाबला था। दिल्ली का यह लोकसभा चुनाव पिछले दो चुनाव 2014 और 2019 से हटकर होने जा रहा है क्योंकि इस बार आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने गठबंधन कर भाजपा के सामने चुनौती पेश करने की कोशिश की है। गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी चार सीटों पर और कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ रही है। आप पार्टी के खाते में नई दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली और दक्षिणी दिल्ली की सीटें है वही कांग्रेस के हिस्से में चांदनी चौक, उत्तर पूर्वी दिल्ली और उत्तर पश्चिमी दिल्ली की सीटें है। दिल्ली का यह लोकसभा चुनाव आम आदमी पार्टी के लिए करो या मरो का चुनाव बन चुका है। शराब घोटाले में तिहाड़ से अंतरिम जमानत पर लौटे अरविंद केजरीवाल की पूरी कोशिश है कि उनके जेल जाने को भावनात्मक मुद्दा बनाकर दिल्ली में उसका लाभ लिया जाए। लेकिन स्वाति मालीवाल प्रकरण से केजरीवाल की उम्मीदों को तगड़ा झटका लगा है। हालांकि दिल्ली की जनता का एक बड़ा वर्ग मुफ्त बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा के मामले को लेकर केजरीवाल के साथ होने के बाद भी लोकसभा चुनाव में मोदी को वोट देता रहा है। दिल्ली में पिछले दो लोकसभा और दो विधानसभा चुनाव के पैटर्न को देखें तो दिल्ली की जनता विधानसभा में अरविंद केजरीवाल को और लोकसभा चुनाव मे मोदी को एकतरफा वोट देती आई है। दिल्ली चुनाव में इस पैटर्न में कोई बड़ा बदलाव होगा इसकी संभावना कम लग रही है। पिछले चुनाव में मतदाता मोदी के साथ या मोदी के खिलाफ था, लेकिन इस बार दिल्ली का नैरेटिव है केजरीवाल के साथ या केजरीवाल के खिलाफ। आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने गठबंधन मजबूरी के चलते जरूर कर लिया लेकिन दोनों दलों के कार्यकर्ता इसे मन से स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। दिल्ली कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने गठबंधन के विरोध में कांग्रेस छोड़ दी है। कुछ बड़े नेताओं ने कांग्रेस नहीं छोड़ी लेकिन घर बैठ गए हैं। आम आदमी पार्टी को भी अपने कैडर को कांग्रेस के लिए मतदान के लिए प्रेरित करने में जमीनी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गठबंधन के दोनो दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती एक दूसरे के लिए वोट ट्रांसफर करने की होती दिख रही है। वहीं भाजपा की बात करें तो मोदी के नाम और राम मंदिर निर्माण के बाद भाजपा लगातार तीसरी बार सभी सातों सीट जीतने का दावा कर रही है। हालांकि भाजपा ने आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन से सतर्क होते हुए सात में से छह उम्मीदवार बदल दिए। सिर्फ उत्तर पूर्वी दिल्ली से मनोज तिवारी को रिपीट किया है। इस बार नई दिल्ली सीट से भाजपा ने मीनाक्षी लेखी का टिकट काटकर सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज को टिकट दिया है। बांसुरी के सामने आम आदमी पार्टी के विधायक सोमनाथ भारती हैं। चांदनी चौक से भाजपा ने दो बार के सांसद और केन्द्रीय मंत्री रहे हर्षवर्धन की जगह व्यापारी नेता प्रवीण खंडेलवाल को टिकट दिया है। भाजपा के प्रवीण खंडेलवाल के सामने दस बार चुनाव लड़ चुके कांग्रेस के जेपी अग्रवाल हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सात सीटों में से भाजपा सबसे कम अंतर से इसी सीट से जीती थी। इसी तरह पूर्वी दिल्ली से भाजपा के हर्ष मलहोत्रा के सामने आप के विधायक कुलदीप कुमार मैदान में हैं। यही एक सीट है जहां भाजपा को कड़ी चुनौती मिल रही है। इस सीट से 2014 में भाजपा से सांसद बने महेश गिरी और 2019 में सांसद बने गौतम गंभीर पैराशूट से उतरे उम्मीदवार थे। क्षेत्र की जनता से कोई कनेक्ट न होने और पांच साल जनता से दूरी बनाकर रखने का ट्रैक रिकार्ड इन दोनों पूर्व सांसदों का रहा है जिसका खामियाजा हर्ष मल्होत्रा को भुगतना पड़ सकता है। कुलदीप कुमार की विधायक के रूप में सहज उपस्थिति उनके पक्ष मे माहौल बना रही है।

ममता सरकार संवैधानिक व्यवस्था से ऊपर नहीं

योगेंद्र योगी

पश्चिमी बंगाल की ममता सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी बन गई है जिसका देश के संविधान और न्यायपालिका में भरोसा नहीं रह गया है। भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का शगल बन गया है। ममता को सिर्फ वोट बैंक की राजनीति नजर आती है, इसके लिए बेशक कानून की कितनी ही धज्जियां क्यों न उड़ानी पड़ी। ममता बनर्जी का एकमात्र लक्ष्य मुसलमानों के वोट बैंक को बरकरार रखना रह गया है। मुद्दा चाहे रोहिंग्या मुसलामानों के अवैध प्रवेश का हो या फिर बांग्लादेशियों का। इसके लिए ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े इन मुद्दों पर भी केंद्र की भाजपा सरकार की खिलाफत की है। कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और कांग्रेस के हाइकमान ने भी कभी ऐसे आरोप केंद्र की भाजपा सरकार पर नहीं लगाए, जैसे कि ममता बनर्जी लगाती रही हैं। ममता ने भ्रष्टाचार, सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग, राजनीतिक आधार पर बंदरबाट जैसे मुद्दों पर अदालतों से जितनी फटकार खाई है, उतनी देश के किसी राजनीतिक दल की सरकार ने नहीं खाई। इतना सब कुछ होने के बावजूद ममता बनर्जी अपनी आदतों से बाज नहीं आई हैं। नया मामला पश्चिमी बंगाल में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण को अदालत द्वारा रद्द करने का है। इस आदेश को सदाशयता से मान कर अपील करने की दलील देने के बजाए मुख्यमंत्री ममता ने ही फैसला देने वाले हाईकोर्ट के न्यायाधीश पर भाजपा समर्थक होने का आरोप लगा दिया। ऐसा करके ममता ने बगैर किसी भय के सरेआम अदालत की अवमानना कर दी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि वह इस आदेश को स्वीकार नहीं करेंगी, जो तपशिली समुदाय को दिए गए अधिकार छीन लेगा।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस प्रशासन के तहत 2011 से बंगाल में जारी अन्य पिछड़ा वर्ग के सभी प्रमाणपत्रों को अवैध बताते हुए रद्द कर दिया। अदालत ने कहा, हालांकि, इससे वर्तमान में शैक्षणिक संस्थानों में नौकरी या सीटें रखने वाले या जाति प्रमाण पत्र के साथ आवेदन दाखिल करने वाले लोगों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

पश्चिम बंगाल में ओबीसी आरक्षण की पूरी कहानी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में गठित सच्चर कमेटी की रिपोर्ट पर आधारित है। उस रिपोर्ट में देश में मुस्लिम समुदाय की स्थिति के बारे में विस्तृत बातें की गई थीं। रिपोर्ट में कहा गया था कि पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारियों में केवल 3.5 फीसदी ही मुस्लिम थे। इसी को आधार बनाकर 2010 में पश्चिम बंगाल की वाम मोर्चा सरकार ने 53 जातियों को ओबीसी की श्रेणी में डाल दिया और ओबीसी आरक्षण सात फीसदी से बढ़ाकर 17 फीसदी कर दिया। इस तरह उस वक्त करीब 87.1 फीसदी मुस्लिम आबादी आरक्षण के दायरे में आ गई। लेकिन, 2011 में वाम मोर्चा की सरकार सत्ता से बाहर हो गई और उसका यह फैसला कानून नहीं बन सका। फिर राज्य में तृणमूल कांग्रेस की सरकार आई और ममता बनर्जी मुख्यमंत्री बनीं। ममता की सरकार ने इस सूची को बढ़ाकर 77 कर दिया। 35 नई जातियों को इस सूची में जोड़ा गया, जिसमें से 33 मुस्लिम समुदाय की जातियां थीं। साथ ही तृणमूल सरकार ने भी राज्य में ओबीसी आरक्षण सात फीसदी से बढ़ाकर 17 फीसदी कर दिया। ममता सरकार के इस कानून की वजह से राज्य की 92 फीसदी मुस्लिम आबादी को आरक्षण का लाभ मिलने लगा।

हाईकोर्ट ने ओबीसी के मामले में सरकार के फैसले को निरस्त कर दिया। इसके बाद तो मानो ममता का पारा उछल गया। ममता ने अदालत पर मनमाने आरोप लगा दिए। उच्च न्यायालय के विशिष्ट न्यायाधीशों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक न्यायाधीश कह रहा है कि मैं आरएसएस का आदमी हूं, दूसरा भाजपा में शामिल हो जाता है... आप इस तरह से न्यायाधीश कैसे बन सकते हैं और अदालतों की अध्यक्षता कैसे कर सकते हैं? पार्टी के वरिष्ठ नेता और सुश्री बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने भी आरोप लगाया कि अदालत का फैसला तपशिली समुदाय के लिए आरक्षण रद्द करने के भाजपा के प्रयासों का हिस्सा है। ममता के आरोपों के जवाब में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने सुश्री बनर्जी की टिप्पणियों को खारिज कर दिया। शाह ने कहा कि ममता जी ने कहा कि हम उच्च न्यायालय के फैसले को स्वीकार नहीं करते हैं। शाह ने कहा कि बंगाल के लोगों से पूछना चाहता हूं - क्या ऐसा कोई मुख्यमंत्री हो सकता है जो अदालत के आदेश को मानने से इनकार कर दे? उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने बिना किसी सर्वेक्षण के 118 मुस्लिम जातियों को ओबीसी आरक्षण दे दिया। कोई अदालत में चला गया। ममता बनर्जी अपने वोट बैंक के लिए पिछड़े वर्गों के आरक्षण को लूटना चाहती हैं और मुस्लिम जातियों को आरक्षण देना चाहती हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि ये दोनों ही जो फैसले हैं, वो बताते हैं कि ममता बनर्जी की सरकार गैर-संवैधानिक तरीके से तुष्टीकरण की नीति को आगे बढ़ा रही थी।

ममता बनर्जी ने वोटों के ध्रुवीकरण की राजनीति करने में कसर बाकी नहीं रखी। मुद्दा चाहे रामनवमी पर हिंसा का हो या संदेशखाली में हिन्दू महिलाओं के साथ अत्याचारों का। राज्य में शीर्ष संवैधानिक पद पर रहते हुए भी ममता बनर्जी ने मुसलमानों के वोट बैंक को रिझाने के लिए उल्टे भाजपा और दूसरे विपक्षी दलों पर ही निशाने साधे हैं। इसके अलावा ममता बनर्जी के मौजूदा और पूर्व कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार का ताडंव जम कर हुआ। शारदा घोटाला और नारद स्टिंग खुलासे, कोयला और मवेशी तस्करी, राशन घोटाले और सरकारी परियोजनाओं के लिए फंड से लिए गए कट मनी के आरोपों के बावजूद ममता सरकार में कोई सुधार नहीं दिखा। इससे जाहिर है कि ममता बनर्जी मनमानी करने पर आमदा हैं।

बंगाल में शिक्षक भर्ती घोटाला, कोयला तस्करी मामला, नगर पालिका नियुक्ति घोटाला व राशन वितरण घोटाले में तृणमूल कांग्रेस के एक दर्जन से अधिक नेता मंत्री सलाखों के पीछे हैं। इनमें पूर्व मंत्री व विधायक पार्थ चटर्जी, विधायक अनुब्रत मंडल, विधायक मानिक भट्टाचार्य, विधायक जिबनकृष्ण साहा प्रमुख हैं। इस कड़ी में वन मंत्री व पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक का नाम जुड़ गया है। करोड़ों रुपये के शारदा चिटफंड घोटाले में तृणमूल के तत्कालीन राज्यसभा सदस्य सृंजय बोस और तृणमूल के विधायक और तत्कालीन परिवहन मंत्री मदन मित्रा को गिरफ्तार किया गया था। मित्रा और बोस दोनों को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था।

बंगाल पुलिस ने शारदा चिटफंड घोटाले में टीएमसी के प्रवक्ता और पार्टी के पूर्व राज्यसभा सदस्य कुणाल घोष को गिरफ्तार किया था। ममता सरकार की सर्वाधिक किरकिरी संदेशखाली की शर्मनाक वारदात में हुई। सुप्रीम कोर्ट ने संदेशखाली मामले की सीबीआई जांच का विरोध करने पर पश्चिम बंगाल सरकार को फटकार लगाई। कोर्ट ने सवाल किया कि कोई राज्य सरकार किसी व्यक्ति के हितों की रक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट कैसे आ सकती है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सीबीआई जांच का निर्देश देने वाले हाई कोर्ट के आदेश पर कोई रोक लगाने से इनकार कर दिया और पूछा था कि राज्य सरकार किसी व्यक्ति के हितों की रक्षा के लिए सर्वोच्च न्यायालय से कैसे संपर्क कर सकती है? जहां तक वोटों की राजनीति और बहुमत पाने से काले कारनामों के धुल जाने का सवाल है तो लालू यादव बहुमत के बावजूद जेल गए थे। लोकतंत्र में कानून से खिलवाड़ करने के लिए बहुमत को आधार नहीं माना जा सकता। ममता बनर्जी को इससे सबक लेना चाहिए।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगचूडामणि उपनिषद् (भाग-12)

गतांक से आगे...

परम प्रकाशमान ओंकार की तीन मात्राओं में क्रिया, इच्छा और ज्ञान तथा ब्राह्मी, रौद्री एवं वैष्णवी शक्तियाँ विराजमान हैं। सदैव वाणी से उसका जप करे तथा शरीर से उसी के प्रति आचरण करना चाहिए। मन से उसी का जप करते हुए उसी परमप्रकाशरूप ओंकार में स्थिर हो जाए।

पवित्र या अपवित्र किसी भी अवस्था में ओंकार का जप करने वाला पाप-पंक में नहीं फँसता, संसार में वह जल से अलिप्त प?द्मपत्र की तरह निर्लिप्त बना रहता है। जब तक वायु चलती रहेगी, तब तक बिन्दु भी चलायमान होगा, वायु के स्थिर हो जाने पर योगी स्थिरता (निश्चलता) को प्राप्त हो जाता है। इसलिए वायु की स्थिरता (प्राणायाम) का अभ्यास करना चाहिए।

शरीर में जब तक वायु विद्यमान है, तब तक शरीर में जीव स्थिर रहेगा। शरीर से वायु निकल जाना ही मृत्यु है, इस कारण वायु का निरोध (प्राणायाम) करना चाहिए।

जीव शरीर से तब तक नहीं निकल सकता, जब तक शरीर में वायु आबद्ध (स्थित) है, जो व्यक्ति दोनों भृकुटियों के बीच में दृष्टि को स्थिर रखता है, वह काल को जीत लेता है, उसे काल का भय कैसा?

ब्रह्मा भी अल्प काल के भय से (अल्पायु से) मुक्ति पाने के लिए प्राणायाम करते हैं। इसलिए प्राण का निरोध करने के लिए योगियों और मुनियों को प्राणायाम का अभ्यास करना चाहिए।

यह प्राण हंस रूप है, जो श्वास के माध्यम से छब्बीस अंगुल बाहर आता है। प्राणायाम नासिका के दोनों छिद्रों अर्थात् बायें-दायें मार्ग से करना चाहिए।

सभी प्रकार के मलों से नाड़ी चक्र के शुद्ध हो जाने पर योगी प्राणों का निरोध करने (प्राणायाम-सिद्ध होने) में समर्थ हो जाता है।

क्रमशः ...

हो.वे. शेषाद्रि

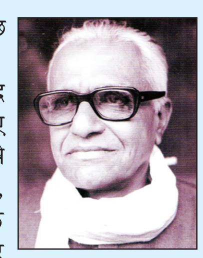

आज तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का साहित्य हर भाषा में प्रचुर मात्रा में निर्माण हो रहा है, पर इस कार्य के प्रारम्भ में जिन कार्यकर्ताओं की प्रमुख भूमिका रही, उनमें होंगसन्द्र वेंकटरमैया शेषाद्रि का नाम शीर्ष पर है।

26 मई, 1926 को बंगलौर में जन्मे शेषाद्रि 1943 में स्वयंसेवक बने। 1946 में मैसूर विश्वविद्यालय से रसायन शास्त्र में प्रथम श्रेणी में स्वर्ण पदक पाकर उन्होंने एम.एस-सी. किया और अपना जीवन प्रचारक के नाते राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हेतु समर्पित कर दिया।

प्रारम्भ में उनका कार्यक्षेत्र मंगलौर विभाग, फिर कर्नाटक प्रान्त और फिर पूरा दक्षिण भारत रहा। 1986 तक वे दक्षिण में ही सक्रिय रहे। वे श्री यादवराव जोशी से बहुत प्रभावित थे। 1987 से 2000 तक वे संघ के सरकार्यवाह रहे। इस नाते उन्होंने पूरे भारत तथा विश्व के कुछ देशों में भी प्रवास किया।

कार्य की व्यस्तता के बाद भी वे प्रतिदिन लिखने के लिए समय निकाल लेते थे। वे दक्षिण के विक्रम साप्ताहिक, उत्थान मासिक, दिल्ली के पांचजन्य और आर्गनाइजर साप्ताहिक तथा लखनऊ के राष्ट्रधर्म मासिक के लिए प्रायः लिखते रहते थे। उनके लेखों की पाठक उत्सुकता से प्रतीक्षा करते थे। उन्होंने संघ तथा अन्य हिन्दू साहित्य के प्रकाशन के लिए श्री यादवराव के निर्देशन में बंगलौर में 'राष्ट्रोत्थान परिषद्' की स्थापना की। सेवा कार्यों के विस्तार एवं संस्कृत के उत्थान के लिए भी उन्होंने सघन कार्य किया।

शेषाद्रि ने यों तो सौ से अधिक छोटी-बड़ी पुस्तकें लिखीं, पर उन्होंने ही सर्वप्रथम द्वितीय सरसंघचालक श्री गुरुजी के भाषणों को 'बंच ऑफ थॉट्स' के रूप में संकलित किया। आज भी इसके संस्करण प्रतिवर्ष छपते हैं। इसके अतिरिक्त कृतिरूप संघ दर्शन, युगावतार, और देश बँट गया, नान्यः पन्था, मूल्यांकन, द वे, हिन्दूज अब्रोड डाइलेमा, उजाले की ओर.. आदि उनकी महत्वपूर्ण कृतियाँ हैं। इन सबके कई भाषाओं में अनुवाद हुए हैं। 'तोरबेरलु' को 1982 में कन्नड़ साहित्य अकादमी ने पुरस्कृत किया।

शेषाद्रि की भाषण शैली भी अद्भुत थी। वे सरल एवं रोचक उदाहरण देकर अपनी बात श्रोताओं के मन में उतार देते थे। 1984 में न्यूयार्क (अमरीका) के विश्व हिन्दू सम्मेलन तथा ब्रेडफोर्ड (ब्रिटेन) के हिन्दू संगम में उन्हें विशेष रूप से आमन्त्रित किया गया था। उनके भाषणों से वहां लोग बहुत प्रभावित हुए।

अत्यधिक शारीरिक एवं मानसिक श्रम के कारण उनका शरीर अनेक रोगों का घर बन गया। जब चैथे सरसंघचालक रज्जू भैया अपने खराब स्वास्थ्य के कारण अवकाश लेना चाहते थे, तो सब कार्यकर्ता चाहते थे कि शेषाद्रि यह दायित्व संभालें; पर वे इसके लिए तैयार नहीं हुए। उनका कहना था कि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता है, अतः किसी युवा कार्यकर्ता को यह काम दिया जाये। अन्ततः सह सरकार्यवाह श्री सुदर्शन जी को यह दायित्व दिया गया। शेषाद्रि जी निरहंकार भाव से सह सरकार्यवाह और फिर प्रचारक प्रमुख के नाते कार्य करते रहे। अन्तिम दिनों में वे बंगलौर कार्यालय पर रह रहे थे। 14 अगस्त, 2005 की शाम को शेषाद्रि का देहान्त हो गया।

क्या दक्षिण से भाजपा को कुछ मिलेगा?

आर. राजगोपालन

दक्षिण भारत में राजनीतिक विवाद बहुत ज्यादा हैं। दक्षिण भारत के राजनीतिक दलों में एक सामान्य प्रवृत्ति नई दिल्ली के खिलाफ है, खासकर भाजपा के, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्रमुक का मुकाबला करने के लिए भाजपा का जनाधार बढ़ाने पर काफी जोर दिया है। वह पहली बार के मतदाताओं के जेहन में अलगाववादी सोच और क्षेत्रवाद के खिलाफ राष्ट्रवाद की भावना लाना चाहते हैं। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी सांस्कृतिक पुनरुत्थान लाना चाहते हैं। दक्षिण भारत की छह राजनीतिक पार्टियों ने भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ बहुत ज्यादा अपमानजनक टिप्पणियां कीं।

अब दक्षिण भारत में चुनाव प्रचार खत्म हो चुका है और लोग बेसब्री से चार जून को आने वाले नतीजे की प्रतीक्षा कर रहे हैं। दक्षिण भारत की राजनीति में छह क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व है-द्रमुक, अन्नाद्रमुक, वाईएसआर कांग्रेस, तेलुगू देशम, जनता दल (एस) और भारत राष्ट्र समिति। भाजपा और कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टियों की स्थिति वहां नगण्य है। हालांकि कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस का शासन है। इससे पहले भाजपा ने तीन बार कर्नाटक की सत्ता संभाली है। फिलहाल भाजपा पुदुचेरी में सरकार में शामिल है।

द्रमुक ने प्रधानमंत्री मोदी का डटकर विरोध किया है। असल में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन डरे हुए हैं। वर्ष 2014 में कांग्रेस को पूरी तरह ध्वस्त करने के बाद नरेंद्र मोदी ने द्रविड़ राजनीति को खत्म करने की भविष्यवाणी की थी। हालांकि वर्ष 2019 में द्रमुक ने राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में पेश किया था, लेकिन इस बार राहुल के वायनाड चुनाव में द्रमुक ने राहुल गांधी के लिए प्रचार नहीं किया।

अन्नाद्रमुक राजग (एनडीए) गठबंधन से बाहर हो गई है। मोदी ने एक ही झटके में अन्नाद्रमुक नेता एडापट्टी पलानीस्वामी के महत्व को कम कर दिया और एमके स्टालिन को ही अपना मुख्य विरोधी माना। मोदी के बार-बार तमिलनाडु दौरे पर जाने पर भी द्रमुक ने आपत्ति जताई। आंकड़े बताते हैं कि जबसे लोकसभा चुनाव की घोषणा हुई है, प्रधानमंत्री मोदी ने दक्षिण के छह राज्यों की 64 बार यात्रा की है।

दक्षिण भारत में साक्षरता दर ज्यादा है। शायद यही कारण है कि मतदाता राहुल गांधी को मनोरंजनकर्ता के रूप में लेते हैं। राजनेता किसी नीति के बगैर अनाप-शनाप बातें करते हैं। जैसा कि राहुल गांधी ने हैदराबाद में कहा कि वह गरीबों के खाते में एक लाख रुपये खटा-खट भेजेंगे। कांग्रेस इतने पैसे का इंतजाम कैसे करेगी? कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मोदी की तुलना नवीन पटनायक से करते हुए कहा कि नवीन पटनायक और नरेंद्र मोदी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। ओडिशा में नवीन पटनायक के उत्तराधिकारी के रूप में वीके पांडियन का उभार हो, या अरविंद केजरीवाल का शराब घोटाले में दक्षिण लॉबी से गठजोड़ हो या रायबरेली से चुनाव लड़कर राहुल गांधी का वायनाड की जनता को अंधेरे में रखना हो, ये सब दक्षिण में चर्चा के मुद्दे रहे हैं।

भाजपा ने जगन रेड्डी पर हिंदुओं को ईसाई बनाने का आरोप लगाया। केरल के मुख्यमंत्री पी विजयन ने कहा कि वायनाड से राहुल गांधी को हराया जाना चाहिए। इधर यौन शोषण मामले में वांछित जनता दल (एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना को पकड़ने का दबाव बढ़ रहा है, जो फरार हैं। इस मामले में कांग्रेस जान-बूझकर भाजपा पर दोष मढ़ रही है, जबकि नरेंद्र मोदी ने एक इंटरव्यू में कहा है कि रेवन्ना को बख्शा नहीं जाएगा। केंद्र में सरकार बनाने के लिए भाजपा के लिए दक्षिण भारत के छह राज्य महत्वपूर्ण हैं। भले ही कांग्रेस की कर्नाटक एवं तेलंगाना में सरकार है, लेकिन उसके लिए भी यह आसान नहीं है। केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पुदुचेरी में लोकसभा की कुल 130 सीटें हैं।

नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व, अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण और मुफ्त राशन की कल्याणकारी योजना के चलते भाजपा मजबूत स्थिति में है। जाहिर है, भाजपा दक्षिणी राज्यों के सांसदों पर निर्भर नहीं है। याद रहे कि 2019 में मोदी-शाह की जोड़ी ने जब पश्चिम बंगाल को प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था, तो वहां भाजपा के 18 सांसद चुने गए थे। उसी तरह इस जोड़ी ने इस बार दक्षिण पर जोर दिया है। यही नहीं, मोदी ने केरल पर भी अपना ध्यान केंद्रित किया। अब दूसरे विवादों की बात करते हैं, जिनका इस्तेमाल द्रमुक ने राजनीतिक बढ़त हासिल करने के लिए किया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नरेंद्र मोदी के अल्पसंख्यकों पर दिए बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया। नवीनतम विवाद बीजद नेता नवीन पटनायक पर मोदी की टिप्पणी को लेकर है। भाजपा ओडिशा की राजनीति में एक तमिल आईएएस वीके पांडियन के वर्चस्व के खिलाफ हो गई है। कई बीजद नेता वहां भाजपा को विकल्प के रूप में देखते हैं। नवीन पटनायक के कई विश्वासपात्र साथ छोड़कर चले गए हैं। मोदी ने ओडिशा की चुनावी रैली में पांडियन के खिलाफ तीखी टिप्पणी की, जिसे द्रमुक ने तमिल पहचान से जोड़ते हुए तोड़-मरोड़कर पेश किया। तमिलनाडु के भाजपा नेता कहते हैं कि मुख्यमंत्री एमके स्टालिन प्रशंसकों से घिरे रहते हैं, जो उन्हें तमिलनाडु के भीतर और बाहर की घटनाओं से दूर रखते हैं। इसलिए नरेंद्र मोदी ने ओडिशा की सभा में क्या कहा, इसे बिना संदर्भ के समझे ही वह बात कर रहे हैं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी की उस टिप्पणी के लिए नफरत फैलाने का आरोप लगाया, जिसमें उन्होंने कहा था कि ओडिशा के पुरी में खजाना भंडार की गायब चाबियां तमिलनाडु भेजी गई हैं। मोदी की टिप्पणी ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के करीबी सहयोगी वीके पांडियन को लेकर थी, जो मूलतः तमिलनाडु के हैं। हालांकि दक्षिण की ये छह पार्टियां नदी जल बंटवारे के मुद्दे पर एक-दूसरे का विरोध करती हैं, लेकिन मोदी विरोध के नाम पर एकजुट हो जाती हैं। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, योगी आदित्यनाथ और हिमंत बिस्व सरमा दक्षिण भारत के कॉलेज छात्रों के प्रिय नेता हैं।

मोदी ने चुनावी रैलियों में रेत माफिया, ड्रग माफिया, तमिल सिनेमा में ड्रग के खतरे पर जमकर निशाना साधा। दक्षिणी राज्यों में मोदी के धुआंधार प्रचार ने कांग्रेस और राहुल गांधी के प्रभाव को कम कर दिया है। अब यह तो चार जून को ही पता चलेगा कि भाजपा अपने उद्देश्यों में कितनी सफल रही।

आज का इतिहास

1896 पहली अमेरिकी अंतः मेनहट्टन बीच पर साइकिल दौड़ का आयोजन किया गया।

1897 ड्रेकुला, आयरिश लेखक ब्रैम स्टोकर का सबसे प्रसिद्ध उपन्यास, वाफर्स्ट प्रकाशित हुआ।

1906 लंदन में वॉक्सहॉल ब्रिज खोला, टेम्सबेटिवेन वॉक्सहॉल और वेस्टमिंस्टर नदी को पार करते हुए।

1908 लंदन में फ्रेंको-ब्रिटिश प्रदर्शनी का आयोजन हुआ।

1918 जॉर्जिया का लोकतांत्रिक गणराज्य स्थापित किया गया था। जॉर्जिया लोकतांत्रिक गणराज्य मई 1918 से फरवरी 1921 तक अस्तित्व में रहा और जॉर्जिया गणराज्य का पहला आधुनिक प्रतिष्ठान था। यह रूसी साम्राज्य के पतन के बाद बनाया गया था जो 1917 की रूसी क्रांति के साथ शुरू हुआ था।

1926 लेबनान में संविधान को अंगीकार किया गया।

1938 हाउस अन-अमेरिकन एक्टिविटी कमेटी की स्थापना कम्युनिस्ट या फासीवादी संबंधों के संदेह वाले लोगों की असंगठितियों द्वारा कथित असमानता और विध्वंसक गतिविधियों को रोकने के लिए की गई थी।

1940 द्वितीय विश्व युद्ध-छोटे जहाजों के एक फ्लोटिला ने डनकिर्क की लड़ाई के दौरान जर्मन सेना द्वारा ब्रिटिश, फ्रांसीसी और बेल्जियम के सैनिकों का एक युद्धपोत शुरू किया।

1950 ब्रिटेन में पेट्रोल खरीदने पर लगी सीमा को खत्म कर दिया गया। इससे पहले हर व्यक्ति को पेट्रोल खरीदने के लिए राशन कार्ड दिया जाता था।

1955 चार्ल्स इवान्स ने दुनिया की तीसरे नम्बर की सबसे ऊँची पर्वत चोटी कंचनजंघा पर विजय प्राप्त की थी, जिसकी ऊँचाई 8585 मीटर है।

1966 ब्रिटिश गुयाना ने स्वतंत्रता प्राप्त की और गुयाना बन गया। ब्रिटिश गुयाना दक्षिण अमेरिका के उत्तरी तट पर ब्रिटिश उपनिवेश का नाम था, जिसे 1966 में गुयाना के स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में जाना जाता है। इसके स्वदेशी लोग अरवाक भाषी लुसयान हैं, जो तेनो लोगों का हिस्सा हैं।

1972 अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।

1972 विलंड्रा नेशनल पार्क ऑस्ट्रेलिया में स्थापित किया गया।

1980 दक्षिण कोरिया के सैन्य सरकारी बलों और समर्थक लोकतंत्र के प्रदर्शनकारियों ने 2,000 प्रदर्शनकारियों को मर डाला गया।

2006 इंडोनेशिया के जावा में आए भूकंप के कारण 5700 से अधिक लोगों की मौत और लगभग दो लाख बेघर हुए।

यूपी से ही निकलेगा जनादेश या बिहार, महाराष्ट्र से आएगा नया संदेश?

अनिल तिवारी

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पांच चरणों का मतदान हो चुका है। आने वाले दिनों में शेष दो चरणों का मतदान होना है। उसके बाद देश को एक नई सरकार मिल जाएगी। लेकिन देश में किसकी सरकार बनेगी और किसकी नहीं यह काफी हद तक देश के चार राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल और बिहार की वोटिंग से ही तय होगा। शायद इसीलिए इन चार राज्यों को बैटल ग्राउंड स्टेट्स भी कहा जाता है। इन राज्यों में भाजपा के सामने अपना पुराना दबदबा कायम रखने की चुनौती है, वही इंडिया गठबंधन में शामिल क्षेत्रीय दल भाजपा को शिकस्त देने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाए हुए हैं। 210 सीटों वाले बैटल ग्राउंड स्टेट्स को बचाने की बेचैनी दोनों तरफ है।

उत्तर प्रदेश : उत्तर प्रदेश की राजनीति एक मिथक भी है और यथार्थ भी। मिथक इसलिए कि वह हिंदू धर्म के तीन बड़े तीर्थ स्थलों का केंद्र है और सबसे बड़ा प्रदेश होने के नाते भारतीय राष्ट्रवाद का केंद्र भी वही बनता है। मुद्दा भले ही कश्मीर या मणिपुर बने लेकिन निर्णायक जनादेश उत्तर प्रदेश से ही आता है। सोमनाथ की यात्रा अयोध्या में आकर ही खत्म होती है और मां गंगा के बुलावे पर मोदी भी बनारस ही जाते हैं। उत्तर प्रदेश का एक यथार्थ यह भी है कि वह जिसे चाहेगा वही देश का प्रधानमंत्री बनेगा या जिसे प्रधानमंत्री बनना हो उसे उत्तर प्रदेश आना ही होगा।

पिछले 2019 के आम चुनाव में प्रदेश की कुल 80 लोकसभा सीटों में 62 सीटें भारतीय जनता पार्टी तथा दो उसके सहयोगी अपना दल को मिली थी। बसपा को 10 सीट, समाजवादी पार्टी को 5 सीट जबकि कांग्रेस ने एकमात्र रायबरेली की सीट पर जीत हासिल की थी। उसके पहले 2014 के चुनाव में भाजपा ने राज्य की 71 सीटें जीती थी। भाजपा ने अबकी चुनाव में 400 पार का नारा दिया है। इस लिहाज से देश के सबसे बड़े प्रदेश में आधिकाधिक जीतने का दावा पार्टी के नेता कर रहे हैं। लेकिन कहते हैं इतिहास बार-बार लौट कर वहीं आता है जहां से कभी शुरू होता है। 2014 के चुनाव में बेरोजगारी और महंगाई बड़ा मुद्दा था जिसे मोदी ने उठाया था। 2024 में घूम-फिर कर इसी मुद्दे ने उत्तर प्रदेश के मतदाताओं को प्रभावित किया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जिस ध्रुवीकरण के सहारे भाजपा चुनावी बाजी मारती रही है, अबकी ध्रुवीकरण का कोई नजारा मतदान केंद्रों पर नहीं दिखा। मालूम हो कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में वर्ष 2007 के विधानसभा चुनाव में मायावती ने अपने दल से अधिकांश मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया था तथा उन्हें जिताकर लखनऊ विधानसभा ले गई थी। इसका असर वहां के लोगों में सामाजिक और आर्थिक रूप से प्रत्यक्ष पड़ा था। इसे लेकर लोगों में नाराजगी भी थी, तब भारतीय जनता पार्टी और खासकर संघ के लोगों ने इस सूत्र को पकड़ा तथा ध्रुवीकरण को हवा दी। 2014, 2017, 2019 के चुनाव में ध्रुवीकरण सिर चढ़कर बोला भी। लेकिन व्यापक किसान आंदोलन के बाद वहां की परिस्थितियों में बदलाव आया है। खाई पूरी तरह से भले न पट पाई हो लेकिन जो समरसता की जमीन तैयार हुई है, वह मतदान केन्द्रों पर दिखी। प्रधानमंत्री मोदी का रसूख बरकरार है, लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश का चुनाव खामोश चुनाव है। 3 महीने पहले तक जिन सीटों पर बीजेपी की जीत पक्की मानी जा रही थी, अब वहां भी संशय के बादल मंडराने लगे हैं। राजपूत मतदाताओं की नाराजगी का असर यह रहा कि वे विरोध में सामने नहीं आये लेकिन वोट देने बूथ तक भी नहीं गए। संघ के कार्यकर्ता भी मतदाताओं को बूथ तक ले जाने के लिए उत्साहित नहीं नजर आए।

इसी तरह पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक बनारस को छोड़ दें तो लगभग सारी सीटों पर पेंच फंसा हुआ है। सलेमपुर की सीट पर लोग प्रत्याशी से नाराज हैं तो बलिया सीट पर प्रत्याशी के चयन से। घोसी सीट पर ओमप्रकाश

राजभर का बड़बोलापन जीत के आड़े आ रहा है। गाजीपुर, आजमगढ़, लालगंज, चंदौली, मिर्जापुर, मछलीशहर की सीटें हाथ से निकलती हुई दिख रही है। महंगाई बेरोजगारी, पेपर लीक और आवारा पशु की समस्याओं ने पूर्वी उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। इसलिए अधिकांश जानकार यह मान रहे हैं कि इस बार उत्तर प्रदेश में बीजेपी को 50 से 55 के आसपास ही सीटें मिल पायेंगी।

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में लोकसभा की कुल 48 सीटें है। पिछले चुनाव में भाजपा 23, शिवसेना 18, एनसीपी 4, एआईएमआईएम 1, अमरावती सीट से निर्दलीय तथा चंद्रपुर की सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। अबकी महाराष्ट्र में सब कुछ गडमगड्ड है। शिवसेना दो भागों में बट चुकी है। एनसीपी के दो फाड़ हो गए हैं। पिछली बार प्रकाश आंबेडकर और ओवैसी का दल मिलकर चुनाव लड़े थे अबकी दोनों अलग-अलग लड़ रहे हैं। मतदाताओं में उहापोह है। नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच संवादहीनता है। धर्मसंकट भी है। नेताओं ने तो पाला बदल लिया। अब कार्यकर्ता किंकर्तव्यविमूढ़ है कि वे किधर जाएं। यही कारण है कि वहां चुनाव का स्थानीयकरण हो गया है। वहां कमोबेश सभी सीटों पर स्थानीय मुद्दों और प्रत्याशियों के चेहरों पर चुनाव लड़ा जा रहा है। नेताओं से नाराजगी इस कदर है कि लोग वोट देने के लिए बूथ तक नहीं जा रहे हैं। पूरे देश में चुनाव मोदी के चेहरे पर लड़ा जा रहा है लेकिन महाराष्ट्र में ऐसा नहीं है। वहां किस प्रत्याशी का रसूख और कौन सा स्थानीय मुद्दा कारगर साबित होगा यह 4 जून को मतगणना में ही पता चल पाएगा। इसीलिए इस बार महाराष्ट्र में भारी उलट फेर की संभावना व्यक्त की जा रही है।

पश्चिम बंगाल : पश्चिम बंगाल में कुल 42 सीटें है। पिछले चुनाव में तृणमूल कांग्रेस 22, भाजपा 18, तथा कांग्रेस पार्टी ने बहरामपुर और मालदा की दो सीटों पर जीत दर्ज की थी। इस बार पश्चिम बंगाल में सीधा मुकाबला भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच है। शांति और सुरक्षा का मामला उठाते हुए भाजपा पूरे राज्य में ध्रुवीकरण कर आधिकाधिक सीटों पर जीत हासिल करने का दावा कर रही है, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने महंगाई, बेरोजगारी, राज्यों की स्वायत्तता को मुख्य मुद्दा बनाया है। इंडिया गठबंधन का राज्य में अस्तित्व नहीं है। कांग्रेस पार्टी तीन-चार सीटों पर अच्छा चुनाव लड़ रही है, लेकिन मजेदार बात यह है कि कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी खुलेआम मतदाताओं से अपील कर रहे हैं कि जो लोग कांग्रेस को वोट ना दें वह लोग बीजेपी को भले वोट दे दें, तृणमूल को नहीं दें।

इसी तरह लेफ्ट के लोग भी बीजेपी की जीत में ही अपना भविष्य तलाश रहे हैं। यही कारण है कि खुद भारतीय जनता पार्टी भी पश्चिम बंगाल को अपने लिए अधिक मुफीद मानकर चल रही है। लेकिन वहां के जानकार लोगों का कहना है तो बहुत उलट फेर की गुंजाइश नहीं है। मामला आधे आधे का है। बीजेपी मजबूती से वहां लड़ रही है तो टीएमसी भी अपने लाव लश्कर के साथ अपना दबदबा बनाए रखने के लिए दृढ़ता के साथ डटी हुई है।

बिहार: बिहार में कुल 40 सीट है। पिछली बार एनडीए गठबंधन को 39 सीटें मिली थी जबकि कांग्रेस पार्टी ने राज्य की किशनगंज सीट पर जीत दर्ज की थी। 2024 के चुनाव में बीजेपी अपना 2019 का रिकॉर्ड दोहराने की स्थिति में नहीं है। इंडिया गठबंधन के राज्य में प्रमुख घटक राजद ने बेरोजगारी के मामले को इस कदर तूल दिया है कि 2014 की यादें ताजा हो जा रही हैं। जिस तरह 2014 में अखिल भारतीय स्तर पर नरेंद्र मोदी ने महंगाई और बेरोजगारी का मुद्दा उठाया था उससे भी तीव्र गति से तेजस्वी यादव ने बिहार में इस मुद्दे को जन-जन तक पहुंचा दिया है।

इसका असर बिहार से सटे अन्य राज्यों की सीटों पर भी पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हालांकि भाजपा ने नीतीश कुमार के जदयू को अपने साथ मिलाकर इंडिया गठबंधन की ताकत को कमजोर करने की कोशिश की है लेकिन जमीन पर नीतीश का असर अब पहले जैसा नहीं है। नीतीश की पार्टी को 16 सीट देकर भाजपा ने अपना हाथ पहले ही काट लिया है। जिन 16 सीटों पर नीतीश की पार्टी चुनाव लड़ रही है उन सब सीटों पर इंडिया गठबंधन मजबूत स्थिति में है। यहां यह भी तथ्य है कि नीतीश की पार्टी का वोट भाजपा और चिराग पासवान की पार्टी को ट्रांसफर हो जा रहा है लेकिन सहयोगी दलों का वोट जदयू को नहीं मिल पा रहा है। भाजपा के अन्य सहयोगी दलों की भी स्थिति बहुत साफ नहीं है। उपेंद्र कुशवाहा की काराकट सीट मशहूर गायक पवन सिंह के खड़े हो जाने से बुरी तरह फंस गई है। वहीं कांग्रेस पार्टी किशनगंज, कटिहार, समस्तीपुर, भागलपुर के साथ-साथ मुजफ्फरपुर में भी दमदारी से मुकाबले में है और जीत का दावा कर रही है। पिछली बार इन चार राज्यों की 210 सीटों में से भाजपा गठबंधन ने 162 सीटों पर जीत दर्ज की थी। अब जबकि मोदी ने 400 पार का नारा दिया है तब इस संख्या में वृद्धि की जरूरत पड़ेगी लेकिन इन राज्यों से छनकर आ रही खबरों के मुताबिक यह आंकड़ा 162 से घटकर 125 से 130 के बीच रह जाने की संभावना है। देखना दिलचस्प होगा कि देश का सबसे बड़ा सूबा उत्तर प्रदेश मिथक में फंस कर देश को इस बार भी भरमाएगा या यथार्थ की जमीन पर उतरकर कोई नया संदेश देगा।

चुनावी लोकतंत्र को दलबदलुओं का खेल बनने से बचाएं

राजकुमार सिंह

सभी दल जब-तब दलबदल को लोकतंत्र और राजनीति के लिए नुकसानदेह बताते रहते हैं, लेकिन दलबदल का खेल खेलने में संकोच नहीं करते। बेशक देश में दलबदल रोकनेवाले कानून भी हैं, पर जिन पर उन्हें लागू करने की जिम्मेदारी होती है, वे ही अक्सर उन्हें धता बताते नजर आते हैं। महाराष्ट्र में जो हुआ, सबके सामने है। दलबदलुओं के विरुद्ध लंबित याचिकाओं पर फैसला विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने पर ही आने के उदाहरण तो तमाम हैं। लोकसभा चुनाव में दलबदलुओं को टिकट की बात करें तो भाजपा ने सबसे ज्यादा 23 दलबदलुओं को उस उत्तर प्रदेश में टिकट दिया है, जो उसका सबसे बड़ा शक्ति स्रोत माना जाता है। प्रतिशत की बात करें तो आंध्र प्रदेश बाजी मार ले गया है। पिछले लोकसभा चुनाव में आंध्र प्रदेश में कांग्रेस की तरह भाजपा का भी खाता नहीं खुल पाया था। सो, इस बार भाजपा ने पुराने दोस्त चंद्रबाबू नायडू और उनके दोस्त फिल्म अभिनेता पवन कल्याण से हाथ मिलाया है। नायडू की टीडीपी और पवन कल्याण की जन सेना पार्टी से गठबंधन में भाजपा के हिस्से आंध्र की कुल 25 लोकसभा सीटों में से छह आई हैं। आश्चर्यजनक यह है कि इनमें पांच सीटों पर उसने दलबदलुओं को टिकट दिया है। यह जानकर आपकी हैरत और बढ़ सकती है कि अपने सहयोगी दल टीडीपी से आए नेताओं को भी भाजपा ने टिकट दिया है। तेलंगाना में लोकसभा की कुल 17 सीटें हैं, जिनमें से 11 पर भाजपा ने दलबदलू उम्मीदवार उतारे हैं। इनमें से छह उम्मीदवार तो ऐसे हैं, जो चुनाव से पहले ही भाजपा में आए। जिस कांग्रेस और बीआरएस के विरुद्ध भाजपा ने तेलंगाना में चुनाव लड़ा, उनसे दलबदल कर आए उम्मीदवारों को भी टिकट दिया गया। शिरोमणि अकाली दल से गठबंधन टूट जाने के बाद भाजपा पंजाब में पहली बार अकेले चुनाव लड़ रही है। पंजाब में लोकसभा की कुल 13 सीटें हैं और उसे सात दलबदलुओं पर दांव लगाना पड़ा है। जिस हरियाणा में भाजपा की पिछले दस साल से सरकार है, वहां भी उसने आधा दर्जन दलबदलुओं पर दांव लगाया है। ये सभी पूर्व कांग्रेसी हैं। अन्य राज्यों पर भी नजर डालें तो भाजपा ने पश्चिम बंगाल में 10, महाराष्ट्र में सात, झारखंड में सात, ओडिशा में छह, तमिलनाडु में पांच, कर्नाटक में चार, बिहार में तीन तथा राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और केरल में दो-दो दलबदलुओं को टिकट दिया है। बेशक उम्मीदवारों की किस्मत का अंतिम फैसला मतदाता ही करते हैं, पर राजनीतिक दलों और नेताओं ने तो दिखा दिया है कि सत्ता के खेल में उनके लिए नीति, निष्ठा और नैतिकता कोई मायने नहीं रखती। मायने रखती है तो सिर्फ जीत- चाहे वह जैसे मिले।

पंजाब की राजनीति में क्षेत्रवाद के रोगाणु

राकेश सैन

क्षेत्रवाद व उपराष्ट्रवाद की जिस मानसिकता से भारत सदियों तक विदेशी संत्रास झेलता आया है उसके रोगाणु आज भी देश की राजनीति में देखने को मिल रहे हैं। पंजाब का यह रोग दोबारा उबरता दिख रहा है और त्रासदी यह है कि क्षेत्रीय दल शिरोमणि अकाली दल बादल के साथ-साथ राष्ट्रीय दल कांग्रेस भी इस कीचड़ में सनी नजर आ रही है। संगरूर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक सुखपाल सिंह खैहरा ने कहा है कि पंजाब में बाहरी राज्यों से आए लोगों को मतदान का अधिकार नहीं होना चाहिए। तो अकाली दल बादल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने अपने दल के घोषणापत्र में बाहरी राज्यों के लोगों से जमीन खरीदने का अधिकार छीनने का वायदा किया है। यह वही पंजाब है जो संकीर्ण क्षेत्रीय राजनीति के चलते 1 नवंबर, 1966 में भाषाई आधार पर विभाजित हुआ और इस विभाजन से उपजी चण्डीगढ़ के अधिकार और सतलुज यमुना सम्पर्क नहर की समस्या से आज तक निपट नहीं पाया है। सिख गुरुओं के 'मानस की जाति सबै एके पहिचानबो' के मानवतावादी संदेश के विपरीत पंजाब में एक विकृत सोच है जो दूसरे राज्यों से आए श्रमिकों को 'भईया', 'भईया रानी' के नाम से अपमानजनक सम्बोधन करती है। यहां के राजनेताओं द्वारा अकसर कहा जाता है कि जब पंजाब का कोई व्यक्ति हिमाचल प्रदेश में जमीन नहीं खरीद सकता तो दूसरे राज्य के लोग पंजाब में कैसे संपतियां बना रहे हैं? असल में यह एक ऐसा राष्ट्र विभाजक विमर्श है जो राजनेताओं व कुछ धार्मिक नेताओं की अज्ञानता के चलते स्थापित होता जा रहा है। इससे यह भ्रम पैदा करने की कोशिश की जा रही है कि देश में पंजाब के लोगों से भेदभाव हो रहा है, जबकि इसका कारण पूरी तरह से संवैधानिक है।

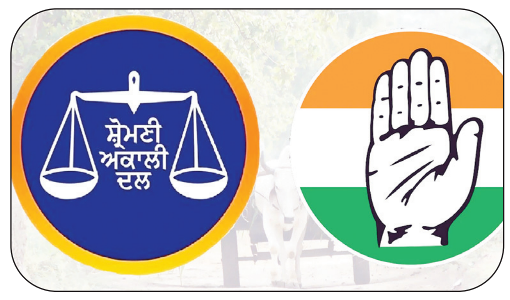

देश में मौलिक अधिकारों से जुड़ा अनुच्छेद 19(1)(घ)कहता है कि भारत के किसी भी नागरिक को देश के किसी भी हिस्से में स्वतंत्र आवाजाही की अनुमति है। नागरिकों को भारत के किसी भी हिस्से में रहने और बसने की अनुमति है। लेकिन ऐसे मामलों में कुछ अपवाद भी हैं, जैसे असम के अलावा सिक्किम, त्रिपुरा, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, नागालैण्ड और मेघालय के अलावा त्रिपुरा में भी कई इलाके हैं जहां इसी तरह के संवैधानिक प्रावधान किये गए हैं ताकि स्थानीय लोगों की आबादी बाहरी लोगों के आने से कम न हो जाए। ऐसे प्रावधान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड, झारखण्ड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और झारखण्ड जैसे राज्यों में भी बनाये हैं। इन राज्यों को दो श्रेणियों में रखा गया है-संविधान की पांचवीं और छठी अनुसूची। जो राज्य पूरे के पूरे छठी श्रेणी में आते हैं वहां स्थानीय लोगों के स्वायत्त शासन का प्रावधान रखा गया है। पांचवीं अनुसूची के भी कई इलाके हैं जहां स्वायत्त शासन लागू है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के आदिवासी बहुल इलाके, ये संविधान की पांचवीं अनुसूची में आते हैं। जिन-जिन राज्यों में पांचवीं अनुसूची लागू है वहां के राज्यपालों को संविधान ने कई शक्तियां दीं हैं, ये सिर्फ राज्यपाल ही नहीं बल्कि वहां आदिवासियों के अभिभावक भी कहलाते हैं। इन इलाकों में बाहर के लोग जमीन नहीं खरीद सकते। यहां आदिवासी परामर्श समिति की अनुशंसाओं पर राज्यपाल फैसले लेते हैं। कई राज्यों में पर्वतीय क्षेत्र विकास परिषद् की भी व्यवस्था है जो स्वतंत्र निर्णय लेती है। अनुसूचित इलाकों में राज्यपालों को इतनी संवैधानिक शक्ति प्रदान की गई है कि वो परिस्थिति को देखते हुए किसी भी कानून को अपने राज्य में लागू होने से रोक या लागू कर सकते हैं। अनुसूचित इलाकों के लिए बनाये गए अधिनियमों के मुताबिक जमीन को बेचने पर पूरी रोक है। अब बात संविधान की छठी अनुसूची की करते हैं, ये वो इलाके हैं जहां आदिवासियों की आबादी अधिक है। वहां इन जातियों के हिसाब से स्वायत्त शासित परिषदों की स्थापना की गई है। इन इलाकों में भी राज्यपाल की संवैधानिक भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण है।

हिमाचल प्रदेश किरायेदारी और भूमि सुधार अधिनियम, 1972 के तहत यहां के लोगों के हितों को सुरक्षित रखने के लिए एक विशेष प्रावधान किया गया है। इसकी धारा 118 के तहत हिमाचल प्रदेश का कोई भी जमीन मालिक किसी भी गैर कृषक को किसी भी माध्यम (सेल डीड, गिफ्ट, लीज, ट्रांसफर, गिरवी) से जमीन नहीं दे सकता। भूमि सुधार अधिनियम 1972 की धारा 2(2) के मुताबिक जमीन का मालिकाना हक उसका होगा जो हिमाचल में अपनी जमीन पर खेती करता होगा। जमीन के क्रय-विक्रय पर सरकार की कड़ी नजर रहती है। फरवरी 2023 में एक मामले की सुनवाई के दौरान देश की सर्वोच्च अदालत ने भी अहम टिप्पणी करते हुए कहा था कि 'हिमाचल प्रदेश में केवल किसान ही जमीन खरीद सकते हैं।' पंजाब में अनुसूचित जाति तो है परन्तु अनुसूचित जनजाति नहीं, तो यहां पर इस तरह का कानून लागू नहीं हो सकता।

साहेब और शहजादे के अजब चुनावी वादे

अनिल तिवारी

पिछले दिनों कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो डाला है, जिसमें वह कहते हैं कि उनकी सरकार केंद्र की कुर्सी पर जैसे ही काबिज होगी, उसी दिन से हर गरीब परिवार की महिला के बैंक खाते में हर महीने साढ़े आठ हजार रुपए मिलने वाले हैं, खटाखट-खटाखट, खटाखट- खटाखट। एक अन्य वीडियो में राहुल गांधी वादा करते हैं कि सरकार बनते ही वे देश में करोड़ों लखपति पैदा करने वाले हैं। यह तो रही कांग्रेस के शहजादे राहुल गांधी की बात। दूसरी तरफ वाले साहेब भी कम नहीं है। 84 करोड़ लोगों को अगले 5 साल तक 5 किलो मुफ्त राशन के साथ-साथ सार्वजनिक मंचों से लगातार लखपति दीदियों की पूरी की पूरी फौज तैयार करने का वायदा करते आ रहे हैं।

मोटे तौर पर चुनावी सभाओं में अगर साहेब कांग्रेस और मुसलमानों पर उल्टे सीधे आरोप नहीं लगा रहे होते हैं तो सच मानिए दिल खोलकर वादे लुटाने में लगे रहते हैं। वे डंके की चोट पर कहते हैं कि तीसरी बार जीतने के बाद जनता के लिए एक से बढ़कर एक अनोखी अद्भुत लाभकारी योजनाएं लेकर आएंगे। वे लगातार याद भी दिला रहे हैं कि पिछले 10 सालों से यथासंभव गैस के चूल्हे, पीने का पानी, शौचालयों के लिए धन, आयुष्मान कार्ड और मुफ्त राशन तो पहले से ही दे रहे हैं, आगे इसकी फेहरिस्त और लंबी होने वाली है। देश की 140 करोड़ जनता को अपना परिवार बताने वाले मोदी साहब की शर्त बस इतनी है कि तीसरी बार भी जनता उन्हें चुनकर दिल्ली भेज दे। इस चुनाव का यही वह दिलचस्प पहलू है जहां सभी राजनेताओं ने मतदाताओं को उनके वोट के बदले में उन्हें अधिक से अधिक खैरात दिए जाने का वचन दिया है।

पर सवाल यह है कि समाज कल्याण की आड़ में दोनों हाथ से लुटाने का वादा करने वाले साहेब या शहजादे इसके लिए भारी भरकम राशि कहां से लाएंगे? देने के दावे तो इस अंदाज में किये जा रहे हैं जैसे सारा का सारा माल इनका निजी धन हो। अगर नहीं तो निश्चित रूप से चुनाव के बाद वादा पूरा करने के क्रम में यह राशि देश के खाते कमाते लोगों से वसूली जाएगी। उन पर कई तरह के अतिरिक्त कर थोपे जाएंगे। चुनाव प्रारंभ होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी

विकसित भारत बनाने पर खास फोकस कर रहे थे। भारत के जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने तथा आजादी के 100 साल पूरा होने पर दुनिया में अव्वल बनाने का दावा कर रहे थे। लेकिन अब जैसे-जैसे चुनाव अपने आखिरी पड़ाव की ओर बढ़ रहा है वैसे-वैसे प्राथमिकताएं भी बदलती जा रही हैं। अधिक से अधिक मतदाताओं को लुभाने के लिए खैरात का पिटारा तो खुल ही चुका है, दिन प्रतिदिन भाषा भी सतही हो चली है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खटाखट खटाखट को अब प्रधानमंत्री मोदी ने अपने हर भाषण में तकिया कलाम बना लिया है। प्रधानमंत्री के तंज की एक बानगी देखिए, चार जून के बाद इंडी गठबंधन विदेश में आराम फरमाने निकल लेगा खटाखट खटाखट। विपक्षी दल के नेता भी पीछे नहीं है। सपा के अखिलेश यादव प्रधानमंत्री के खटाखट का जवाब फटाफट, गटागट और सटासट की अर्धाली मिलाकर दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी पहले संविधान को खतरे में बता कर सत्ता परिवर्तन के लिए समान विचार वाले दलों का गठबंधन तैयार कर नीतियों के आधार पर बदलाव की बात कर रही थी। वहीं प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सत्ताधारी दल भव्य विरासत को रेखांकित करते हुए विकसित भारत का दावा कर रहा था। लेकिन तीन हिस्सा चुनाव बीतने के साथ दोनों पक्ष एक ही धरातल पर आ खड़ा हुए हैं।

अब दोनों ओर से ताल ठोक कर कहा जा रहा है कि जनता हमारे दल को जिताएगी तो हम जनता को बिजली पानी शिक्षा स्वास्थ्य आवास अनाज सब कुछ मुफ्त में मुहैया कराएंगे। भाजपानीत एनडीए की सरकार ने अगले 5 साल तक 5 किलो मुफ्त राशन का वादा किया है तो अब कांग्रेस पार्टी ने चुनाव जीतने पर 10 किलो मुफ्त राशन का लॉलीपॉप दिया है। प्रधानमंत्री मोदी की लखपति दीदी योजना की नकल करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश में करोड़ों लखपति पैदा करने का दावा किया है। पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ से जनता को अपने पाले में करने के लिए ऑफर दर ऑफर पेश किया जा रहे हैं। कहने को देश में लोकतंत्र है, लेकिन नेतागण चुनाव में अपनी नीतियों के आधार पर समर्थन मांगने की जगह मतदाताओं के हाथ में भीख का कटोरा थमा रहे हैं। कोई कटोरे में रू.10 डालने को कह रहा है तो कोई कह रहा है कि अगर हमें जिताओगे तो हम रू. 100 डालेंगे। कोई 5 किलो राशन दे रहा है तो कोई 10 किलो देने का वादा कर रहा है।

किसी भी देश का विकास वहां के लोगों के विकास पर निर्भर करता है। जिन देशों के लोग अपने पैरों पर खड़े होते हैं, वहां की सरकारें भी उसी अनुपात में देश को आगे ले जाने का काम करती है। ऐसा कोई उदाहरण दुनिया में नहीं मिलता है जहां जनता को कमजोर करके देश को मजबूती प्रदान की गई हो। हमारे देश में सब कुछ मुफ्त में देने की आदत डाली जा रही है। कल्याणकारी राज्य बताकर समाजवादी आर्थिक नीतियों के नाम पर हमारा शासक वर्ग सेंत मेंत में चीजों को मुहैया कराने का हिमायती रहा है। जनता में पहले यह विश्वास पैदा किया गया कि सब कुछ सरकार ही देती है यहां तक कि रोजी रोटी भी। उदारीकरण के बाद स्थितियां थोड़ी बदली। आम आदमी सरकार के भरोसे कम, अपनी मेहनत के बदौलत आगे बढ़ने की दौड़ में शामिल हुआ। कोटा परमिट का राज खत्म होने के बाद विकास ने रफ्तार पकड़ी और प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हुई। भूमंडलीकरण के बाद भारतीय मेधा का पूरी दुनिया में डंका बजने लगा। विशेष रूप से आईटी के क्षेत्र में भारत ने बहुत प्रगति की। लेकिन वर्तमान चुनाव में जो बातें पक्ष और विपक्ष द्वारा उठाई जा रही हैं, जिस तरह के वादे किए जा रहे हैं उनसे अच्छे भविष्य के संकेत नहीं मिलते। एक दल कह रहा है कि अगर सत्ताधारी फिर चुनकर आए तो संविधान को मिटा देंगे तो दूसरा दल कह रहा है कि अगर विपक्षी चुने गए तो राम मंदिर पर बुलडोजर चलवा देंगे। एक तरफ से कहा जा रहा है कि वोट के लालच में धार्मिक ध्रुवीकरण किया जा रहा है तो दूसरे का आरोप है कि चुनाव जीतने के लिए तुष्टिकरण की नीति अपनाई जा रही है। लेकिन जब मुफ्त की रेवड़ी बांटने की बात आती है तो दोनों ही दल फटाफट अधिक से अधिक देने का दावा करने लगते हैं।

भाजपा के दिग्गज अपने गढ़ बचाने के लिए ले रहे मोदी मैजिक का सहारा

कृष्ण सिंह

मंडी और शिमला में लोकसभा चुनाव में किसका पलड़ा भारी है, इस प्रश्न पर ज्यादातर लोगों से यही सुनने को मिलेगा कि कांटे की टक्कर है। भाजपा शिमला सीट पर दोबारा जीतेगी तो इसमें सिरमौर जिला की बड़ी लीड की ज्यादा भूमिका होगी, क्योंकि यह भाजपा प्रत्याशी सांसद सुरेश कश्यप का गृह जिला है। एंटीइनकमबेंसी फैक्टर से कश्यप तभी उबर सकते हैं, अगर सिरमौर ने पूरा साथ दिया। इसी तरह मंडी के बारे में भी कहा जा रहा है कि यहां हार-जीत का फैसला इस सीट का सबसे बड़ा जिला मंडी ही लेगा। जयराम ठाकुर के गृह जिला मंडी से अगर जोरदार लीड नहीं ले पाए तो भाजपा उपचुनाव की तरह चूक सकती है। इसीलिए हमीरपुर और कांगड़ा से भी ज्यादा संवेदनशील भाजपा के लिए यही दोनों सीटें हैं। दोनों ही सीटों पर 2019 के चुनावों की तरह अब मोदी मैजिक पर ही भरोसा है। जिन गढ़ों पर भाजपा विश्वास कर सकती है, उन्हीं को चुनाव से ठीक एक हफ्ते पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभाव से मजबूत करने की रणनीति बनाई गई है, जहां पर वोटों के धुव्रीकरण का भाजपा को एक विश्वास है। इसी कारण शुक्रवार को प्रदेश में प्रधानमंत्री से केवल दो रैलियां इन्हीं गढ़ों में करवाई गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को पहली जनसभा को नाहन के चौगान मैदान और दूसरी मंडी के पड्डुल ग्राउंड में संबोधित किया। नाहन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल का विधानसभा हलका है, जहां वह डेढ़ साल पहले अपना चुनाव हारे थे। वह अपने हलके नाहन में भाजपा को लीड दिलाने के लिए ज्यादा पसीना बहा रहे हैं। सिरमौर के बाकी चार हलकों में हाटी मुद्दे पर भरोसा है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर का गृह जिला मंडी विधानसभा चुनाव में भाजपा को दस में से नौ सीटें दे गया था। ऐसे में प्रदेश भाजपा के दोनों ही वरिष्ठ नेताओं ने केवल अपने-अपने क्षेत्रों में ही प्रधानमंत्री की रैलियां करवाने में विशेष दिलचस्पी ली है। दोनों मोदी को अपने क्षेत्रों में लाकर एक राजनीतिक संदेश तो देना ही चाह रहे है, वोटों का ध्रुवीकरण कर अपनी भी प्रतिष्ठा भी बचाना चाह रहे हैं। सिरमौर जिला की सबसे बड़ी लड़ाई गिरिपार क्षेत्र को जनजातीय क्षेत्र घोषित करवाने की रही है। पिछली जयराम सरकार साथ लगते उत्तराखंड के जौनसार बावर की तरह हाटी समुदाय के लोगों को जनजातीय दर्जा दिलाने के लिए संसद से कानून पारित करवाने में कामयाब हुई। भाजपा इस मुद्दे को पूरी तरह से भुनाना चाह रही है। बेशक अनुसूचित जाति, जनजातीय गुज्जर समुदाय के लोग और ओबीसी में आने वाले भाट-ब्राह्मण इससे संतोष जाहिर न कर रहे हों, मगर भाजपा सिरमौर जिला की सबसे बड़ी आबादी राजपूतों का ध्रुवीकरण करना चाह रही है। मंडी जिला भाजपा का गढ़ बनने लगा था, जिसे कांग्रेस ने उपचुनाव में झटक लिया था। भाजपा यहां लगातार पिछले दो आम चुनाव जीती, उपचुनाव में हार का कारण उस वक्त कांग्रेस नेता वीरभद्र के देहांत से उपजी सहानुभूति लहर मानी गई। वहीं, विधानसभा चुनाव में भी इस जिला का अच्छा प्रदर्शन रहा। इससे जयराम ठाकुर अपनी इस बात को मनवाने में कामयाब हुए हैं कि चूक मंडी जिला या उनके गृह संसदीय क्षेत्र से नहीं हुई, बल्कि अन्य क्षेत्रों से हुई। जयराम ठाकुर की इस संसदीय सीट से प्रतिष्ठा जुड़ी है। उपचुनाव के बाद विधानसभा चुनाव हारने के बाद उन्हें इस सीट को किसी भी हाल में जीतना होगा। वरना उनसे यह लगातार तीसरी चूक होगी। प्रचार के अंतिम दौर में मोदी की लहर से ही वह चुनावी कश्ती पार करना चाह रहे हैं। नए प्रयोग के तहत सिने तारिका कंगना रणौत यहां से भाजपा हाईकमान की ओर से तय प्रत्याशी हैं तो प्रधानमंत्री की जनसभा रखवाने का मजबूत आधार बन गया।

इंडियन एक्ट्रेस अनसूया ने कान्स में रचा इतिहास

बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनीं

अभिनेत्री अनसूया सेनगुप्ता कान्स फिल्म फेस्टिवल के अन सर्टन रिगार्ड सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय बन गई हैं। उन्हें बल्गेरियाई फिल्म निर्माता कॉन्स्टेंटिन बोजानोव द्वारा निर्देशित फिल्म शेमलेस में उनकी भूमिका के लिए पुरस्कार मिला। फिल्म में एक सेक्स वर्कर की यात्रा को दर्शाया गया है जो एक पुलिसकर्मी को चाकू मारने के बाद दिल्ली के वेश्यालय से भाग जाती है। अनसूया ने अपना पुरस्कार दुनिया भर में समलैंगिक समुदाय और अन्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों को बहादुरी से एक ऐसी लड़ाई लड़ने के लिए समर्पित किया जो उन्हें नहीं लड़नी चाहिए। अपने भाषण में, वैरायटी ने उन्हें यह कहते हुए उद्धृत किया, समानता के लिए लड़ने के लिए आपको समलैंगिक होने की ज़रूरत नहीं है, यह समझने के लिए कि उपनिवेश बनाना दयनीय है, आपको उपनिवेशित होने की ज़रूरत नहीं है - हमें बस बहुत, बहुत सभ्य इंसान होने की ज़रूरत है।

अनसूया को मुख्य रूप से मुंबई में प्रोडक्शन डिजाइनर के रूप में उनके काम के लिए पहचाना जाता है और वर्तमान में वह गोवा में रहती हैं। उन्होंने नेटफ्लिक्स शो मसाबा मसाबा के सेट डिजाइन में योगदान दिया। मूल रूप से कोलकाता की रहने वाली, उन्होंने अपनी शिक्षा जादवपुर विश्वविद्यालय से हासिल की। उन्होंने बंगाली निर्देशक अंजन दत्त की रॉक म्यूजिकल मैडली बंगाली (2009) से अभिनय की शुरुआत की। 2009 में, अनसूया मुंबई चली गईं, जहां उनके भाई अभिषेक सेनगुप्ता फिल्मों में काम कर रहे थे। हालाँकि, उन्हें शहर में अपने लिए अभिनय के अवसर नहीं मिले और इसलिए उन्होंने फिल्मों के कला विभाग की ओर रुख किया। इस बीच, कान्स अन सर्टेन रिगार्ड पुरस्कार चीनी फिल्म निर्माता हू गुआन द्वारा निर्देशित ब्लैक डॉग को दिया गया, जबकि बोरिस लोजकिन की शरण-साधक कथा, द स्टोरी ऑफ सौलेमेन को जूरी पुरस्कार मिला।

काजोल 27 साल बाद प्रभु देवा के साथ दोबारा पर्दे पर नजर आने वाली हैं

तेलुगु फिल्म निर्माता चरण तेज उप्पलपति हिंदी में अपने निर्देशन की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह फिल्म, जिसे एक हाई-बजट एक्शन थ्रिलर कहा जा रहा है। उसमें सपने के बाद 27 साल बाद काजोल और प्रभुदेवा की जोड़ी दिखाई देगी। कलाकारों में नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन, जिशु सेनगुप्ता और आदित्य सील जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी शामिल हैं। फिल्म का पहला शेड्यूल भी पूरा हो चुका है और मेकर्स जल्द ही फिल्म का टीजर रिलीज करने की तैयारी में हैं। काजोल ने इससे पहले राजीव मेनन की 1997 की तमिल भाषा की फिल्म %मिनसारा कनवु% के लिए प्रभुदेवा के साथ काम किया था। फिल्म, जिसमें अरविंद स्वामी भी थे, ने काजोल की तमिल शुरुआत की और फिल्म के गाने आज भी दर्शकों के बीच गूंजते हैं।

एक्शन थ्रिलर में बोर्ड पर शीर्ष तकनीशियन भी हैं, जिनमें फोटोग्राफी के निदेशक के रूप में जीके विष्णु, संगीत निर्देशक हर्षवर्द्धन रामेश्वर और संपादक नवीन नूली शामिल हैं। पटकथा निरंजन अयंगर और जेसिका खुराना द्वारा लिखी गई है। प्रोडक्शन डिजाइनर साही सुरेश दृश्य सौंदर्यशास्त्र तैयार करेंगे। जबकि परियोजना के अधिक विवरण की प्रतीक्षा है, एक शानदार कलाकार और एक शीर्ष तकनीकी दल का संयोजन इस एक्शन तमाशे को सबसे प्रतीक्षित आगामी रिलीज में से एक बनाता है।

ब्रिटिस चैनल होस्ट ने किया प्रि्रयंका का अपमान, एक्ट्रेस को कहा चियांका चॉप

एक ब्रिटिश चैनल का वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है जिसमें होस्ट एंडी पीटर्स अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा के नाम का गलत उच्चारण कर रहे हैं। वायरल क्लिप ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है क्योंकि कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को लगता है कि वह जानबूझकर उनका मजाक उड़ा रहे थे

प्रियंका चोपड़ा के प्रशंसक ब्रिटिश टीवी होस्ट एंडी पीटर्स से इस बात से नाराज हैं कि उन्होंने मार्च में लंदन में मैडम तुसाद का दौरा करते समय उनके नाम का गलत उच्चारण किया था। एंडी ने गुड मॉर्निंग ब्रिटेन के लिए मोम संग्रहालय का दौरा किया और वहां मोम में अमर मशहूर हस्तियों के बारे में बात की। अब यह क्लिप इंस्टाग्राम पर फिर से सामने आने से प्रशंसक खुश नहीं हैं।

इंस्टाग्राम पर एक प्रशंसक द्वारा साझा की गई क्लिप में गुड मॉर्निंग एंकर आदिल रे और चार्लोट हॉकिन्स स्टूडियो में थे, जबकि एंडी ने मैडम तुसाद से उनसे बात की। हालाँकि, एंडी को प्रियंका का नाम सही ढंग से उच्चारण करने में कठिनाई होती है और वह उसे %चियांका चॉप फ्री कहती है, जिससे आदिल को बहुत निराशा होती है, जो उसे सही करते हुए कहता है, ईमानदारी से, एंडी। यदि आप किसी के बगल में खड़े होने जा रहे हैं तो कम से कम यह पता कर लें कि उनका नाम क्या है। वह भारतीय बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा हैं, जो अब अमेरिका में एक बड़ी स्टार हैं। डेली स्टार के अनुसार एंडी ने तब दावा किया कि वह जानता था कि वह कौन थी और उसकी शादी जोनास ब्रदर्स में से एक से हुई थी। वायरल क्लिप ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है क्योंकि कुछ सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को लगता है कि वह जानबूझकर उनका मजाक उड़ा रहे थे, जबकि कुछ को यह भी लगा कि वह वास्तव में अभिनेत्री के नाम से अनजान थे। वायरल वीडियो के अनुसार, एंडी पीटर्स गुड मॉर्निंग ब्रिटेन शो के लिए लंदन के मैडम तुसाद में थे और PeeCee मोम की मूर्ति के बगल में खड़े थे। सेलिब्रिटी के बारे में सूचित करते समय, उन्होंने उसका नाम टटोला और उसे चिया चियानका चॉप फ्री कहा। दूसरी ओर, शो के सह-मेजबान, आदिल रे और चार्लोट हॉकिन्स ने यह कहकर उन्हें सही किया, ईमानदारी से, एंडी। यदि आप किसी के बगल में खड़े होने जा रहे हैं, तो कम से कम यह पता कर लें कि उनका नाम क्या है। वह हैं भारतीय बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा, जो अब अमेरिका में एक बड़ी स्टार हैं। वीडियो के ऑनलाइन ट्रेंड करने के तुरंत बाद, प्रियंका के प्रशंसकों ने एंडी पीटर्स पर अपना गुस्सा और नाराजगी व्यक्त करने में जल्दबाजी की। एक यूजर ने लिखा, अगर हमने गलत उच्चारण किया या दूर से भी उसकी पृष्ठभूमि या नाम के बारे में कुछ भी अपमानजनक कहा.. तो यह कहानी का अंत होगा।

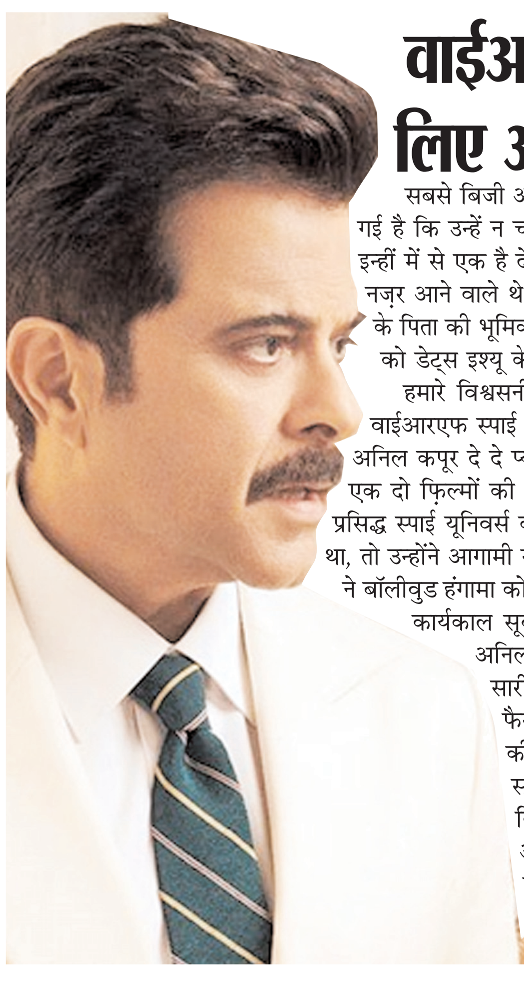

वाईआरएफ के स्पाई यूनिवर्स के लिए अनिल ने छोड़ी दे दे प्यार दे 2

सबसे बिजी अभिनेता में से एक अनिल कपूर के पास फ़िल्मों की इतनी लंबी लिस्ट हो गई है कि उन्हें न चाहते हुए भी कुछ फ़िल्मों को डेट्स इश्यू के चलते छोड़ना पड़ रहा है । इन्हीं में से एक है दे दे प्यार दे 2, जिसमें अनिल कपूर अजय देवगन के साथ अहम रोल में नज़र आने वाले थे । कहा जा रहा था कि अनिल कपूर दे दे प्यार दे 2 में रकुल प्रीत सिंह के पिता की भूमिका निभाने वाले थे लेकिन अब ऐसा नहीं हो पाएगा । क्योंकि अनिल कपूर को डेट्स इश्यू के चलते दे दे प्यार दे 2 छोड़नी पड़ रही है ।

हमारे विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग का एक बड़ा हिस्सा वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फिल्म में अनिल कपूर की शूटिंग डेट्स के बीच आ गया है । अनिल कपूर दे दे प्यार दे 2 करना चाहते थे, लेकिन वाईआरएफ के साथ उनकी प्रतिबद्धता एक दो फ़िल्मों की नहीं बल्कि लाँग टर्म है, जिसमें आदित्य चोपड़ा द्वारा डिजाइन की गई प्रसिद्ध स्पाई यूनिवर्स की कई फिल्में शामिल हैं । जब उन्हें दोनों में से किसी एक को चुनना था, तो उन्होंने आगामी स्पाई फिल्म्स में रॉ के प्रमुख के रूप में काम करना चुना । एक ट्रेड सूत्र ने बॉलीवुड हंगामा को बताया। सूत्र ने हमें आगे बताया कि जून में अनिल कपूर अपने डिजिटल कार्यकाल सूबेदार की शूटिंग भी करते नजर आएंगे। सूबेदार भी फ्लोर पर है और अनिल को जून और जुलाई के कुछ हिस्सों में इसकी शूटिंग करनी होगी। बहुत सारी ओवरलैपिंग थी और इसलिए उन्होंने दे दे प्यार दे 2 से अलग होने का फैसला किया। सूत्र ने हमें आगे बताया। यह पहला प्रोजेक्ट नहीं है जिसे डेट की समस्या के कारण अनिल को छोड़ना पड़ा। पिछले दिनों उन्होंने डेट की समस्या का हवाला देते हुए वेलकम टू द जंगल और हाउसफुल 5 से भी किनारा कर लिया था। वर्क फ्रंट की बात करें तो, अनिल कपूर वॉर 2 और आलिया भट्ट की सुपर सॉलिडर फिल्म में भी अहम रोल में नज़र आने वाले हैं । अभिनेता को 2024 की दूसरी छमाही में वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की दोनों फिल्मों में अपने हिस्से की शूटिंग करने की उम्मीद है।

सलमान ने सिकंदर के लिए शुरू की तैयारी ; एक्शन पैक्ड ड्रामा के लिए इंटेंस किया अपना वर्क आउट

भले ही ईद 2024 में सलमान खान की फ़िल्म की कमी उनके फ़ैंस को महसूस हुई हो लेकिन अगली ईद के लिए सलमान की फ़िल्म की तैयारी ज़ोर शोर से शुरू हो चुकी है ।प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला ने सलमान खान के साथ एक्शन पैक्ड फ़िल्म सिकंदर अनाउंस की थी जिसे एआर मुरुगादॉस डायरेक्ट करने वाले हैं । यह फ़िल्म अगले साल ईद 2025 पर रिलीज होने वाली है । और अब इस फ़िल्म को लेकर सुनने में आ रहा है कि, सलमान खान ने सिकंदर के लिए पूरी तरह से तैयारी शुरू कर दी है । वह जून से इस फ़िल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे । मुरुगादॉस वर्तमान में तमिल अभिनेता शिवकार्तिकेयन के साथ एक्शन फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसका अस्थाई शीर्षक एसके 23 है। मुरुगादॉस इसके अलावा अन्य कई परियोजनाओं को लेकर व्यस्त हैं। ऐसे में उन्होंने सलमान खान की फिल्म सिकंदर पर काम शुरू करने से पहले %एसके 23% का एक महत्वपूर्ण हिस्सा खत्म करने की योजना बनाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मुरुगादॉस सिकंदर के फ्लोर पर आने से पहले एसके 23 का जितना संभव हो सके उतना काम पूरा करना चाहते हैं। योजना के अनुसार मई में सिकंदर के शुरुआती शेड्यूल की शूटिंग की जाएगी, उसके बाद जून में शिवकार्तिकेयन की फिल्म पर काम शुरू होगा। जुलाई के बाद से मुरुगादॉस अपना पूरा ध्यान सिकंदर पर लगाएंगे ।

इस फिल्म को अगले साल यानी 2025 में ईद पर रिलीज करने की योजना है। ऐसे में निर्देशक के व्यस्त शेड्यूल के बावजूद टीम समय सीमा को पूरा करने के लिए पूरी मेहनत कर रही है। कहा जा रहा है कि किसी भी देरी से बचने के लिए मुरुगादॉस ने एसके 23 को पूरा करने में तेजी लाने के लिए एक मजबूत टीम बनाई है। मई के पिछले सप्ताह प्री-प्रोडक्शन शुरू हो गया है, जिससे निर्माता अब जून में शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। मिड-डे रिपोर्ट के अनुसार, डायरेक्टर एआर मुरुगादॉस ईद 2025 की रिलीज़ को किसी भी क़ीमत पर मिस नहीं करना चाहते हैं इसलिए वह फ़िल्म से जुड़ी पूरी टीम के साथ फ़िल्म की तैयारी शुरू कर चुके हैं । मई में पिछले सप्ताह ही सिकंदर का प्री-प्रोडक्शन शुरू हुआ, जिसमें जून की शूटिंग प्लान भी बना लिया गया है । पहला शेड्यूल मुंबई में होगा । इसके अतिरिक्त, सलमान खान मई के अंत में एक फोटोशूट में शामिल होंगे, इसके बाद 20 जून के बाद प्रिंसिपल फोटोग्राफी शुरू करेंगे । एआर मुरुगादॉस फ़िल्म के एक्शन सीन्स को लेकर कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं और इन दिनों वह इन्हें कोरियोग्राफ करने में बिजी हैं । वहीं सलमान ने भी सिकंदर के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है । सलमान खुद एक्शन सीक्वेंस करने पर जोर देते हैं । उन्होंने अपने वर्कआउट को इंटेंस लेवल पर करना शुरू कर दिया है ताकि वह फ़िल्म के लिए एक सटीक फ़िज़िक पा सके । सूत्र ने खुलासा किया ।

वेलकम टू द जंगल में जैकी श्रॉफ ने संजय दत्त को किया रिप्लेस ; मेकर्स ने इन किरदारों में किया बदलाव

अक्षय कुमार की हिट कॉमेडी फ्रेंचाइज़ी वेलकम की नई किस्त, वेलकम टू द जंगल शुरूआत से ही चर्चा में बनी हुई है । प्रोड्यूसर फ़िरोज़ नाडियाडवाला के प्रोडक्शन में बन रही वेलकम टू द जंगल में अक्षय कुमार के साथ एक नहीं बल्कि कई स्टार्स भी नजर आने वाले हैं > लेकिन कुछ दिन पहले ही सुनने में आया कि संजय दत्त ने फ़िल्म के कुछ हिस्से शूट करने के बाद वेलकम टू द जंगल को छोड़ दिया है । और अब पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिरोज नाडियाडवाला और अहमद खान ने संजय दत्त की खाली जगह को भरने के लिए जैकी श्रॉफ को साइन कर लिया है । संजय दत्त के फिल्म छोड़ने के बाद से जैकी श्रॉफ चुपचाप वेलकम टू द जंगल की शूटिंग कर रहे हैं । वेलकम टू द जंगल की कहानी में एक मोड़ है क्योंकि निर्माताओं ने किरदारों पर फिर से काम किया है और कुछ हिस्सों के लिए फिर से कास्ट किया है। अब सुनील शेट्टी अब वह भूमिका निभाएंगे जो शुरू में संजय दत्त के लिए लिखी गई थी, जैकी श्रॉफ उस भूमिका को निभाने के लिए बोर्ड पर आए हैं जिसके लिए सुनील शेट्टी को साइन किया था । फ़िल्म से जुड़े करीबी सूत्र ने पब्लिकेशन को बताया । सुनील और संजय दोनों का व्यक्तित्व मर्दाना है, और निर्माताओं ने सोच समझ कर फ़ैसला किया है ताकि फ़िल्म में उस किरदार की यूएसपी बरकरार रहे। सुनील के किरदार का हास्य उसकी मर्दानगी से आता है। दूसरी ओर, जैकी मुख्य भूमिकाओं के साथ एक बहुत ही रोमांचक गतिशीलता साझा करते हैं, और फिल्म उन्हें पूरी तरह से नए अवतार में प्रस्तुत करती है। कास्टिंग में बदलाव दिसंबर में हुआ और जैकी ने पहले ही फिल्म में अपने हिस्से की काफी शूटिंग कर ली है । वेलकम टू द जंगल को 2024 की सबसे बड़ी कॉमेडी फ़िल्म माना जा रहा है । अहमद खान द्वारा निर्देशित, यह फिल्म क्रिसमस 2024 में रिलीज के लिए तैयार है और वेलकम फ्रेंचाइजी में अक्षय कुमार की वापसी का प्रतीक है । अगर सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ तो फिल्म जुलाई के अंत तक पूरी होने की उम्मीद है। फिल्म में अक्षय, सुनील और जैकी के अलावा परेश रावल, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज, लारा दत्ता, रवीना टंडन, राजपाल यादव, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, मीका सिंह और दलेर मेहंदी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' का नया गाना 'सत्यानास' रिलीज़ हुआ रिलीज!

साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान की फिल्म 'चंदू चैंपियन', जिसमें करिश्माई कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में हैं, यह इस साल की सबसे ज़्यादा बेसब्री से इंतज़ार की जा रही फिल्मों में से एक है। दर्शकों का मनोरंजन करने वाले शानदार ट्रेलर की रिलीज़ के बाद, फिल्म निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना 'सत्यानास' रिलीज़ करके उत्सुकता को और ज्यादा बढ़ा दिया है। यह एनरजेटिक डांस नंबर फिल्म की संगीतमय यात्रा के लिए मंच तैयार करने का वादा करता है। आज सत्यानास नामक एक शानदार सॉन्ग लॉन्च किया गया है, जिसमें कार्तिक आर्यन और उनके युवा कैडेट दोस्तों का समूह अपने जीवन में एक नए अध्याय की शुरुआत का जश्न मनाता हुआ नज़र आएगा। संगीत के उस्ताद प्रीतम द्वारा रचित इस गाने में अरिजीत सिंह, नक्श अज़ीज़ और देव नेगी की सोलफूल आवाज़ के साथ-साथ अमिताभ भट्टाचार्य के प्रभावशाली बोल हैं। प्रसिद्ध जोड़ी बॉस्को-सीज़र द्वारा की गई कोरियोग्राफी ने गीत में एक दिलचस्प और ऊर्जावान दृश्य तत्व जोड़ा है। निर्देशक कबीर खान और निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने प्रीतम और अमिताभ भट्टाचार्य को मज़ेदार और जोशीले शरारतों से भरपूर गीत बनाने के लिए स्पष्ट निर्देश दिए थे। गीत और रचना में जीवन के नए चरण में प्रवेश करने वाले युवा पुरुषों की संक्रामक ऊर्जा को प्रतिबिंबित करने की आवश्यकता थी। परिणाम एक ऐसा ट्रैक है जो न केवल इस सार को पकड़ता है बल्कि चार्ट-टॉपर होने का वादा भी करता है। कार्तिक आर्यन के सहज डांस मूव्स और आकर्षण ने दर्शकों के दिलों को छू लिया है। ट्रेन के ऊपर फिल्माए गए गाने के जश्न के माहौल के साथ उनका प्रदर्शन, युवा भारतीय सेना के रंगरूटों के एक समूह के बीच एक खुशी की लहर को दर्शाता है। यह सीन तमाशा %सत्यानास% के आकर्षण को और बढ़ाता है, जिससे यह एक ऐसा गीत बन जाता है जिसे प्रशंसक और संगीत प्रेमी निस्संदेह बार-बार सुनना चाहेंगे।

जैसे-जैसे चंदू चैंपियन%14 जून, 2024 को रिलीज़ के लिए तैयार है, फिल्म के बारे में चर्चा बढ़ती जा रही है। अपनी आकर्षक कहानी, मनोरंजक प्रदर्शनों और अब एक शानदार पहले गाने के साथ, चंदू चैंपियन दुनिया भर के दर्शकों पर एक स्थायी प्रभाव डालने के लिए तैयार है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय प्रमुख समाचार

प्रियंका ने मोदी पर बेरोजगारी को लेकर किया कटाक्ष

नईदिल्ली। सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और राहुल गांधी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता छठे चरण में अपना वोट डालने के लिए शनिवार सुबह दिल्ली के मतदान केंद्रों पर पहुंचे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने आम चुनाव के छठे चरण में दिल्ली के एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला। वोट डालने के बाद प्रियंका वाड्रा ने कहा कि बेरोजगारी और महंगाई प्रमुख मुद्दे हैं और हर कोई चाहता है कि चुनाव इन्हीं मुद्दों पर लड़ा जाए। चुनाव में राहुल गांधी द्वारा आप को वोट देने और अरविंद केजरीवाल द्वारा कांग्रेस को वोट देने के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका ने कहा, हम अपनी शिकायतों को दूर रख रहे हैं और अपने संविधान और लोकतंत्र के लिए वोट डाल रहे हैं। मुझे इस बात पर गर्व है। इसके अलावा कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का कहना है, लोगों में यह धारणा है कि बीजेपी के नेता बेरोजगारी और महंगाई जैसे वास्तविक मुद्दों पर चर्चा नहीं कर रहे हैं जबकि भारत गठबंधन लोगों के वास्तविक मुद्दों पर बात कर रहा है।

वाराणसी में अखिलेश-राहुल की 28 को होगी संयुक्त रैली

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 28 मई को वाराणसी में इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार अजय राय के समर्थन में एक संयुक्त जनसभा करेंगे। आप संयोजक अरविंद केजरीवाल और राजद के तेजस्वी यादव भी उनके साथ मंच साझा कर सकते हैं, लेकिन उनकी पुष्टि की प्रतीक्षा है। सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। राय को इस हाई-प्रोफाइल सीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ खड़ा किया गया है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के भी शामिल होने की उम्मीद है। पार्टी ने नदेसर इलाके के कटिंग मेमोरियल इंटर कॉलेज ग्राउंड में सभा के लिए जिला प्रशासन से इजाजत मांगी है। कांग्रेस मीडिया सेल के उपाध्यक्ष मनीष हिंदवी सेल के अन्य सदस्यों के साथ मेगा रैली की तैयारियों की निगरानी के लिए वाराणसी में डेरा डालेंगे।

केजरीवाल ने फवाद चौधरी की निकाल दी सारी होशियारी

नईदिल्ली। पूर्व पाकिस्तानी मंत्री फवाद चौधरी एक बार फिर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समर्थन में सामने आए हैं, जिन्होंने शनिवार को परिवार के साथ अपना वोट डाला। विशेष रूप से, कथित शराब उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत मिलने के बाद चौधरी ने केजरीवाल का समर्थन किया था। फवाद चौधरी ने केजरीवाल के परिवार के साथ वोट देने वाली ट्वीट को भी साक्षा किया है। फवाद चौधरी के एक्स पोस्ट पर केजरीवाल ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि चौधरी साहिब, मैं और मेरे देश के लोग अपने मसलों को संभालने में पूरी तरह सक्षम हैं। आपके ट्वीट की ज़रूरत नहीं है। इस वक्त पाकिस्तान के हालात बहुत ख़राब हैं। आप अपने देश को सँभालिये। उन्होंने कहा कि भारत में हो रहे चुनाव हमारा आंतरिक मामला है। आतंकवाद के सबसे बड़े प्रायोजकों का हस्तक्षेप भारत बर्दाश्त नहीं करेगा।

विभव कुमार ने दायर की जमानत याचिका

नईदिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के सहयोगी विभव कुमार ने कथित स्वाति मालीवाल हमला मामले में जमानत के लिए दिल्ली की अदालत का रुख किया है। कुमार को चार दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद उनके वकीलों ने शुक्रवार को मामले का तत्काल सुनवाई के लिए उल्लेख किया था। कोर्ट ने कुमार की जमानत याचिका पर नोटिस जारी किया है और दिल्ली पुलिस से जवाब मांगा है। अब इस मामले की सुनवाई सोमवार को होगी। अधिवक्ता रजत भारद्वाज और करण शर्मा ने कुमार का प्रतिनिधित्व किया। कुमार को 28 मई को अदालत में पेश किया जाएगा। पहले उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था। एफआईआर आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल की लिखित शिकायत पर दर्ज की गई थी। कुमार को 18 मई को गिरफ्तार किया गया था। शुक्रवार को दिल्ली पुलिस ने कुमार के लिए चार दिन की न्यायिक हिरासत की मांग की थी।

प्रशांत के बाद, योगेन्द्र यादव ने भी माना आएंगे तो मोदी ही

नईदिल्ली। प्रशांत किशोर और अमेरिकी चुनाव विशेषज्ञ इयान ब्रेमर के बाद, चुनाव विशेषज्ञ से नेता बने योगेन्द्र यादव ने भी लोकसभा चुनाव को लेकर अपना आंकलन किया है। योगेंद्र यादव ने अनुमान जताया है की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक और आम चुनाव जीतने वाली है। इसके साथ ही कांग्रेस पार्टी की चुनावी वापसी की उम्मीद धूमिल हो जाएगी। हालाँकि, यादव के अनुसार, मौजूदा लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी के लिए उम्मीद की किरण होगी। इसकी सीटों की संख्या 100 तक पहुंच सकती है। भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में अपनी भविष्यवाणी के लिए सोशल मीडिया पर आलोचना झेल रहे किशोर ने यादव की सीट के पूर्वानुमान का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यादव के अनुसार, भाजपा 240-260 सीटें और उसके सहयोगी 34-45 सीटें जीतेंगे - जिसका मतलब है कि एनडीए की कुल सीटें 275 और 305 के बीच हो सकती हैं।

बिहार के पाटलिपुत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर किया वार

इंडी गठबंधन वालों ने दलित-पिछड़ों का हक लूटा

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बिहार के पाटलिपुत्र में अपना चुनाव अभियान शुरू किया है। कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने अपना ध्यान 1 जून (शनिवार) को सातवें और अंतिम चरण के मतदान वाली सीटों पर केंद्रित कर दिया है। बिहार में एक चुनावी रैली में प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चुनाव मोदी के बीच है, जो भारत को मजबूत बनाने के लिए 24×7 काम करते हैं और इंडिया ब्लॉक जिसके पास कोई काम नहीं है। उन्होंने कहा कि चुनाव के नतीजे क्या आने वाले हैं, उसका एग्जिट पोल आना शुरू हो गया है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप समझ लीजिए, जब ये इंडी गठबंधन वाले हर समय ईवीएम को गाली देना शुरू कर दें, इसका मतलब है कि एनडीए की सफलता का एग्जिट पोल आ चुका है। 4 जून को पाटलिपुत्र में भी और देश में भी नया रिकॉर्ड बनेगा। उन्होंने कहा कि 2024 के इस चुनाव में एक तरफ 24 घंटे आपके लिए मेहनत करने वाला मोदी है। दूसरी तरफ 24 घन्टे आपसे झूठ बोलने वाला इंडी गठबंधन है। एक तरफ मोदी है जो 24×7 2047 तक विकसित भारत बनाने में जुटा है, जो 20×7 आत्मनिर्भर भारत बनाने में जुटा है। वहीं दूसरी तरफ ये इंडी गठबंधन है, जिसके पास कोई काम नहीं है, देशवासियों ने इनकी छुट्टी कर दी है। इसलिए ये इंडी गठबंधन दिन-रात मोदी को गाली देने में जुटा है।

लालू यादव और राजद पर तंज कसते हुए मोदी ने कहा कि एलईडी बल्ब के जमाने में... यहां बिहार में एक लालटेन भी है। एक ऐसी लालटेन जो सिर्फ एक ही घर में रौशनी करती है। बिहार में इस लालटेन ने अंधेरा ही अंधेरा फैलाया है। उन्होंने कहा कि ये चुनाव देश का पीएम चुनने के लिए है। अब आपका वोट इतना वजनदार है कि अब आपका वोट पीएम चुनने वाला है। भारत को कैसा पीएम चाहिये? भारत को ऐसा पीएम चाहिए जो इस दमदार देश का दम दुनिया के सामने रख सके। वहीं दूसरी ओर ये इंडी वाले हैं। इंडी गठबंधन की योजना 5 साल में 5 पीएम देने की है। आप ही बताइए अगर पांच साल में पांच पीएम आएं तो इस देश का क्या होगा। गांधी परिवार का बेटा, सपा परिवार वाले का बेटा, एनसीपी परिवार की बेटी, टीएमसी परिवार का भतीजा, आम आदमी पार्टी के आका की पत्नी और राजद परिवार का बेटा दावेदार प्रधानमंत्री पद का

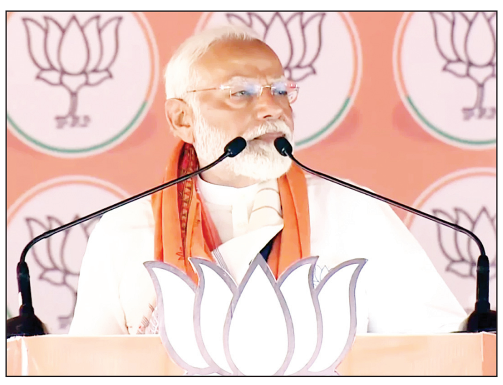

दावेदार है। विपक्ष पर वार करते हुए मोदी ने कहा कि ये इंडी गठबंधन के लोग घोर सांप्रदायिक हैं। घोर जातिवादी हैं। घोर परिवारवादी हैं। ये सबसे पहले अपने परिवार का ही सोचते हैं, बाकी सबको पीछे रखते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की इस धरती ने सामाजिक न्याय को लेकर पूरे देश को दिशा दिखाई है। एससी-एसटी-ओबीसी के आरक्षण के अधिकार के लिए बिहार में लंबी लड़ाई लड़ी है। लेकिन आज बिहार के जागरूक लोगों के सामने में दुख और बड़ी पीड़ा के साथ एक कड़वा सच रख रहा हूं।

राजद, कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दल इन लोगों के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात कर रहे हैं। हमारा संविधान कहता है भारत में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा। बाबा साहेब आंबेडकर कहते थे कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा। लेकिन, राजद और कांग्रेस वोट जिहाद करते हैं। वह लोग अपने खास वोट बैंक को धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं। जब मैंने इनकी साजिश का पर्दाफाश किया तो एक-एक बार एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण विरोध करतूतें सामने आने लगी। राजद और कांग्रेस ने मिलकर मेरे यादव, कुर्मी, कुशवाहा, कलवार, तेली, सूरी, कानू, निषाद, पासवान, रविदास, मुसहर परिवारों के हक पर डाका डाला। अंधेरे में इन लुटेरों ने आपके हक को लूटा है। इन जातियों के आरक्षण का कोटा कमकर अपने वोट बैंक को दे दिया। एससी-एसटी और ओबीसी का हक छीनकर इन्हें दे दिया।

पीएम मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन वालों ने रातों-रात मुसलमानों को ओबीसी घोषित कर दिया। यह लोग पूरे देश में धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं। मैं एससी-एसटी और ओबीसी परिवार को गारंटी देता हूं कि जब तक मोदी जिंदा है, तब तक मैं एससी-एसटी और ओबीसी परिवार का हक छिनने नहीं दूंगा। इंडी गठबंधन को अपने वोट बैंक की गुलामी करनी है तो करे। उनको वहां जाकर जो करना है तो करे। मैं एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण के साथ डटकर खड़ा हूं और हमेशा रहूंगा। जब तक जान है लड़ता रहूंगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी रामकृपाल यादव को वोट देने की अपील की।

पीएम मोदी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार को पटरी पर ले आई। आने वाले पांच साल में हमें और भी विकास कार्य करने हैं। आने वाले पांच साल भारतीय रेल के आधुनिकीकरण के स्वर्णिम साल होने वाले हैं। कुछ लोगों को राम से घोर विरोध है। वह रामकृपाल नाम का भी विरोध करेंगे। इसलिए मैं आपसे आशीर्वाद मांगने आया हूं। कमल पर पड़ा वोट सीधे मोदी के खाते में जाएगा।

प्रधानमंत्री ने मतदाताओं से की मताधिकार का इस्तेमाल करने की अपील

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को लोगों से लोकसभा चुनाव के छठे चरण के दौरान बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह किया और कहा कि एक-एक वोट मायने रखता है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि जब लोग चुनावी प्रक्रिया में शामिल होते हैं तभी लोकतंत्र फलता-फूलता है। मोदी ने कहा, ''लोकसभा चुनाव के छठे चरण के सभी मतदाताओं से मेरा निवेदन है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान के लिए आगे आएं। एक-एक वोट मायने रखता है और आपका वोट भी उतना ही महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है और जीवंत दिखता है, जब चुनाव प्रक्रिया में जनता-जनार्दन की बढ़-चढ़कर भागीदारी होती है। माताओं-बहनों और बेटियों के साथ ही युवा मतदाताओं से मेरा विशेष आग्रह है कि वे अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करें।'' आम चुनाव के छठे चरण के लिए छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 58 निर्वाचन क्षेत्रों में शनिवार को मतदान हुआ।

मछली, मटन, मंगलसूत्र और अब मुजरा...

प्रधानमंत्री के बयान पर भड़का विपक्ष, महिलाओं का बताया अपमान

पटना। बिहार के पटना में एक चुनावी रैली में दिए गए एक उग्र भाषण में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर तीखा कटाक्ष किया, विशेष रूप से इंडिया गुट पर निशाना साधा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह किसी को भी भारतीय संविधान द्वारा एससी/एसटी/ओबीसी समुदायों को प्रदान किए गए आरक्षण लाभ को छीनने की अनुमति नहीं देंगे, और यदि वे चाहें तो इंडिया ब्लॉक अपने वोट बैंक के सामने मुजरा (नृत्य) कर सकते हैं। इसी को लेकर विपक्ष भड़क गया है। विपक्ष इसे महिलाओं का अपमान बता रहा।

राजद के मनोज झा ने पलटवार करते हुए कहा कि मुझे इसकी चिंता नहीं है कि वह (पीएम मोदी) क्या कह रहे हैं, मुझे अब उनकी चिंता है। कल तक हम उनसे असहमत थे, अब हमें उनकी चिंता हो रही है। उन्होंने दावा किया कि मैंने हाल ही में कहा था कि वह भव्यता के भ्रम का शिकार हो रहे हैं। मछली, मटन, मंगलसूत्र और मुजरा...क्या यही है एक पीएम की भाषा है? पश्चिम बंगाल के मंत्री और टीएमसी नेता शशि पांजा ने कहा कि इस देश के प्रधान मंत्री, जो भाजपा नेता भी हैं, द्वारा विपक्षी दलों के खिलाफ मुजरा शब्द का इस्तेमाल अपमानजनक है। उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए और भविष्य में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। ये हमारी संस्कृति नहीं, लोकाचार नहीं। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने कहा कि आज जब छठे चरण का मतदान चल रहा है और अगले चरण के लिए प्रचार चल रहा है तो बीजेपी निराश हो गयी है. उनकी भाषा बदल गई है और वे अब मुजरा के बारे में बात कर रहे हैं। भाजपा के पास लोगों के सवालों का कोई जवाब नहीं है और वह केवल लोगों को गुमराह करना चाहती है। जनता अच्छी तरह से जागरूक है और चुनाव में हमें वोट देगी और इंडिया गठबंधन सरकार बनाने जा रहा है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने कहा कि आज नरेंद्र मोदी जिस तरह के भाषण दे रहे हैं, विपक्ष के लिए जैसे शब्दों का

प्रयोग कर रहे हैं.. वे अपनी असलियत दिखा रहे हैं। मोदी जी, आप देश के प्रधानमंत्री हैं। अपनी आखों की शर्म मत खोने दीजिए।

चीन ने हमारी जमीन पर अतिक्रमण कर लिया लेकिन प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं : खरगे

शिमला। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को आरोप लगाया कि चीन ने भारत की जमीन पर अतिक्रमण कर लिया है और घर तथा सड़कें बना रहा है लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुप हैं। खरगे ने हिमाचल प्रदेश के रोहड़ू में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री पर कटाक्ष किया और पूछा कि 56 इंच का सीना कहां है। कांग्रेस नेता ने कहा कि उनकी पार्टी देश के लोगों और संविधान को बचाने के लिए लड़ रही है और अगर वह लोकसभा चुनाव में सत्ता में आती है तो 30 लाख सरकारी रिक्तियां भरी जाएंगी। खरगे ने कहा, ''हमने पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई लड़ी और बांग्लादेश को आजादी दिलाई। चीन ने हमारी जमीन पर अतिक्रमण कर लिया और घर तथा सड़कें बना रहा है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। 56 इंच का सीना कहां है?'' कांग्रेस अध्यक्ष ने 2023 की बाढ़ के बाद हिमाचल प्रदेश सरकार को कथित तौर पर सहायता नहीं देने के लिए भी केंद्र पर हमला बोला। खरगे ने दावा किया कि हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बाढ़ के बाद केंद्र से 10,000 करोड़ रुपये की सहायता मांगी थी, लेकिन कोई मदद नहीं मिली।

खेल

प्रमुख समाचार

कोलकाता और हैदराबाद के बीच फाइनल मुकाबला आज

चेन्नई। सनराइजर्स हैदराबाद 26 मई को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में दो बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (चयक्र) से भिड़ेगी। 21 मई को एसआरएच पर व्यापक जीत दर्ज करने के बाद कोलकाता ने ग्रैंड फिनाले में प्रवेश किया। वहीं एसआरएच ने क्वालीफायर-2 में आरआर को 36 रन से रौंदकर फाइनल का टिकट कटाया है। आईपीएल 2024 अंक तालिका में टॉप दो टीमों के रूप में समाप्त होने के कारण सनराइजर्स को आईपीएल 2024 के फाइनल में जगह बनाने का दूसरा मौका मिला। कोलकाता चार बार आईपीएल फाइनल में पहुंची है, जिसमें 2024 सीज़न भी शामिल है।

आईपीएल इतिहास में कोलकाता और हैदराबाद के बीच अब तक कुल 27 मैचों में आमना-सामना हुआ है। इस दौरान केकेआर पूरी तरह से एसआरएच पर भारी रही है। केकेआर ने कुल 18 मुकाबलों में जीत दर्ज की है, जबकि एसआरएच ने सिर्फ 9 मैच जीते हैं। पिछले पांच मैचों में से केकेआर ने तीन जीते हैं, जबकि एसआरएच ने सिर्फ दो मैच जीते हैं। चिदम्बरम स्टेडियम में दोनों ने एक-एक मैच जीता है। श्रेयस अय्यर के नेतृत्व वाली केकेआर मौजूदा सीजन में हैदराबाद को दो बार हरा चुकी है। कोलकाता ने आखिरी खिताबी मुकाबला 2021 में खेला था, जहां उन्हें सीएसके के हाथों 27 रन से हार का सामना करना पड़ा। कोलकाता ने 2012 और 2014 में गौतम गंभीर की अगुवाई में ट्रॉफी अपने नाम की थी। इस सीजन केकेआर पहले स्थान पर रहा जबकि एसआरएच अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा, और अब वे खिताब के लिए लड़ेंगे। कोलकाता इस सीज़न में सबसे शानदार प्रदर्शन करने वाली टीम रही है। टीम को बेहतरीन खिलाड़ियों के साथ-साथ मेंटर गौतम गंभीर का भी फुल सपोर्ट मिला है। दूसरी ओर पैट कमिंस की एसआरएच ने भी इस साल शानदार प्रदर्शन किया है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान प्रमुख समाचार

रियल टाइम डेटा शेयरिंग को लेकर सेबी का गाइडलाइन जारी

नईदिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने रियल टाइम डेटा शेयरिंग को लेकर नई गाइडलाइन जारी की है। बाजार नियामक ने स्टॉक एक्सचेंजों, क्लियरिंग सदस्यों, डिपॉजिटरी और स्टॉकब्रोकरों को तीसरे पक्ष के लिए रियल टाइम डाटा शेयर नहीं करने का निर्देश दिया है। सेबी ने कहा कि डेटा शेयरिंग के लिए अग्रीमेंट में इस बात की साफ जानकारी हो कि इसका इस्तेमाल कहां किया जाएगा। ब्रोकर, एक्सचेंज के बोर्ड रिव्यू करेंगे कि किस काम के लिए डेटा साझा हो। सेबी ने कहा, मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशन या बाजार मध्यस्थों को उन संस्थाओं के साथ एक उचित समझौता करना होगा जिनके साथ वे रियल टाइम में डेटा शेयर करना चाहते हैं। उक्त समझौता उन गतिविधियों के लिए प्रदान करेगा जिनके लिए एंटिटी द्वारा रियल टाइम में डेटा शेयर का उपयोग किया जाएगा।

आयकर विभाग ने एआईएस फॉर्म के फीचर को किया लॉन्च

नईदिल्ली। इनकम टैक्स विभाग के द्वारा जारी किए जाने वाले वार्षिक सूचना स्टेटमेंट में वित्तीय रिपोर्ट दी जाती है। इसमें करदाताओं से जुड़ी वित्तीय गतिविधियों की जानकारी रहती है और चालू वित्त-वर्ष के तहत छूट और कटौती का भी विवरण शामिल रहता है। अब आयकर विभाग के अंतर्गत आने वाले आईटी विभाग ने एआईएस से जुड़े नए फीचर को लॉन्च कर दिया है। वार्षिक सूचना स्टेटमेंट में पारदर्शिता को बढ़ाने और टैक्स फाइल को सरल बनाने के तहत किया, क्योंकि इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने के दौरान उन्हें ये पता चल सके, कि उनकी इनकम और उनके द्वारा हुई लेनदेन का विवरण फॉर्म में क्या भरा, जिसकी सीधी और सरल जानकारी उन्हें मिल जाए। वेतनभोगी व्यक्ति आमतौर पर नियोक्ताओं से प्राप्त फॉर्म 16 के आधार पर कर रिटर्न दाखिल करते हैं।

पर्यटन को बढ़ावा देकर आमदनी बढ़ाने की तैयारी कर रही सरकार

मुंबई। पिछले कुछ सालों में देश में पर्यटन क्षेत्र में काफी बदलाव आया है। जनवरी में लक्षद्वीप को मालदीव से बेहतर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने को लेकर विवाद उठा था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उस दौरान उत्तर अरब सागर में स्थित लक्षद्वीप के लिए कई विकास परियोजनाओं की घोषणा थी। इन सबके बीच सरकार कई अन्य ऐसे स्थलों को भी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना पर काम कर रही हैं जहां अपार संभावनाएं मौजूद हैं। इसी परियोजना के तहत गुजरात के कच्छ जिले के सर क्रीक और कोरी क्रीक जैसे सीमावर्ती क्षेत्रों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने पर काम चल रहा है। यह क्षेत्र भारत-पाकिस्तान के बीच 96 किलोमीटर की जल पट्टी है, इसकी जलधारा को मूल रूप से 'बान गंगा' कहा जाता है। अब सरकार इस क्षेत्र को व्यापक तौर पर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बना रही है।

'आईएसएस के लिए जल्द भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को उन्नत प्रशिक्षण देगा नासा'

बेंगलूरू। नासा जल्द ही भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को इस साल या फिर अगले साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर एक संयुक्त मिशन भेजने के लिए उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करेगा। यह जानकारी भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने दी है। गार्सेटी हाल ही में बंगलूरू में आयोजित यूएस-इंडिया कमर्शियल स्पेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए थे। कार्यक्रम यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी) और यूएस कमर्शियल सर्विस (यूएससीएस) द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गार्सेटी ने कहा कि नासा जल्द ही भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करेगा। यह दोनों देशों के नेताओं के बीच हुए वादों में से एक है।

भारत में फुटबॉल को समुचित प्रोत्साहन मिले

अनादि बरुआ

वैसे तो विभिन्न सभ्यताओं में फुटबॉल की तरह के खेलों का अस्तित्व प्राचीन काल से ही है, पर आधुनिक फुटबॉल का उद्भव उन्नीसवीं सदी में इंग्लैंड से माना जाता है, जो मध्यकालीन खेल का परिष्कृत रूप है। आज इसे दुनिया के सभी देशों में खेला जाता है तथा यह सर्वाधिक लोकप्रिय खेल भी है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस वर्ष से हर 25 मई को विश्व फुटबॉल दिवस मनाने का जो निर्णय लिया है, वह बेहद सराहनीय है। इस अवसर से फुटबॉल को बेहतर बनाने में अवश्य मदद मिलेगी।

इस खेल की स्वीकार्यता और इससे लगाव का पता इस तथ्य से भी मिलता है कि महासभा में लीबिया द्वारा लाये गये प्रस्ताव के साथ 160 से अधिक देश जुड़े तथा 193 देशों के समर्थन से इसे पारित किया गया। विश्व फुटबॉल दिवस के रूप में 25 मई को चुनने का कारण यह है कि इसी दिन सौ साल पहले 1924 में पेरिस ओलिंपिक के फुटबॉल आयोजन में दुनिया के सभी क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व मिला था।

उल्लेखनीय है कि पेरिस में ही 1900 में हुए ओलिंपिक में पहली बार फुटबॉल को शामिल किया गया था, लेकिन लंबे समय तक केवल पुरुष टीम ही भाग लेती थी। वर्ष 1996 में अटलांटा ओलिंपिक में महिला फुटबॉल को शामिल किया गया। फीफा का गठन 1902 में हुआ था, जो धीरे-धीरे फुटबॉल की वैश्विक संस्था बन गयी। यह एक दिलचस्प तथ्य है कि फीफा में 211 सदस्य हैं। यह संख्या संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों से अधिक है।

आधुनिक फुटबॉल की आधिकारिक नींव तब पड़ी, जब 1863 में इंग्लैंड में फुटबॉल एसोसिएशन का गठन हुआ, जिसने

इस खेल के शुरुआती नियम बनाये। अंग्रेजों के साथ-साथ आधुनिक फुटबॉल भी भारत समेत कई देशों में आया तथा जल्दी ही एक लोकप्रिय खेल बन गया। हमारे देश में डूरंड कप सबसे पुराना टूर्नामेंट है, जो एशिया का भी सबसे पुराना फुटबॉल आयोजन है।

पहली बार इसका आयोजन शिमला में 1888 में हुआ था। इसके पुराने होने की बात करें, तो यह दुनिया का पांचवां सबसे पुराना राष्ट्रीय आयोजन है। इसके संस्थापक तत्कालीन भारत सचिव सर हेनरी मोर्टिमर डूरंड थे। मशहूर पुराने खिलाड़ियों में पीके बनर्जी, अरुण घोष, सैलेन मन्ना, तुलसीदास बलराम, मोहम्मद सलीम, पीटर थंगराज, मेवालाल, करीम, जरनैल सिंह जैसे नाम शामिल हैं। नयी पीढ़ी के खिलाड़ियों में सुनील छेत्री, सुब्रत पाल, बाइचुंग भूटिया, लालपेखलुआ, गुरप्रीत संधु, संदेश झींगन, टेलम सिंह, धीरज सिंह, प्रणय हलदर, कुमाम सिंह, आशिक कुरुनिया ने अपनी प्रतिभा से बड़ी लोकप्रियता हासिल की है। साल 1952 में हमने एशियाई खेलों में जीत हासिल की। देश में कई टूर्नामेंट होते थे और देशभर से प्रतिभाएं आगे आती थीं। लेकिन सत्तर के दशक से हम पीछे होते गये। हालांकि अब बहुत तरह के आयोजन हो रहे हैं और नयी प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हम पीछे हैं।

ओलिंपिक में नहीं जा सकने और विश्व कप के लिए लगातार क्वालिफाई नहीं कर पाने से हमारे मनोबल और आत्मविश्वास को झटका लगता चला गया। इसी के साथ-साथ क्रिकेट में विश्व कप जीतने और निरंतर उपलब्धियां हासिल करते जाने से क्रिकेट को अभूतपूर्व लोकप्रियता मिली और किशोरों-युवाओं का रुझान उस तरफ अधिक होने लगा। जो फुटबॉल के साथ हुआ, लगभग वैसा ही हॉकी के साथ हुआ। उसमें भी हम धीरे-धीरे पीछे होने लगे, जबकि एक लंबे समय तक हम हॉकी में अग्रणी देशों में होते थे। फुटबॉल ही नहीं, कई खेलों में वैश्विक स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता भारत में है। लेकिन अगर फुटबॉल के मैदान में हमें अपने गौरव को वापस लाना है, तो योजनाबद्ध तरीके से व्यापक प्रयास की आवश्यकता होगी। देश में वैसे तो फुटबॉल क्लबों और अकादमियों की अच्छी-खासी संख्या है, पर इन्हें संगठित करने और परस्पर सहयोग बढ़ाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव रायपुर में आयोजित आईसेक्ट के समर्थ भारत कॉन्क्लेव में हुए शामिल

मोदी ने 10 सालों में भारत को बनाया डिजिटल इंडिया, 34 लाख करोड़ का हुआ डिजिटल ट्रांसफर : साव

रायपुर। उपमुख्यमंत्री अरुण साव शनिवार शाम को रायपुर में आईसेक्ट के समर्थ भारत कॉन्क्लेव में शामिल हुए। कार्यक्रम में श्री साव ने आईसेक्ट के सफल उद्यमियों को सम्मानित किया। साथ ही रोजगार हासिल करने वाले विद्यार्थियों को आफर लेटर देकर प्रोत्साहित किया। वहीं लंबे समय तक लोगों को प्रशिक्षित करने वालें सेंटर संचालकों का भी सम्मान किया गया।

कॉन्क्लेव में उपमुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि आप अपनी मेहनत और क्षमता से एक मुकाम हासिल किया है। इन कार्यों से आपने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। वहीं आप अनेक नवजवानों के सपने साकार कर रहे हैं। भारत सरकार की योजनाएं जैसे- डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया को लेकर काम कर रहे हैं। विकसित भारत निर्माण में योगदान दे रहे हैं। ये देश की आवश्यकता है।

श्री साव ने कहा कि युवा बड़ी डिग्री हासिल कर नौकरी के पीछे भागते हैं। लेकिन आपने एक नई दिशा तय की है। सरकारी योजनाओं को आप निचले स्तर तक ले जाने का काम कर रहे हैं।

श्री साव ने कहा कि, 2014 से पहले भारत में घोर निराशा थी। भ्रष्टाचार के कारण लोग परेशान थे। देश की जनसंख्या एक गंभीर समस्या थी। लेकिन मोदी सरकार ने पिछले 10 सालों में देश को बहुत आगे बढ़ाया है। मोदी जी ने देश की जनसंख्या को ताकत बनाने का काम किया है। सबसे युवा देश हमारा है, उसकी क्षमता का उपयोग देशहित में करने मोदी जी ने सिखाया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, भारत आज डिजिटिल इंडिया बन गया है। 34 लाख करोड़ रुपए का ट्रांसफर डिजिटल माध्यम से हुआ है। यही आज के भारत की ताकत है। देश में 50 करोड़ जनधन खाते खुले हैं। श्री साव ने कहा कि, जिन्होंने कभी बैंक का दरवाजा नहीं देखा था, आज उनके खाते में पैसा आ रहा है। 70 लाख महिलाओं को एक बटन दबाकर उनके खाते में एक-एक हजार रुपए ट्रांसफर किए हैं। ये सब टेक्नोलाजी के उपयोग से संभव हुआ है। अंत में श्री साव ने कहा कि हौसला है तो चलकर मंजर भी पास आएगा, प्यासे के पास चलकर संमदर भी पास आएगा। थक कर ना बैठ मंजिल के मुसाफिर, मंजिल भी मिलेगी और जीने का मजा भी आएगा ।

गौवंश अभ्यारण्य योजना लाएगी साय सरकार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अधिकारियों को दिए कार्ययोजना बनाने के निर्देश

रायपुर। सड़कों पर खुले में घूमने वाले स्वामी विहीन गौवंशों की सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए साय सरकार प्रदेश में गौवंश अभ्यारण्य योजना ले कर आ रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अधिकारियों को इस संदर्भ में कार्ययोजना बनाने के आवश्यक निर्देश दिए हैं। राज्य में पशुधन विकास विभाग, पंचायत, राजस्व एवं वन विभाग के समन्वय से गौवंश अभ्यारण्य संचालित करने की योजना है। इस योजना के क्रियान्वयन से सड़कों पर भूखे-प्यासे भटकने वाले गौवंश को न केवल नियमित आहार मिल सकेगा वरन् उनकी उचित देखभाल और चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध होगी। गौवंश अभ्यारण्य पशुधन के लिए उचित रहवासी वातावरण से परिपूर्ण होगा। गौरतलब है कि सड़कों पर घूम रहे स्वामी विहीन पशुधन न केवल यातायात के लिए बाधा बन रहे हैं वरन् आए दिन दुर्घटनाओं का कारण भी बनते हैं। भूख से बेहाल पशुधन द्वारा कूड़ा-कचरा एवं प्लास्टिक खाने से उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। गौवंश अभ्यारण्य योजना इसे रोकने की दिशा में सकारात्मक कदम साबित होगी।

सुरक्षा और संवर्धन होगा योजना का ध्येय वाक्य - विष्णु देव साय- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि ठोस कार्ययोजना के माध्यम से भ्रष्टाचार मुक्त, सेवा, सुरक्षा और संवर्धन का ध्येय वाक्य ले कर प्रदेश में स्वामी विहीन पशुधन के लिए गौवंश अभ्यारण्य की रूप रेखा बनाने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए हैं। प्रस्तावित योजना लागू होने पर न केवल सड़कों पर भूखे-प्यासे भटकने वाले गौवंशों को नियमित आहार, देखभाल और चिकित्सकीय सुविधा मिलेगी वरन् दुर्घटनाओं पर भी लगाम लगेगी।

कन्वेयर बेल्ट विस्तार की जद में आ रहे 80 परिवारों को मुआवजा देने उद्योग मंत्री ने सीएम को लिखा पत्र

रायपुर। कोरबा के सिंचाई विभाग की जमीन पर वर्षों से काबिज 80 परिवारों के मकान कन्वेयर बेल्ट के विस्तार की जद में आ रहे हैं, वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, बिजली कंपनी के चेयरमैन, मुख्य अभियंता, कलेक्टर कोरबा, सिंचाई विभाग के कार्यपालन अभियंता को पत्र लिखकर सभी काबिज लोगों को मुआवजा और व्यवस्थापन दिए जाने की मांग की है. गौरतलब है की उत्पादन कंपनी के कोरबा पश्चिम का विस्तार होना है. इसके लिए कन्वेयर बेल्ट का भी विस्तार किया जा रहा है. मंत्री देवांगन ने अपने पत्र में ध्यान

आकृष्ट कराते हुए लिखा है की सिंचाई विभाग के दर्री स्थित जमीन पर कई वर्षों से लगभग 75 से 80 मकान बनाकर लोग बसे हुए हैं, ये प्रभावित हो रहे हैं. चूंकि कन्वेयर बेल्ट के विस्तार से 98 शासकीय क्वार्टर भी प्रभावित हो रहे हैं, जिन्हें अन्य स्थान पर क्वार्टर बनाकर दिया जा रहा है. इसी तर्ज पर सिंचाई विभाग की जमीन पर बसे लोगों को भी मुआवजा व आवास की सुविधा दी जाए. अन्यथा इनके समक्ष आर्थिक तथा निवास करने की गंभीर समस्या उत्पन्न होगी. मंत्री देवांगन ने उक्त जनहित समस्या को देखते हुए जमीन पर बसे लोगों को मुआवजा व व्यवसथापन देने जाने की मांग की है.

आत्मानंद स्कूलों में पदस्थ संविदा कर्मचारियों मिलेगी 3 महीने की सैलरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के इंद्रावती भवन से संविदा के तौर पर कार्यरत कर्मचारियों के लिए ऐसा आदेश जारी हुआ है, इस फैसले का लाभ करीब 5000 संविदा कर्मचारियों को मिलेगा। इस संबंध में सभी जिले के अधिकारियों और सचिवों को निर्देश जारी कर दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार पिछले तीन महीने से सैलरी का इंतजार कर रहे आत्मानंद स्कूलों में पदस्थ संविदा शिक्षकों को जल्द सैलरी मिल जाएगी। लोक शिक्षण संचालनालय ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार संविदा कर्मियों को लोक शिक्षण संचालनालय वेतन देगा।

बता दें कि छत्तीसगढ़ पेरेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष क्रिस्टोफर पॉल ने इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय की संचालक दिव्या मिश्रा को पत्र था कि पिछले तीन महीने से संविदा कर्मियों को वेतन नहीं दिया जा

रहा है। वहीं इन स्कूलों में प्रतिनियुक्ति पद पर शासकीय कर्मचारियों को प्रतिमाह वेतन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा था कि तीन महीने से वेतन नहीं मिलने से संविदा कर्मियों की आर्थिक हालत बिगड़ती जा रही है। ऐसे में संविदा कर्मियों के वेतन राशि को शीघ्र जारी करें।

पेरेंट्स एसोसिएशन के पत्र पर संज्ञान लेते हुए लोक शिक्षण संचालनालय ने उत्कृष्ट शाला संचालन योजना के प्राप्त अनुदान के माध्यम से वेतन भुगतान करने का फैसला लिया है।

अफसरों ने बताया 4 मई को स्कूल शिक्षा विभाग ने स्वामी आत्मानंद स्कूलों के कर्मचारियों को उत्कृष्ट शाला संचालन योजना के प्राप्त अनुदान से वेतन भुगतान करने की सहमति दी गई थी।

मुख्यमंत्री साय की धर्मपत्नी को शिव महापुराण के लिए किया गया आमंत्रित

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी कौशल्या देवी को 27 मई को होने वाले राजधानी रायपुर स्थित अमलेश्वर में आयोजित शिव महापुराण के लिए सादर आमंत्रित किया गया। कौशल्या देवी साय से आयोजक मंडल की महिला सदस्यों समेत पदाधिकारियों ने शनिवार को सौजन्य भेंट किया। श्रीमती सीएम ने आयोजक मण्डल से सातों दिन कथा श्रवण करने कार्यक्रम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही। इस दौरान आयोजक पवन खंडेलवाल, विशाल खंडेलवाल, बसंत अग्रवाल, मोनू साहू व परिवार क़ी महिलाएं उपस्थित थी।

यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा से पहले फ्री मॉक टेस्टः राजधानी के 2 सेंटर में 485 स्टूडेंट देंगे परीक्षा,

टॉप-3 प्रतिभागियों को मिलेगा पुरस्कार

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा 2024 के लिए रविवार को जिला प्रशासन रायपुर द्वारा निःशुल्क मॉक टेस्ट का आयोजन किया जाएगा. इस मॉक टेस्ट में शामिल होने के लिए 485 प्रतिभागियों ने

पंजीयन कराया है. प्रतिभागियों की संख्या को देखते हुए इसे दो पालियों में आयोजित किया जाएगा. इस मॉक टेस्ट के दौरान युवाओं को वास्तविक परीक्षा के अनुभव देने के लिए ऑनलाइन के जगह ऑफलाइन मॉक टेस्ट लिया जाएगा. बता दें कि मॉक टेस्ट का प्रश्न पत्र हिंदी और अंग्रेजी दोनो भाषा में होगा. जिला प्रशासन द्वारा मॉक टेस्ट के बाद प्रश्नों के विस्तृत उत्तर भी दिया जाएगा, इसके साथ ही प्रथम 3 स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार दिया जाएगा.

2 सेंटर में होगा मॉक टेस्ट का आयोजन- जिला प्रशासन ने इस मॉक टेस्ट के आयोजन के लिए कालीबाड़ी स्थित जे.आर. दानी कन्या विद्यालय और चैबे कॉलोनी स्थित शासकीय मायाराम सुरजन विद्यालय का चयन किया है। जहां पहली पाली में सुबह 8 से 10 बजे के मध्य सामान्य अध्ययन और दूसरी पाली में सुबह 11 बजे से 1 बजे के मध्य सी-सेट के टेस्ट होंगे. परीक्षा में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों सुबह 7.40 बजे तक उपस्थिति दर्ज करनी होगी.

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

रोज हो रहे हादसे क्राइम बढ़ा कंट्रोल करने वाला कोई नहीं

रायपुर। कवर्धा सड़क हादसे में 19 मौतों को बिलासपुर हाईकोर्ट ने जनहित याचिका माना है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि हाई कोर्ट ने राज्य में बेलगाम परिवहन व्यवस्था और कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा किया है। यह राज्य सरकार की अक्षमता है कि मा. उच्च न्यायालय को स्वयं संज्ञान लेकर कड़ी टिप्पणी करना पड़ रहा है। हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा है ''रोज दुर्घटनायें हो रही है कोई ध्यान देने वाला नहीं है। नेशनल हाईवे में हैवी ट्रेफिक है, सड़के उखड़ी हुई है कोई ध्यान देने वाला नहीं है। बिलासपुर में क्राइम बढ़ा है, ट्रेफिक बदहाल है, पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है। कन्ट्रोल करने वाला कोई नहीं है।'' हाई कोर्ट की इस तल्ख टिप्पणी के बाद नैतिकता के आधार पर मुख्यमंत्री जिनके पास परिवहन विभाग है तथा गृहमंत्री विजय शर्मा जो राज्य की कानून व्यवस्था संभाल नहीं पा रहे अपने पद से तत्काल इस्तीफा दें। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राज्य की पुलिस और परिवहन अमला चेकिंग का उपक्रम करके सिर्फ वसूली करने में व्यस्त है। प्रदेश के सभी मार्गो पर हर एक किलोमीटर में ट्रेफिक, आरटीओ और पुलिस की चेकिंग वैन सड़क के किनारे वाहनों को रोकते दिख जायेगी।

248 ऑटो चालकों पर कार्यवाही

रायपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में शहर के प्रमुख चौक चौराहों पर नो पार्किंग एवं लेफ्ट टर्नपर खड़े कर सवारी बैठाते या उतारते हुए यातायात बाधित करने वाले ऑटो चालकों पर अभियान चलाकर शहर के प्रमुख स्थान शास्त्री चौक, जय स्तंभ चौक, फाफाडीह चौक, स्टेशन चौक, भनपुरी, टाटीबंध, भांठागांव, पचपेड़ी नाका, तेलीबांधा एवं पंडरी आदि प्रमुख चौक चौराहों पर अभियान चलाकर 248 ऑटो चालकों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। जानकारी के अनुसार शहर से गुजरने वाले प्रमुख चौक चौराहों पर ऑटो चालकों द्वारा लापरवाही पूर्वक नो पार्किंग पर वाहन खड़े कर सवारी बैठाते हुए यातायात बाधित करने के संबंध में बार-बार शिकायत प्राप्त हो रही थी। जिसको देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात ओपी शर्मा के नेतृत्व में यातायात पुलिस रायपुर के 8 यातायात थाना के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा संयुक्त रूप से नो पार्किंग में खड़े कर यातायात में बाधा बनने वाले 248 ऑटो चालकों पर कार्यवाही किया गया। यातायात पुलिस रायपुर ऑटो चालकों से अपील है कि सवारी निर्धारित स्टॉपेज पर ही बैठाए एवं उतारे , किसी चौक पर या लेफ्ट टर्नपर वाहन खड़ी कर यातायात बाधित न करें ऐसा करते पाए जाने पर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ ने झीरम घाटी के शहीदों को किया नमन

रायपुर। कांग्रेस असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ ने झीरम घाटी के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। प्रकोष्ठ अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक के साथ जय स्तंभ पहुंचकर कार्यकर्ताओं ने शहीदों को मोमबत्ती जलाकर व पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि देकर याद किया। श्रद्धांजली अर्पित करने वालों में प्रमुख रूप से वरिष्ठ पार्षद एमआईसी मेंबर सुंदर जोगी,प्रदेश सचिव शब्बीर खान,नागेंद्र वोरा, आनंद पांचाल,मनोज पाल ,मुकुंद कागडेलवार,बंसी कन्नौजे, राजेश त्रिवेदी,शरद गुप्ता,घनश्याम विश्वकर्मा, राजेश विश्वकर्मा,संजय ठाकुर,अंजोरदास बंजारे, नंदू सिन्हा, आशा राम लहरे,नंदू मारकंडे,नरेंद्र कुर्रे, श्रीराम डहरिया,मानसिंह आदि उपस्तिथ थे।, प्रकाश बांधे ,मनोज यादव, सुषमा ध्रुव, आरती माहुरी,मुजफ्फर हुसैन,सकुंतला साहू,मोहम्मद जावेद, हेमू,मोहम्मद वसीम,शेख शाहरुख,मोहम्मद अनीस जोया, नदीम खान,सल्लू भाई, नईम, अशफाक,विजय बाफना,मोहम्मद आफताब सहित अन्य कांग्रेसजन शामिल हुए !!

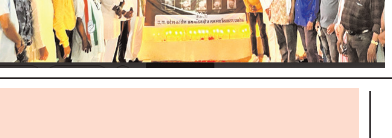

जगदलपुर के लिए 1 जून से विमान सेवा होगी शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की मांग पर जगदलपुर के लिए 1 जून से सीधी विमान सेवा शुरू होने जा रही है। चेंबर ने इस पहल हेतु नागरिक एवं उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों की ओर से धन्यवाद ज्ञापित किया। छत्तीसगढ़ चेंबर अध्यक्ष श्री अमर पारवानी ने बताया कि चेंबर की मांग पर जगदलपुर के लिए 1 जून 2024 से सीधी विमान सेवा शुरू होने जा रही है। पूर्व में चेंबर ने नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को जगदलपुर विमान सेवा शुरू करने हेतु ज्ञापन सौंपा था ताकि घरेलू एवं अंतर्राज्यीय उड़ानों की संख्या में वृद्धि हो तथा प्रदेश में बढ़ रहे हवाई यात्रियों को भी इसका लाभ मिले। पारवानी ने नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का प्रदेश के 12 लाख व्यापारियों की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस पहल से छत्तीसगढ़ राज्य के दुरांचल में स्थित जगदलपुर(बस्तर) का प्रदेश एवं अन्य राज्यों के साथ कनेक्टिविटी बढ़ेगी। ऐसे में बिलासपुर-जगदलपुर के लिए फ्लाइट शुरू होना शहरवासियों के लिए काफी बेहतर साबित होगा। बिलासपुर और रायपुर के बाद जगदलपुर के लिए टूरिज्म की संभावना काफी अधिक है क्योंकि जगदलपुर प्राकृतिक और सांस्कृतिक विविधता से भरा हुआ है। बिलासपुर से जगदलपुर के लिए फ्लाइट शुरू होने से इसे बढ़ावा मिलना तय है।

जेल जाने के बाद भी नहीं सुधरा, फिर पकड़ा गया बाइक चोर

रायपुर। वाहन चोरी के मामले में जेल जाने के बाद भी शातिर वाहन चोरी नवीन उर्फ सुनील सुनानी नही सुधार और रायपुर के साथ दुर्ग में वाहन चोरी की घटना को अंजाम दे रहा था। शनिवार को भी वह दोपहिया वाहन को बेचने के लिए ग्राहक की तलाश में था कि देवेंद्र नगर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से पुलिस ने 6 बाइक को जप्त भी किया है। देवेंद्र नगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति दोपहिया वाहन बिक्री करने की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहा है। जिस पर थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने उक्त स्थान पर जाकर दबिश दिया और मुखबिर के बताए हुलिए के व्यक्ति को पकड़कर उससे वाहन के कागजात मांगे तो गोल-मोल जवाब देकर गुमराह करने लगा। पुलिस द्वारा कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने वाहन को चोरी करना स्वीकार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने रायपुर और दुर्ग जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से छह दोपहिया वाहन चोरी किए हैं। वाहनों को बेचने के लिए वह उसमें फर्जी नंबर प्लेट लगाया करता था। पुलिस ने आरोपी नवीन उर्फ सुनील सुनानी के निशानदेही पर 6 दोपहिया वाहनों को जप्त कर लिया है। नवीन ने बताया कि वह वाहन चोरी के मामले में पहले भी जेल जा चुका है।

वानिकी विश्वविद्यालय गुणवत्ता बढ़ाने पर करेगा रिसर्च

औषधीय गुणों से भरपूर है मुनगा, इससे 300 रोगों का होता है उपचार

रायपुर। राज्य के महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय मुनगा (सहजन) के औषधीय गुणों की पहचान करके इसकी सर्वाधिक पौष्टिक प्रजातियों पर अनुसंधान करेगा। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार ने परियोजना को स्वीकृति दी है। उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र साजा, बेमेतरा को अनुसंधान केंद्र के रूप में चयनित किया गया है। कोरोना काल में मुनगा पर कई अनुसंधान हुए हैं।

आयुर्वेद में भी 300 रोगों का मुनगा से उपचार बताया गया है, लेकिन आधुनिक विज्ञान ने इसके पोषक तत्वों की मात्रा खोजकर संसार को चकित कर दिया है। इसकी फली, हरी पत्तियों व सूखी पत्तियों में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, पोटेशियम, आयरन, मैग्नीशियम, विटामिन-ए, सी और बी काम्पलैक्स प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। अब विश्वविद्यालय के विज्ञानी उन प्रजातियों को खोजेंगे जो कि सर्वाधिक गुणवत्ता वाले हैं। स्थानीय बोलियों में मुनगा को सहजना, सुजना, सैजन या सहजन के नाम से भी जाना जाता है।

छत्तीसगढ़ का मुनगा पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और

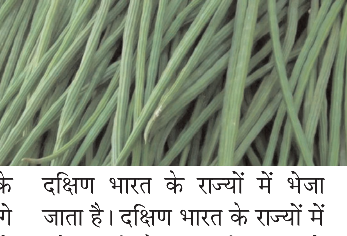

दक्षिण भारत के राज्यों में भेजा जाता है। दक्षिण भारत के राज्यों में इसे सब्जी के साथ ही सांभर में डालकर खाया जाता है। बिहार और झारखंड में भी सब्जी के रूप में इसका लोग सेवन करते हैं। पश्चिम बंगाल में इसे खाने के साथ ही दवाई के तौर पर भी उपयोग किया जाता है। कृषि विज्ञानियों ने बताया कि देश में मुनगा की फसल वैसे तो सालभर होती है, लेकिन दिसंबर से लेकर मार्च तक इसकी पैदावर काफी बढ़ जाती है। मुनगा के फूल, पत्ती और फल तीनों ही औषधीय गुणों से भरपूर हैं। कोरोना काल में आयुर्वेद कालेज रायपुर में रिसर्च भी किया गया था। इसमें पाया गया कि इसका काढ़ा साइटिका (पैरों में दर्द), जोड़ों में दर्द, लकवा, दमा, सूजन, पथरी में लाभकारी है। इसकी गोंद जोड़ों के दर्द में लाभदायक है। कृषि विज्ञानी ने बताया कि छत्तीसगढ़ में मुनगा दो प्रकार के होते हैं। एक बरमसी और दूसरा सगवान। बरमसी मुनगा 12 माह फल देता है। सगवान जनवरी से मार्च-अप्रैल तक। आमतौर मुनगा की खेती गांवों में घरों की बाड़ी और खेतों की मेड़ों पर होती है। खाली पड़ी जमीन में भी की जाती है। कृषि विज्ञानियों के अनुसार मुनगा के पौधे लगाने के बाद दो साल तक सहेजने की जरूरत होती है।

श्रीमंत झा ने पैरा-आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

रायपुर। दुनिया के तीसरे और एशिया के नंबर वन आर्म रेशलर श्रीमंत झा ने एशिया पैरा-आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप 2024 में +85 किलोग्राम वर्ग में भाग लिया और गोल्ड अपने नाम किया।

भारत के नंबर वन पैरा-एथलीट श्रीमंत झा ने एक बार फिर भारत का तिरंगा लहराया है। उन्होंने उज्बेकिस्तान में आयोजित एशिया पैरा-आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप 2024 में +85 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। श्रीमंत झा ने अपना गोल्ड मैडल भारतीय जवानों को समर्पित किया। यह टूर्नामेंट 20 मई को शुरू हुआ था,

जिसका फाइनल मुकाबला आज खेला गया। स्वर्ण पदक जीतने के बाद श्रीमंत झा ने मोल्दोवा में विश्व पैरा आर्मरेसलिंग चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। झा ने कहा कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अच्छी तैयारी की है और आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करेंगे। झा ने आगे कहा, यह मेरे लिए एक विशेष जीत है। अब मैं आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करूंगा और निश्चित रूप से भारत को फिर से गौरवान्वित करने की कोशिश करूंगा।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.